RNI NO. DELHI/2012/48369
वर्ष 8 अंक 320
नई दिल्ली, शनिवार, 26 सितंबर, 2020
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

शूटिंग शुरू करने से पहले वरुण धवन ने कराई कोविड-19 जांच

विविध-12

हक मांगते अन्नदाता सड़कों-पटरियों पर

कृषि विधेयकों के खिलाफ उत्तर से दक्षिण, पूर्व से पश्चिम तक सुनाई दे रही किसान आंदोलन की धमक

● पंजाब के लांबी में सुखबीर और हरसिमरत कौर बादल ने की अगुवाई मुख्यमंत्री अमरिंदर से की हस्तक्षेप की मांग

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

संसद से पारित हुए कृषि विधेयकों को लेकर शुक्रवार को देश भर में किसानों ने प्रदर्शन किया। पंजाब और हरियाणा में बंद का सबसे ज्यादा असर देखने को मिला। किसान सुबह ही सड़क और रेलवे ट्रैक पर बैठ गए, जगह-जगह चक्का जाम और विरोध प्रदर्शन किया।

यहां पर बाजार भी पूरे दिन बंद रहे। पश्चिमी उत्तर प्रदेश, बिहार, तेलंगाना, कर्नाटक, पश्चिम बंगाल समेत देश के अन्य हिस्सों में भी विरोध प्रदर्शन हुआ। पंजाब में विधेयकों को वापस लेने के लिए केंद्र पर दबाव बनाने के उद्देश्य से प्रदर्शन कर रहे किसानों ने राष्ट्रीय राजमार्ग सहित सड़कों को बाधित कर दिया। इन विधेयकों को अभी राष्ट्रपति की मंजूरी मिलनी बाकी है। प्रदर्शनकारियों द्वारा सड़कों को बाधित किए जाने से दोनों राज्यों के आम यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। पंजाब के किसानों ने विधेयकों के खिलाफ बुलाई गई 'बंद' के तहत प्रदर्शन किया। 'पंजाब बंद' के आह्वान का सरकारी कर्मचारी संघों, गायकों, आढ़तियों, मजदूरों और सामाजिक कार्यकर्ताओं का समर्थन मिला। किसानों के समर्थन में दुकानें, व्यवसायिक प्रतिष्ठान, सब्जी मंडी और अन्य स्थान बंद रहे। दुकानदारों ने किसानों के समर्थन में दुकानें बंद रखने की अपील की थी।

किसानों ने विधेयकों के खिलाफ गुरुवार को तीन दिवसीय 'रेल रोको' प्रदर्शन शुरू किया और पटरियों पर धरना दिया। पंजाब के मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह ने कहा कि राज्य सरकार विधेयकों के खिलाफ लड़ाई में पूरी तरह किसानों के साथ है और धारा 144 के उल्लंघन के लिए प्राथमिकी दर्ज नहीं की जाएगी। पूर्णतया पंजाब बंद के लिए भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) के तत्वावधान में 31 किसान संगठनों ने हाथ मिलाया है। भारतीय किसान संगठन जो बंद का समर्थन कर रहे हैं उनमें किसान मजदूर संघर्ष समिति, कीर्ति किसान यूनियन और भारतीय किसान यूनियन के कई गुट शामिल हैं। पंजाब की सरकारी निगम पेप्सू सड़क परिवहन निगम (पीआरटीसी) की बसें (शेष पेज 9)

विपक्ष पर बरसे मोदी-वादों के सिवा किसानों को कुछ न दिया

● भाजपा कार्यकर्ताओं से वर्चुअल संबोधन में बोले कृषि बिलों को लेकर दूर करें किसानों का भ्रम

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

मोदी सरकार के कृषि विधेयकों के खिलाफ किसानों द्वारा बुलाए गए भारत बंद के दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को भाजपा कार्यकर्ताओं आह्वान करते हुए कहा कि इस कानून तथा किसानों और मजदूरों की बेहतरी के लिए सरकार द्वारा ईमानदारी से किए जा रहे प्रयासों के बारे में वे लोगों में जागरूकता फैलाएं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भाजपा ने धारा 370 समेत और अयोध्या में राम मंदिर निर्माण समेत अपने सभी बड़े वादों को पूरा किया है। भारतीय जनसंघ के संस्थापक पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती के मौके पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कार्यकर्ताओं को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से संबोधित करते हुए मोदी ने यह बात कही। प्रधानमंत्री हाल ही में संसद द्वारा पारित कृषि सुधार विधेयकों को लेकर सरकार पर निशाना साधने पर विपक्षी दलों को आड़े हाथ लिया और कहा कि जिन्होंने दशकों तक किसानों के नाम पर सिर्फ नारे लगाए और 'खोखले' वादे किए वे आज अपने 'राजनीतिक स्वार्थ' के लिए उन्हीं के कंधे पर रखकर बंदूक चला रहे हैं।

संसद में पारित कृषि सुधार से संबंधित विधेयकों को किसानों के जीवन में व्यापक बदलाव लाने वाला करार देते प्रधानमंत्री ने भाजपा कार्यकर्ताओं का आह्वान किया कि वे जमीनी स्तर पर छोटे-छोटे किसानों से मिलें और कृषि विधेयकों के फायदों से उन्हें अवगत कराएं। प्रधानमंत्री ने कृषि सुधार संबंधी विधेयकों पर विपक्ष के विरोध को राजनीतिक स्वार्थ बताते हुए आरोप लगाया कि (शेष पेज 9)

दीवाली के बाद बिहार को मिलेगी नई सरकार

● चुनाव तारीखों का ऐलान, 28 अक्टूबर, तीन व 7 नवंबर को तीन चरणों में होगा मतदान, दस नवंबर को आएंगे नतीजे

● कोरोना महामारी के दौरान पूरी दुनिया में पहला सबसे बड़ा कार्यक्रम

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

चुनाव आयोग ने बिहार चुनाव की तारीखों का ऐलान कर दिया है। राज्य की 243 विधानसभा सीटों के लिए तीन चरणों में मतदान होगा। पहले चरण की वोटिंग 28 अक्टूबर को होगी। दूसरा चरण 3 नवंबर और तीसरे चरण में 7 नवंबर को वोट डाले जाएंगे। मतों की गिनती एक साथ 10 नवंबर को होगी। बिहार में विधानसभा चुनाव दुनिया में कोरोनो वायरस के दौरान होने वाला सबसे बड़ा चुनाव कार्यक्रम है। महामारी के कारण शुरू में 70 से अधिक देशों ने अपने चुनाव स्थगित कर दिए थे। चुनाव की घोषणा के साथ राज्य में आदर्श आचार संहिता भी लागू हो गई है। बिहार विधानसभा का कार्यकाल आगामी 29 नवंबर को पूरा होगा। इससे पहले ही सरकार गठन का काम संपन्न होना है।

महामारी के दौरान चुनाव आयोजित करने के निर्णय का बचाव करते हुए मुख्य चुनाव आयुक्त अरोड़ा ने कहा कि कोरोनो वायरस के खिलाफ लड़ाई का कोई अंत नहीं है। इसलिए जिंदगी चलती रहनी चाहिए। उन्होंने इसके लिए हाल ही में देषभर में आयोजित जेईई और नीट जैसी परीक्षाओं का उदाहरण दिया। संक्रमण से बचाव के लिए कई इंतजाम किए जा रहे हैं। इसके तहत मतदान का समय एक घंटे तक बढ़ जाएगा और माओवादी प्रभाव वाले इलाकों को छोड़कर वोट सुबह सात बजे से शाम छह बजे तक डाले जाएंगे। कोविड संक्रमित और संदिग्ध व्यक्तियों के लिए अलग मतदान की व्यवस्था की जाएगी। क्वॉरंटीन में रहने वाले लोग मतदान के समय के अंत में अपना वोट डाल सकते हैं। चुनाव के पहले चरण में 16 जिलों की 71 विधानसभा सीटों (शेष पेज 9)

रैलियां भी होंगी और रोड शो भी

मुख्य चुनाव आयुक्त ने स्पश्ट किया कि राज्य में केवल आभासी चुनाव प्रचार नहीं होगा। राजनीतिक दल और उम्मीदवार बिहार विधानसभा चुनाव के लिए अपने प्रचार अभियान के दौरान रैलियों का आयोजन कर सकते हैं, लेकिन उन्हें सोशल डिस्टैंसिंग का ख्याल रखना होगा और लोगों को एक-दूसरे से अलग सफेद घेरे में खड़ा होना होगा। अरोड़ा ने कहा कि जिला निर्वाचन अधिकारी पहले ही उन स्थानों की पहचान कर चुके हैं, जहां सभाएं हो सकती हैं। जहां तक डोर टू डोर प्रचार का सवाल है तो इसमें उम्मीदवार समेत पांच लोग ही शामिल हो सकते हैं। हालांकि सुरक्षा गार्डों को इनमें नहीं गिना जाएगा। इसी तरह रोड शो में दस के बजाय पांच वाहन ही चलेंगे। राज्य में इन चुनावों में 7.29 करोड़ मतदाता वोट डालेंगे। सीईसी अरोड़ा ने (शेष पेज 9)

चुनावी झटकों से सहमी भाजपा तो कोरोना से डर रहा विपक्ष

बिहार चुनाव भाजपा के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि उसे 2019 में केंद्र में विषाल बहुमत के साथ सत्ता हासिल करने के बावजूद उसे कई राज्यों में तगड़ा चुनावी झटका लगा है। महाराष्ट्र में सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरने के बावजूद वह अपनी सबसे भरोसेमंद और पुरानी सहयोगी शिवसेना के साथ सरकार बनाने में नाकाम रही। सत्ता के बंटवारे को लेकर दोनों दलों के रास्ते अलग हो गए और शिवसेना ने कांग्रेस व एनसीपी के साथ मिलकर सरकार बनाई। हरियाणा में बड़ी मुश्किल से जननायक जनता पार्टी के समर्थन से उसकी सरकार बन सकी। दिसंबर 2019 में झारखंड ने भी चुनाव में भाजपा को सत्ता से बाहर का रास्ता दिखा दिया। दूसरी ओर विपक्षी दलों के सामने भी चुनौती कम नहीं है। वे आपसी खींचतान के अलावा, भरोसे और मजबूत नेतृत्व के संकट से जूझ (शेष पेज 9)

कर विवाद: वोडाफोन की जीत, बीस हजार करोड़ का सरकारी दावा रद

भाषा। नई दिल्ली

ब्रिटेन की दूरसंचार कंपनी वोडफोन ग्रुप पीएलसी ने पिछली तिथि से लागू कर कानून के तहत 22,100 करोड़ रुपए की आयकर विभाग की कर मांग के मामले में भारत सरकार के खिलाफ मध्यस्थता अदालत में लड़े गए मुकद्मे में जीत हासिल की है। एक अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता न्यायाधिकरण ने शुक्रवार को व्यवस्था दी कि भारत की पिछली तिथि से कर की मांग करना द्विपक्षीय निवेश संरक्षण समझौते के तहत निष्पक्ष व्यवहार के खिलाफ है।

वोडाफोन समह ने एक बयान में कहा, फैसला गोपनीय है लेकिन वोडाफोन इसकी पुष्टि कर सकती है कि न्यायाधिकरण ने वोडाफोन के पक्ष में चीजों को पाया है। फिलहाल यह पता नहीं चल पाया है कि क्या भारत सरकार मध्यस्थता अदालत के फैसले को स्वीकार करेगी। मामले से जुड़े सूत्रों ने बताया कि मामले में भारत सरकार की देनदारी करीब 75 करोड़ रुपए तक होगी। इसमें 30 करोड़ रुपए लागत और 45 करोड़ रुपए कर वापसी शामिल है। वोडाफोन ने भारत सरकार के पिछली तिथि से कर लगाने के कानून के तहत उससे की गई कर मांग के खिलाफ मध्यस्थता अदालत में चुनौती दी थी।

सरकार ने 2012 में पारित एक कानून के जरिए पिछली तिथि में हुए सौदों पर कर लगाने का अधिकार हासिल कर लिया था। सरकार ने इसी कानून के तहत वोडाफोन द्वारा हचीसन व्हाम्पाओ के मोबाइल फोन कारोबार में 67 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदने के 11 अरब डॉलर के सौदे में पूंजीलाभकर की मांग की थी। वोडाफोन और हचीसन के बीच यह सौदा 2007 में हुआ था। कंपनी ने नीदरलैंड-भारत द्विपक्षीय निवेश संधि (बीआईटी) के तहत भारत सरकार की कर मांग को अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता अदालत (शेष पेज 9)

यस बैंक के पूर्व सीएमडी का लंदन का फ्लैट कुर्क

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने लंदन में यस बैंक के संस्थापक और पूर्व सीएमडी राणा कपूर की 127 करोड़ रुपये की संपत्ति को कुर्क कर लिया है। राणा इस समय मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में जेल में बंद हैं। ईडी ने षुक्रवार को एक बयान में कहा कि राणा कपूर ने 2017 में यह संपत्ति 9.9 मिलियन पाउंड यानी करीब 93 करोड़ रुपये में खरीदी थी। यह प्रॉपर्टी डॉइट क्रिएशंस जेर्सी लिमिटेड के नाम पर ली गई थी, जिसमें राणा कपूर बेनिफिशियल ऑनर हैं। अब इस फ्लैट का बाजार मूल्य करीब 127 करोड़ रुपये है। पूर्व बैंक कार्यकारी अधिकारी राणा को 3,700 करोड़ के कथित घोटाले में मार्च की शुरुआत में गिरफ्तार किया गया था। मार्च में ही उनकी पत्नी और बेटी के खिलाफ भी रिष्वतखोरी का केस दर्ज किया था। राणा कपूर और उनके परिवार की करीब 1400 करोड़ रुपये की संपत्ति को एंटी-मनी लांड्रिंग लॉ के तहत सीज किया है। कपूर परिवार की लंदन, न्यूयॉर्क, दिल्ली और मुंबई स्थित संपत्ति और कई बेशकीमती गाड़ियों को (शेष पेज 9)

तेज रफ्तार क्लस्टर बस ने छह को रौंदा

● तीन मरे, चालक गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में गुरुवार की रात दर्दनाक हादसा हुआ। बेकाबू हुई क्लस्टर बस ने छह लोगों को रौंद दिया। इस हादसे में एक 12 साल के किशोर समेत तीन लोगों की मौत हो गई है। यह हादसा पूर्वी दिल्ली के नंद नगरी इलाके में रात करीब 9.30 बजे हुआ। बस चालक को आसपास मौजूद लोगों ने पकड़कर पुलिस को सौंप दिया है।

हर्ष विहार थाने की पुलिस ने इस हादसे को लेकर एफआईआर दर्ज कर ली है। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि बस की रफ्तार बेहद तेज थी। सड़क के किनारे अवैध तरीके से कई ऑटो खड़े थे जिसकी वजह से बस चालक आगे की तरफ बस ले जाने की बजाय सर्विस रोड की तरफ मुड़ गया और लोग बस की चपेट में आ गए। जानकारी के मुताबिक, क्लस्टर बस मंडोली फ्लाईओवर की तरफ से भोपुरा की तरफ जा रही थी। बस फ्लाईओवर से नीचे उतर रही थी। उसी दौरान चालक बस से नियंत्रण खो बैठा। बेकाबू बस सड़क किनारे सर्विस रोड की ओर तेज रफ्तार से आगे बढ़ी।

वहां पर कुछ रेहड़ी वालों के साथ ही राहगीर भी थे। सड़क के किनारे खड़े कई लोग बस की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद चालक ने बस को पीछे कर वहां से भागने की कोशिश की। इस कोशिश में बस ने सर्विस रोड पर खड़ी एक टाटा 407 को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि टैंपो सड़क के किनारे दूसरी तरफ चली गई। इसके बाद लोगों को घायल हालत में देखकर जिनमें बच्चे भी थे। आसपास मौजूद लोग गुस्से में आ गए और बस पर पथराव शुरू कर दिया। इस दौरान चालक भागने की कोशिश करने लगा लेकिन लोगों ने उसे पकड़ कर पुलिस को सौंप दिया। इस दुर्घटना से नाराज भीड़ को संभालने में पुलिस को भी खासी मशक्कत करनी पड़ी।

पुलिस ने घायलों को तुरंत पास के अस्पताल में भर्ती कराया। डॉक्टरों ने जांच के बाद एक किशोर समेत तीन लोगों को मृत घोषित कर दिया। मरने वालों में 12 साल का एक लड़का, रवींद्र व एक अन्य शामिल हैं। हादसे में तीन अन्य गंभीर रूप से घायल भी हुए हैं। घायलों में कंचन, सुजीत और सुधीर की हालत गंभीर है।

बाजार

संसेक्स	37,388	↑ 835
निफ्टी	11,050	↑ 244
सोना	50,824	↑ 324 /10g
चांदी	60,536	↑ 2124 /kg

क्विक न्यूज

दो सगे भाइयों सहित तीन बच्चों की नाले में डूबने से हुई मौत

शाजापुर (मध्य प्रदेश)। शाजापुर जिला मुख्यालय से लगभग 40 किमी. दूर पेवची गांव में दो सगे भाइयो सहित तीन बच्चो की एक नाले मे डूबने से शुक्रवार को मौत हो गई। अकोदिया पुलिस थाना प्रभारी एके शेषा ने बताया, आज दोपहर मे राजपाल सिंह (12), उसके बड़े भाई युवराज सिंह (15) तथा देवेन्द्र (12) की नाले मे नहाने के दौरान डूबने से मौत हो गई। उन्होंने कहा कि राजपाल एवं युवराज इंदौर जिले के उपड़ी गांव के रहने वाले थे और अपने नाना के यहाँ बृहस्पतिवार को ही आए थे, जबकि देवेन्द्र अपने रिश्तेदार के यहां आया था। शेषा ने बताया कि तीनों शवो को नाले से निकाल लिया गया है और पोस्टमॉर्टम करवा कर उनके परिजनों को सौंप दिया गया है। उन्होंने कहा कि इस घटना के संबंध मे अकोदिया पुलिस थाने मे मामला दर्ज किया गया है और विस्तृत जांच जारी है।

भारत में कोविड-19 के मामले 58 लाख के पार

पीएनएस/भाषा। नई दिल्ली

भारत में लगातार पांचवे दिन कोविड-19 के 90 हजार से कम नए मामले सामने आए हैं। हालांकि कोरोना वायरस के कुल मामले शुक्रवार को 58 लाख के पार चले गए हैं। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार देश में अभी तक 47 लाख से अधिक लोग संक्रमण मुक्त भी हो चुके हैं। देश में मरीजों के ठीक होने की दर 81.74 प्रतिशत है।

मंत्रालय की ओर से सुबह आठ बजे जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार एक दिन में कोविड-19 के 86,052 नए मामले सामने आने के बाद देश में संक्रमण के मामले बढ़कर 58,18,570 हो गए। वहीं पिछले 24 घंटे में 1,141 और लोगों की मौत के बाद मृतक संख्या बढ़कर 92,290 हो गई। आंकड़ों के अनुसार देश में अभी तक 47,56,164 लोग संक्रमण मुक्त हो चुके हैं। कोविड-19 से रोगियों की मृत्यु की दर 1.59 प्रतिशत है। उसके अनुसार देश में अभी 9,70,116 मरीजों का कोरोना वायरस का इलाज जारी है, जो कुल मामलों का 16.67 प्रतिशत हैं।

भारत में कोविड-19 के मामले सात अगस्त को 20 लाख के पार, 23 अगस्त को 30 लाख के पार, पांच सितंबर को 40 लाख के पार और 16 सितंबर को 50 लाख के पार चले गए थे। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के अनुसार देश में (शेष पेज 9)

नहीं रहे मशहूर गायक एसपी बालासुब्रमण्यम

चेन्नई। अपनी मखमली आवाज से पांच दशक तक लाखों प्रशंसकों के दिलों पर राज करने वाले मशहूर गायक एस. पी. बालासुब्रमण्यम का शुक्रवार को एक निजी अस्पताल में निधन हो गया। अगस्त में कोरोना वायरस की चपेट में ओने के बाद से उनका यहां इलाज चल रहा था। एमजीएम अस्पताल ने एक बयान में कहा कि 74 वर्षीय गायक की हालत बृहस्पतिवार को काफी बिगड़ गई थी और उन्होंने आज दोपहर एक बजकर चार मिनट पर अंतिम सांस ली। हालांकि अस्पताल का कहना है कि चार सितम्बर को हुई कोविड-19 जांच में वह संक्रमण मुक्त पाए गए थे। बालासुब्रमण्यम ने अपने पांच दशक से अधिक लंबे करियर में अपनी गायकी से लाखों दिलों को जीता। 40 हजार से अधिक गीत गाने (शेष पेज 9)

चैट ग्रुप की एडमिन थीं दीपिका

सुशांत केस में खुलासा

● करण जौहर से भी होगी पूछताछ

पायनियर समाचार सेवा। मुम्बई

बॉलीवुड में ड्रग के सेवन और लेनदेन पर हर रोज एक से बढ़कर एक खुलासे हो रहे हैं। चौंकाने वाली खबर यह है कि जिस वाट्सऐप ग्रुप पर ड्रग लेनदेन की बात होती थी, उसकी एडमिन अभिनेत्री दीपिका पादुकोण थीं।

एनसीबी ने शुक्रवार को अभिनेत्री रकुलप्रीत सिंह और दीपिका की मैनेजर करिश्मा प्रकाश से पूछताछ की जिसमें कई चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। इन्हीं खुलासों के आधार पर एनसीबी शनिवार को दीपिका से पूछताछ करेगी। सारा अली खान से भी आज ही पूछताछ होगी। इस बीच, खबर है कि फिल्म निर्माता करण जौहर को भी एनसीबी ने समन भेजा है। उन्हें भी जल्द पूछताछ का सामना करना पड़ सकता है। बता दें कि बीते साल करण जौहर ने अपने घर पर पार्टी की थी, जिसमें फिल्म इंडस्ट्री के कई सेलिब्रेटी शामिल हुए थे।

इस वीडियो सामने आने के बाद दावा किया गया था कि पार्टी में ड्रग्स का इस्तेमाल किया गया है। इस पार्टी में दीपिका भी मौजूद थीं। मालूम हो कि अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मौत से जुड़े ड्रग मामले में शनिवार को दीपिका पादुकोण और सारा अली खान से पूछताछ होनी है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, जिस वॉट्सऐप ग्रुप में 2017 के ड्रग चैट सामने आए हैं, दीपिका पादुकोण उस ग्रुप की एडमिन थीं। खुद दीपिका ने साल 2017 में उस ग्रुप पर करिश्मा प्रकाश से यह लिखकर ड्रग्स की मांग की थी कि 'माल है क्या?' दिलचस्प बात (शेष पेज 9)

अनंतनाग में मुठभेड़ में लश्कर के दो आतंकवादी मारे गए

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में शुक्रवार को सुबह लश्कर-ए-तैयबा के दो आतंकवादी मारे गए। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि दक्षिण कश्मीर में अनंतनाग जिले के सिरहामा में आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना पर बृहस्पतिवार शाम को इलाके की घेराबंदी की गई और तलाश अभियान शुरू किया गया। उन्होंने बताया कि तलाश अभियान के दौरान आतंकवादियों ने सुरक्षा बलों पर गोलियां चलानी शुरू कर दीं, जिसके बाद बलों ने जवाबी कार्वाई की और मुठभेड़ शुरू हो गई। अधिकारी ने बताया कि इलाके में रात भर कड़ी घेराबंदी रखी गई, ताकि आतंकवादी बच कर भाग नहीं सकें। उन्होंने बताया कि शुक्रवार को सुबह मुठभेड़ (शेष पेज 9)

पायनियर
नई दिल्ली, शनिवार 26 सितंबर, 2020

सम्मान दिवस के रूप में मनाई चौ. देवीलाल की 107वीं जयंती

जजपा ने नुक्कड़ सभाओं पर सुनाए ताऊ की किस्से

प्रदेश भर में 2300 से ज्यादा यूनिट रक्तदान पौधारोपण भी किया

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

देशभर में पूर्व उपप्रधानमंत्री जननायक चौधरी देवीलाल की 107वीं जयंती को सम्मान दिवस के रूप में जननायक जनता पार्टी, जननायक सेवा दल और इनसो ने पूरे श्रद्धाभाव से मनाया। प्रदेश के सभी जिलों में पार्टी द्वारा नुक्कड़ सभा, रक्तदान शिविर व पौधारोपण के कार्यक्रमों का आयोजन किया। कार्यक्रमों में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करते हुए जजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अजय सिंह चौटाला, उपमुख्यमत्री दुष्यंत चौटाला, पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष सरदार निशान सिंह व पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेताओं व विधायकों ने गरीब, किसान, कमेरे वर्ग के मसीहा युगपुरुष जननायक चौधरी देवीलाल जी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए और उन्हें नमन करते हुए उनके दिखाए रास्ते पर चलने का प्रण लिया।

जींद में डॉ. अजय सिंह चौटाला ने किया खुद रक्तदान

जींद पहुंचे पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अजय सिंह चौटाला ने त्रिवेणी लगाकर कार्यक्रम की शुरुआत की और इसके बाद उन्होंने खुद रक्तदान करते हुए ब्लड डोनेशन कैंप का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि जननायक चौधरी देवीलाल की 107वीं जयंती के अवसर पर प्रदेशभर के सभी जिलों में आयोजित रक्तदान शिविरों में पार्टी के नेताओं व युवाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और 2300 से ज्यादा यूनिट रक्तदान किया।

चौ. देवीलाल की नीतियां देशभर के लिए प्रेरणादायक : डिप्टी सीएम

भिवानी व दादरी जिलों में आयोजित कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने शिरकत की। उन्होंने दादरी में आयोजित ब्लड डोनेशन कैंप में खुद रक्तदान किया। ताऊ देवीलाल के जन्मदिवस के अवसर पर डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला ने जननायक चौधरी देवालाल को नमन करते हुए कहा कि चौ. देवीलाल की नीतियों से न केवल प्रदेश, बल्कि देशभर में उनसे प्रेरणा ली जाती है और उनके आधार पर जनहित की नीतियां भी बनी हैं।

चौ. देवीलाल की नीतियों से किसान-कमेरे वर्ग को पुहंचा फायदा-अनूप धानक

सिरसा बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे राज्यमंत्री अनूप धानक ने खुद रक्तदान किया और कहा कि जननायक चौधरी देवीलाल ने सदैव गरीबों, किसानों व बुजुर्गों के सम्मान में नीतियां बनाकर उन्हें लाभान्वित किया। उन्होंने कहा कि उन्हीं की कल्याणकारी नीतियों पर गठित जननायक जनता पार्टी पूरे प्रदेश में लोक कल्याण की भावना से काम कर रही है।

सोनीपत पहुंचे इनसो के राष्ट्रीय अध्यक्ष दिग्विजय चौटाला

जजपा के विधायकों ने विभिन्न जिलों में आयोजित कार्यक्रमों में शिरकत की। फतेहाबाद में पार्टी के विधायक जोगीराम सिहाग, करनाल में विधायक ईश्वर सिंह, पलवल में विधायक रामकरण काला, पानीपत में विधायक रामनिवास वाल्मीकि, नूंह में विधायक अमरजीत ढांडा और कैथल जिले में विधायक देवेद्र सिंह बबली बतौर मुख्यतिथि पहुंचे। विधायकों ने देवीलाल जयंती के उपलक्ष्य में लगाए गए रक्तदान शिविरों का शुभारंभ किया और त्रिवेणी लगाई।

धर्मनगरी में जजपा कार्यकर्ताओं ने रक्तदान कर मनाई ताऊ देवीलाल जयंती

कुरुक्षेत्र। देश के पूर्व डिप्टी प्रधानमंत्री चौ. देवीलाल की जयंती पर धर्मगनरी में जननायक जनता पार्टी द्वारा केडीबी हॉल में विशाल रक्तदान शिविर लगाया। शिविर में जजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व हरियाणा के पूर्व स्पीकर सतबीर कादियान ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। मुख्यातिथि सतबीर कादियान व अन्य जजपा नेताओं ने रक्तदाताओं को बैज लगाया व उन्हें प्रमाण पत्र भेंट किए। शिविर में 110 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया। इससे पूर्व देवीलाल चौक पर पहुंचकर जजपा जिलाध्यक्ष कुलदीप जखवाला, पूर्व जिलाध्यक्ष कुलदीप मुलतानी, मायाराम चंद्रभानपुरा, प्रो.रणधीर सिंह, युवा जिलाध्यक्ष जसविंद्र सिंह खैहरा, योगेश शर्मा, डा. संतोष दहिया सहित अन्य नेताओं ने ताऊ देवीलाल की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। मौके योगध्यान, सूबे सिंह त्यौड़ी, सुकरमपाल, होशियार सिंह, हरबख्श कठवा, जितेंद्र तखर, मांगेराम, अनवर खान, राजपाल, सतपाल कुरडी, धीरज नैन, हरविंदर संधु व अमित शर्मा सहित अन्य जजपा नेता व रक्तदाता मौजूद रहे।

पूरे देश में देवीलाल के जीवन से प्रेरणा लेकर बनी नीतियां : दुष्यंत चौटाला

भिवानी। भूतपूर्व उप प्रधानमंत्री देवीलाल की 107वीं जयंती के अवसर पर देवीलाल सदन में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें 107 यूनिट रक्तदान की गई। प्रदेश के उप मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने रक्तदाताओं को बैज लगाकर सम्मानित किया और उनका हौंसला बढ़ाया। उप मुख्यमंत्री चौटाला ने कहा कि देवीलाल की जंयती पर प्रदेश भर में गांवों में पंचायत व शहरों में वार्ड स्तर पर पौधारोपण व जिला स्तर पर रक्तदान शिविर आयोजित किए। इसके साथ ही चौधरी देवीलाल की प्रतिमाओं के पास हवन-यज्ञ किया। उन्होंने कहा कि चौधरी देवीलाल की नीतियां ना केवल प्रदेश, बल्कि पूरे देश में उनसे प्रेरणा ली जाती है और उनके आधार पर जनहित की नीतियां भी बनी हैं। उन्होंने कहा कि चौधरी देवीलाल ने बुजुर्गो को पेंशन जैसी बड़ी सौगात दी, जिसके चलते आज बुजुर्ग सम्मान के साथ अपना जीवन व्यतीत कर पा रहे हैं। इसी प्रकार से किसानों का दस हजार रूपए तक का कर्जा माफ किया था। कृषि क्षेत्र की आवश्यकता अनुसार नहरी पानी उपलब्ध कराया। प्रत्येक गांव में सडक़ों को जाल बिछाया और हर सडक़ को शहरों के साथ जोड़ा गया, ताकि किसान अपनी उपज को आसानी से मंडियों में ला सके और उनकी सुविधा के लिए ट्रेक्टरों का टोकन टैक्स भी समाप्त किया। चौटाला ने कार्यकर्त्ताओं को उनकी समस्याओं का समाधान करने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता किसी भी पार्टी की रीढ़ होते हैं तथा कार्यकर्ताओं की बदौलत ही आज वे सरकार में भागीदार हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी कार्यकर्ता को यदि कोई समस्या है तो वे उन्हें बता सकते हैं। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं को किसी भी प्रकार की कोई समस्या नहीं आने दी जाएगी। इस मौके पर प्रदेश संगठन सचिव राजेंद्र लितानी, जिला प्रधान विजय गोठड़ा, पूर्व विधायक डॉ. शिव शंकर भारद्वाज, पार्षद ईश्वर मान, रामफल फौजी, जगदीश धनाना, जितेंद्र शर्मा, महेंद्र गोकलपुरा, रविंद्र पटौदी, वाईस चेयरमैन मामन प्रजापति, राजेश भारद्वाज, अल्का आर्य भी मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री मोदी ने दीनदयाल के एकात्म मानवाद को किया चरितार्थ : घनश्याम

कुरुक्षेत्र। यमुनानगर से विधायक घनश्याम अरोड़ा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जनसंघ के संस्थापक पंडित दीनदयाल उपाध्याय के सपनों को साकार कर रहे हैं। उनकी राह पर चलते हुए प्रधानमंत्री मोदी समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति के कल्याण पर योजनाओं को केंद्रित किया है। दीन दयाल उपाध्याय का सपना हर सिर को छत तथा हर पेट को भोजन था। प्रधानमंत्री मोदी ने इसी नीति का संकल्प लेकर योजनाएं शुरू की हैं। विधायक घनश्याम अरोड़ा शुक्रवार को पंचायत भवन में दीनदयाल उपाध्याय जयंती पर पंचायत भवन में आयोजित वेबीनार कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इससे पहले भाजपा की ओर से सेक्टर-13 स्थित कार्यालय में दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर पुष्पअर्पित किए। विधायक ने कहा कि एकात्म मानववाद और अंत्योदय के प्रणेता दीनदयाल उपाध्याय ने गांव, गरीब, किसान, नौजवान, महिलाओं, वंचित और शोषित वर्ग के आर्थिक एवं सामाजिक उत्थान का सपना देखा था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इसे ही साकार रूप देने में जुटे हैं। उन्होंने कहा कि देश की एकताए अखंडता तथा राष्ट्रवाद की नीव रखने व देश में राजनीतिक अराजकता खत्म करने के लिए जनसंघ का जन्म हुआ था। आज भाजपा सरकार बनाकर नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में उस स्वपन को साकार किया जा रहा है। पूर्व जिलाध्यक्ष धर्मवीर मिर्जापुर ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने अपना संपूर्ण जीवन राष्ट्र को समर्पित किया। उन्होंने अखंड भारत की कल्पना की थी। भाजपा जिलाध्यक्ष राजकुमार सैनी ने कार्यक्रम में पहुंचने पर मुख्यातिथि एवं सभी कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर जिला परिषद चेयरमैन गुरदयाल सुनहेड़ी, लोकसभा निगरानी कमेटी के संयोजक धर्मवीर डागर, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य शंकुतला शर्मा, जिला महामंत्री रविंद्र सांगवान, सुशील राणा, वेबीनार के संयोजक हैप्पी विर्क, विनीत बजाज एवं जिला मीडिया प्रभारी विनीत कवातरा, साहिल सुधा, जिला परिषद उपाध्यक्ष परमजीत कश्यप सहित अन्य मौजूद रहे।

इनेलो ने किसान मसीहा देवीलाल की 107वीं जयंती श्रद्धा व उत्साह से मनाई

भिवानी। भिवानी में उपप्रधानमंत्री जननायक चौधरी देवीलाल की 107वीं जयंती बड़ी श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई। पार्टी कार्यकर्ताओं ने चौधरी देवीलाल की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और उसके बाद स्थानीय जाट धर्मशाला में विचार गोष्ठी का आयोजित कर पार्टी कार्यकर्ताओं ने ताऊ देवीलाल के चित्र पर पुष्प अर्पित करके उन्हें श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम में पूर्व विधायक ओमप्रकाश गोरा, नरेंद वर्मा, सुनील लांबा, कुलवंत सिंह कोंटिया, इंदु परमार, दिलबाग चेयरमैन, अशोक ढ़ाणीमाहु, मीनी गौरीपुर, राज गागड़वास, अनुप बागनवाला, डॉक्टर मनजीत, विशाला बामला, धीरा पटौदी मदन वाल्मिकी, मदन ओड, मुख्तयार नाई, अंकित ढुल विशेष रूप से मौजूद रहे। सुनील लांबा व कुलवंत कोंटिया ने कहा कि जननायक चौधरी देवीलाल सही मायने में किसान हितैषी थे, जिन्होंने किसान पीड़ा को बखूबी केवल समझा, बल्कि मुख्यमंत्री मंत्री बनने के बाद उसे दूर करने का हर संभव प्रयास भी किया। इसी कारण उन्हें आज भी किसानों के मसीहा के तौर पर याद किया जाता है।

हरियाणा में सभी स्कूलों को मिलेंगी महिला शिक्षक

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने प्रदेश के सभी स्कूलों में महिला शिक्षकों को तैनात करने का फैसला किया है। विशेष रूप से जिन स्कूलों में छात्राएं हैं उन स्कूलों में महिला शिक्षकों की तैनाती की जाएगी। हरियाणा में 4283 ऐसे स्कूल हैं, जहां छात्राएं तो हैं लेकिन एक भी महिला शिक्षक नहीं हैं। हरियाणा बाल संरक्षण अधिकार आयोग की चेयरपर्सन ज्योति बैंदा द्वारा इस बाबत दिए गए नोटिस के बाद सरकार यह बदलाव करने को राजी हुई है।

हरियाणा सरकार पिछले छह वर्षों के दौरान न केवल अपनी शिक्षा नीति को लागू कर चुकी है बल्कि नई ट्रांसफर पॉलिसी भी लागू की जा चुकी है। इसके बावजूद शिक्षको की तैनाती का अनुपात बिगड़ा हुआ है। राज्य में जहां महिला शिक्षकों की तैनाती नहीं है वहीं प्रदेश में 1200 के करीब ऐसे स्कूल हैं जहां पुरुष अध्यापक नहीं हैं। ज्योति बैंदा ने अपने पत्र में छात्राओं के साथ होने वाली यौन उत्पीड़न की घटनाओं का भी उल्लेख किया था। उन्होंने कहा था कि छात्राएं महिला शिक्षकों के अभाव में अपने साथ होने वाली घटनाओं के बारे में नहीं बताती हैं। पुरुष शिक्षक होने के कारण लड़कियां खुद को असहज महसूस करती हैं। जिन 4283 महिला शिक्षक रहित स्कूलों का जिक्र आयोग ने अपने पत्र में किया, उसमें यह भी बताया गया कि इन स्कूलों में छात्राओं की संख्या भी 1 लाख 54 हजार से अधिक है। आयोग ने इस बाबत शिक्षा विभाग के आला अधिकारियों के सामने नाराजगी भी जताई और उन्हें नोटिस जारी करके जवाब भी तलब किया।

प्रदेश के 4283 स्कूलों में नहीं महिला शिक्षक

जिन स्कूलों में महिला शिक्षक नहीं हैं, उनमें से अधिकांश प्राइमरी व अपर-प्राइमरी स्कूल हैं। सरकार को लिखे पत्र में हरियाणा राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की चेयरपर्सन ज्योति बैंदा ने सरकार से ट्रांसफर पॉलिसी में बदलाव करने का भी सुझाव दिया ताकि इन स्कूलों में महिला टीचरों की नियुक्ति हो सके। ज्योति बैंदा का कहना है कि आयोग ने बीते दिनों शिक्षा निदेशालय से प्रदेश के 14000 स्कूलों का डाटा लेकर उसे एनालिसिस किया है।

आयोग द्वारा किए गए मूल्यांकन में पता चला कि उक्त 14000 स्कूलों में से 4078 स्कूल ऐसे हैं जिनमें एक भी महिला टीचर नहीं है। खास बात यह है कि इन 4078 स्कूलों में से 3872 स्कूल प्राइमरी है अपर प्राइमरी हैं। इतना ही नहीं इनमें से 746 स्कूल मेवात केडर के हैं जिनमें से 487 स्कूलों में कोई भी महिला टीचर नियुक्त नहीं है।

देवीलाल की 107वीं जयंती पर इनसो कैथल ने ताऊ देवीलाल पार्क में किया पौधारोपण

पायनियर समाचार सेवा। कैथल

देवी लाल पार्क में त्रिवेणी लगाते हुए जजपा पूर्व जिलाध्यक्ष रणदीप कौल व इनसो जिलाध्यक्ष शुभम गुप्ता।

जननायक ताऊ देवीलाल की 107वीं जयंती को सम्मान दिवस के रूप में मनाते हुए इनसो जिलाध्यक्ष शुभम गुप्ता की अध्यक्षता में ताऊ देवीलाल पार्क हुडा में पौधारोपण किया और ताऊ देवीलाल को श्रद्धासुमन अर्पित किए।

मौके पर मुख्यातिथि जजपा पूर्व जिलाध्यक्ष रणदीप कौल रहे। रणदीप कौल ने कहा कि ताऊ देवीलाल ने सदैव किसान, मजदूर व कमेरे वर्ग के हकों की आवाज को बुलंद किया और उनके अधिकारों व हकों की रक्षा की है। ताऊ देवीलाल जैसी महान शख्सियत हजारों वर्षों बाद इस धरा पर जन्म लेती है। जिनका जन्म ही मानवता की सेवा के लिए होता है। इनसो जिलाध्यक्ष शुभम गुप्ता ने कहा कि हरियाणा के उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ताऊ देवी लाल के दिखाए मार्ग पर चलते हुए प्रदेश की जनता की सेवा में लगे है।

उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला किसान, मजदूर और कमेरे वर्ग के सच्चे हितैषी हैं। इनसो पूर्व जिलाध्यक्ष दर्पण मित्तल ने कहा कि दुष्यंत चौटाला की दिनोंदिन बढ़ती लोकप्रियता से कांग्रेस में खलबली मची हुई है। प्रदेश की गठबंधन सरकार जनता की आशाओं पर खरी उतरी है।

इस मौके पर इनसो जिलाध्यक्ष शुभम गुप्ता, पूर्व इनसो जिलाध्यक्ष दर्पण मित्तल, नरेंद्र बल्ली, विक्रम म्योली, राजेश राणा, अजय अटेला, सुमित भारद्वाज, रमेश मेहला और अभिषेक महता आदि उपस्थित रहे।

पंचायती फंड का दुरुपयोग किया तो डीसी ने सरपंच किया निलंबित

रेवाड़ी। विकास कार्यों में अनियमितता बरतने और पंचायती फंड का दुरुपयोग करने पर उपायुक्त यशेंद्र सिंह ने गांव बगथला के सरपंच को तुरंत प्रभाव से निलंबित कर दिया है। गौरतलब है कि गांव बगथला के सरपंच प्रवेश के खिलाफ उपायुक्त यशेंद्र सिंह को शिकायत मिली थी कि उन्होंने विकास कार्यों में अनियमितता बरती है और पंचायती फंड का दुरुपयोग किया है। शिकायत मिलने के बाद उपायुक्त ने इसकी जांच जिला परिषद के कार्यकारी अधिकारी को सौंपी। कार्यकारी अधिकारी ने अपनी जांच में सरपंच प्रवेश पर लगाए गए सभी आरोप सही पाए, उपायुक्त ने हरियाणा तुरंत प्रभाव से निलंबित कर दिया।

चुनाव से पहले बरोदा में घोषणाओं की बौछार

सरकार लगाएगी हैफेड की राइस मिल

आईएमटी से पैदा करेंगे रोजगार

ग्रामीण विकास को किए 65 करोड़

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

प्रेसवार्ता करते भाजपा के चुनाव प्रभारी, कृषि मंत्री जेपी दलाल।

एक तरफ जहां चुनाव आयोग ने बरोदा उपचुनाव की घोषणा को लेकर बैठक बुला ली है वहीं हरियाणा सरकार ने शुक्रवार को बरौदा के लिए कई विकास परियोजनाओं का पिटारा खोल दिया। प्रदेश सरकार ने बरोदा में आईएमटी (इंडस्ट्रीयल माडर्न टाउनशिप) बनोन और राइस मिल स्थापित करने का फैसला लिया है। सरकार ने इन परियोजनाओं को औपचारिक मंजूरी प्रदान कर दी है।

बरोदा विधानसभा क्षेत्र में भाजपा के चुनाव प्रभारी एवं कृषि मंत्री जेपी दलाल ने शुक्रवार को चंडीगढ़ में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि बरोदा में स्थापित होने वाली राइस मिल की क्षमता प्रति घंटा चार मीट्रिक टन की होगी। इस पर लगभग 12 करोड़ रुपये की लागत आएगी। दलाल के अनुसार राइस मिल से किसानों को उनकी पैदावार के लाभकारी मूल्य मिलेंगे और स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के नये अवसर पैदा होंगे।

दलाल ने कहा कि बरोदा के औद्योगिक विकास के लिए आईएमटी स्थापित करने का निर्णय लिया है। पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार को घेरते हुए दलाल ने कहा कि 50 वर्षों में बरोदा में कोई विकास नहीं हुआ। भाजपा सरकार ने हलके में कई नई विकास परियोजनाएं शुरू की। कांग्रेस सहित दूसरी पार्टियां केवल पत्थर लगाने में विश्वास करती थी, जबकि भाजपा उन्हीं घोषणाओं को करती है जिन्हें पूरा किया जा सके। विकास परियोजनाओं के लिए हलके में 65 करोड़ रुपये भेजे गए हैं। यह राशि पंचायत व बीडीपीओ के खाते में भेजी है ताकि गांवों में विकास कार्य हो सकें। 13 करोड़ रुपये की लागत से हलके में 85 किमी लंबी सड़कों पर काम चल रहा है। उन्होंने कहा कि बरोदा हलके से एक एक्सप्रेस-वे निकल रहा है। इसी पर आईएमटी स्थापित होगी ताकि यहां का औद्योगिक विकास हो सके। उन्होंने कहा कि अधिकारियों को जलभराव की समस्या का तुरंत समाधान करने के निर्देश दिए गए हैं।

सोशल मीडिया पर किया गया गलत प्रचार

कृषि मंत्री जेपी दलाल ने बरोदा में उनका घेराव किए जाने को लेकर सोशल मीडिया पर चल रही खबरों को सिरे से नकारते हुए कहा कि कल सोशल मीडिया पर मेरे घेराव का गलत प्रचार किया गया है। यह विपक्ष की चाल है। लोगो ने अलग-अलग चुनाव में दिखा दिया उन्हें भाजपा का शासन चाहिए। कांग्रेस अपनी हार के लिए कभी ईवीएम को गलत बताती है तो कभी कोई बहाना बनाती है। प्रधान मंत्री ने कई ऐसे कदम उठाए जो देश हित के थे। अब मोदी ने किसान के उत्थान के लिए कदम इन तीन अध्यादेशों के माध्यम से उठाया तो कांग्रेस और विपक्ष ने इसका भी विरोध किया वह नहीं चाहते किसान आगे बढ़े।

संक्षिप्त समाचार

भिवानी में कोरोना के 50 नए केस आए

भिवानी। भिवानी में कोरोना की रफ्तार रुक नहीं रही है। कोरोना केसों की संख्या में उतार-चढाव होने पर स्वास्थ्य विभाग अब आंकड़ों की बाजीगीरी लगाने लगी है। मीडिया को जारी आंकड़ों को छुपाया जाता है। भिवानी जिले में आज शुक्रवार को 7 नए कोरोना पॉजिटिव के केस सामने आए है। लेकिन बीती देर शाम एकाएक 43 कोरोना पोजिटिव केस आ गए। पर स्वाथ्य विभाग की प्रैस विज्ञप्ति में केवल 7 कोरोना केस ही बताए गए हैं। जिले में शुक्रवार को 50 कोरोना पॉजिटिव ठीक हुए हैं। सिविल सर्जन ने बताया कि भिवानी जिले में शुक्रवार को सात नए कोरोना पॉजिटिव के केस सामने आए हैं।

कुंडलिनी जागृति एवं आत्म साक्षात्कार को कार्यक्रम दो को

कुरुक्षेत्र। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्रीजी की जयंती पर 2 अक्टूबर को भारत की क्षेत्रीय और राष्ट्रीय भाषाओं में कुंडलिनी जागृति एवं आत्म साक्षात्कार पर एक ऑनलाइन सार्वजनिक कार्यक्रम होगा। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य शारीरिक, मानसिक विकास एवं आध्यात्मिक उन्नति है। परम पूज्य माताजी निर्मला देवी की शिक्षाओं के अनुसार, कुंडलिनी मनुष्य के आध्यात्मिक उत्थान और बचाव की अंतर्निहित मातृशक्ति है, जो प्रत्येक व्यक्ति में विद्यमान है और उन्हें बस अपनी सुरक्षा और आध्यात्मिक उत्थान सुनिश्चित करने के लिए उसे जगाने की जरूरत है, चाहे वे किसी भी जाति, रंग, पंथ, धर्म या नस्ल के हों। डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू डॉट सहजयोग डॉट ओआरजी डॉट इन/लाईव पर प्रसारित होने वाला यह कार्यक्रम कुंडलिनी जागरण और आत्म साक्षात्कार का अनुभव करने के लिए है और आम जनता के लिए नि:शुल्क है, जो उनके भीतर मौजूद कुंडलिनी शक्ति के माध्यम से उनकी प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने और उनका बचाव करने में सहायता करेगा।

कुविवि के तीन प्राध्यापक बने एकेडमिक कॉउसिल के सदस्य

कुरुक्षेत्र। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय की कुलपति डा. नीता खन्ना के निर्देशानुसार संगीत एवं नृत्य विभाग की प्रोफेसर डॉ. शुचिस्मिता सिंह, पुस्तकालय एवं सूचना विभाग के प्रोफेसर डॉ. जोगिन्दर सिंह व बायोटैक्नालॉजी विभाग की प्रोफेसर डॉ. ऋतु महाजन को कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय की एकेडमिक कौंसिल का सदस्य नियुक्त किया है। लोक सम्पर्क विभाग के उपनिदेशक डा.दीपक राय ने बताया कि वे तीन अक्टूबर से एकेडमिक कौंसिल के सदस्य होंगे।

डेंगू से बचाव के लिए भिवानी शहर में हो रही है दिन-रात फोगिंग

भिवानी। डेंगू व कोरोना महामारी संक्रमण से रोकथाम के लिए जिला प्रशासन द्वारा हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। उपायुक्त के आदेशानुसार नगर परिषद की टीम द्वारा दिन-रात फोगिंग की जा रही है। कभी सरकुलर रोड तो कभी शहर की अन्य कॉलोनियों में फोगिंग हो रही है। उल्लेखनीय है कि इन दिनों शहर में डेंगू के मरीज मिल रहे हैं। ऐसे में जिला प्रशासन भी गंभीर हो गया है। स्वास्थ्य विभाग और नगर परिषद प्रशासन द्वारा पूरे शहर में फोगिग व दवाई का छिड़काव करने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ-साथ लोक निर्माण विभाग, रोडवेज, वन विभाग, नगर परिषद, सिंचाई विभाग, जनस्वास्थ्य विभाग, बिजली विभाग, शिक्षा विभाग सहित सभी विभागों को निर्देश दिए हैं कि वे उनके कार्यालय परिसर या उनके अधीन आने वाले ऐसे क्षेत्रों की पहचान करें, जहां पर डेंगू के मच्छर पनपने की संभावना हो। ऐसी जगहों पर तुरंत प्रभाव से फोगिंग करवाई जाए। नगर परिषद द्वारा न केवल दिन के समय में, बल्कि रात के समय में भी फोगिंग की जा रहा है।

केंद्र सरकार की शव यात्रा निकाल पुतला दहन किया

भिवानी। तमाम किसान संगठनों के आह्वान पर भारत बंद में मजदूर संगठनों सीटू, एटक, इंटक, एचएमएस, अखिल भारतीय किसान सभा, भारतीय किसान यूनियन, सर्व कर्मचारी संघ, आप पाटी, मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी, बहुजन समाज पार्टी, लेबर क्रांति मोर्चा, लोकतंत्र सुरक्षा पार्टी के कार्यकर्ताओं ने किसान व मजदूर विरोधी काले कानूनों को रद्द करने की मांग को लेकर केन्द्र सरकार की शव यात्रा निकाली व हांसी गेट पर पुतला दहन किया। इन संगठनों की ओर से नेहरू पार्क में एक सभा की जिसकी अध्यक्षता किसान नेता मास्टर शेर सिंह ने की व मंच संचालन कामरेड़ ओमप्रकाश ने किया। सभा में सभी वक्ताओं ने केन्द्र सरकार द्वारा तीन कृषि कानूनों को किसान व जनता विरोधी बताते हुए कहा कि ये न केवल किसानों को बर्बाद करके बन्धुआ मजदूर बना देंगे बल्कि गरीबों के लिए सार्वजनिक वितरण प्रणाली को भी खत्म कर देंगे, इससे महंगाई पर रोक लगाना मुश्किल हो जायेगा। जिससे न केवल किसानों व मजदूरों की बल्कि जनता की भारी लूट के अवसर मिल जाएंगे। पूरे किसान वर्ग को कारपोरेट द्वारा लूट कर भूखा मारने की स्थिति में ला देंगे। उन्होंने कहा कि मजदूरों के तमाम सुरक्षा कानून खत्म करके उनके शोषण की चक्की में झोक देंगे। इससे बड़े पैमाने पर बेरोजगार मजदूर आत्महत्या करने पर मजबूर हो जाएंगे। सामाजिक सुरक्षा के तमाम कानूनों को खत्म करके मालिकों के रहमों करम पर जीने के लिए मजबूर किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार इन जन विरोधी कानूनों को रद्द करें। कार्यक्रम के दो प्रस्ताव पास करके पीटीआई अध्यापको को बहाल करने, आशा वर्करों की मागों को मानने की मांग की गई है।

जजपा ने कस्बा सीवन में भी किया पौधा रोपण

कैथल। कस्बा सीवन के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में आज जजपा कार्यकर्ता द्वारा ताऊ देवीलाल की 107वीं जयंती पर त्रिवेणी का पौधा रोपण कार्यक्रम का आयोजन किया। जिसमें पूर्व जिला अध्यक्ष रणदीप कौल ने मुख्यातिथि के रूप में पहुंचकर पौधारोपण कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर शुभम गुप्ता, रणदीप कौल, सुरेंद्र राणा, जय शर्मा, राजीव शर्मा, कुलदीप शर्मा, दर्पण मित्तल पूर्व जिलध्यक्ष इनसो, विक्र म मियोली, राजेश फरल, बल्ली पाई, भूपी क्योडक, सचिन क्योड़क, उमेश शर्मा व अभिषेक मेहता मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

लूट, डकैती, हत्या मामलों में वांछित तीन कुख्यात आरोपी काबू

कैथल। एडवोकेट जगदीप तंवर पर अवैध पिस्तौल से जानलेवा हमला करके गाड़ी लूटने वाले कुख्यात अंतरराज्जीय लुटेरा गिरोह से जुड़े 3 शातिर सक्रिय अपराधी सीआईए-1 पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए हैं। एक आरोपी के कब्जे से .32 बोर की अवैध पिस्तौल बरामद की है। 19 सितंबर की रात राजौंद क्षेत्र में लुटेरों के साथ सीआईए-1 पुलिस की मुठभेड़ के दौरान मौके से फरार होने में कामयाब हो गया था। शेष गिरफ्तार आरोपियों में से एडवोकेट लूट मामले के उपरांत आरोपियों को शरण देने वाला आरोपी और गिरोह को असला-अमुनेशन सप्लाई करने वाला आरोपी भी शामिल है। सीआईए-1 प्रभारी इंस्पेक्टर अनूप सिंह की अगुवाई में एसआई बिजेंद्र सिंह, हेडकांस्टेबल तरसेम कुमार तथा एचसी मनीष कुमार की टीम द्वारा आरोपियों को शरण देने वाले बीरबल नगर नरवाना जिला जींद निवासी 24 वर्षीय अमित उर्फ भूरिया को नरवाना में दबिश देकर गिरफ्तार कर लिया है।

दिल्ली-नोएडा बॉर्डर पर डटे किसान, चक्का जाम

दर्जनों ट्रैक्टरों और गाड़ियों को लगाकर रोक दिया ट्रैफिक, केंद्र के खिलाफ लगाए नारे

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

हाल ही में संसद से पारित कृषि विधेयकों के विरोध में भारतीय किसान यूनियन के सदस्यों ने शुक्रवार को सेक्टर 14ए नोएडा-बॉर्डर पर चक्का जाम कर विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान नोएडा से दिल्ली व दिल्ली से नोएडा आने वाली सड़क जाम लगा रहा। किसानों ने दर्जनों ट्रैक्टरों व गाड़ियों को सड़क पर लगाकर केंद्र सरकार के विरोध में जमकर नारेबाजी की।

भारतीय किसान यूनियन के प्रदेश (एनसीआर) अध्यक्ष सुभाष चौधरी ने कहा कि बिना किसानों से रायशुमारी किए केंद्र सरकार ने कृषि विधेयकों को दोनों सदनों में पास कराया, यह बेहद निंदनीय है। सरकार मनमानी पर उतारू है। अन्नदाता के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। सुभाष चौधरी ने कहा कि नए कृषि विधेयकों से किसान कुछ ही दिनों में भूमिहीन हो जाएंगे। यह विधेयक पूंजीपतियों को फायदा पहुंचाने के लिए लगाया है, इसलिए विधेयक को तत्काल वापस किया, अन्यथा किसानों सडकों पर आंदोलन को मजबूर होगा। उन्होंने कहा कि जब तक सरकार इसे वापस नहीं लेती है, किसान सड़कों पर उतरकर विरोध करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि अगर केंद्र सरकार किसानों के लिए कुछ करना ही चाहती है, तो जब तक न्यूनतम समर्थन मूल्य यानी एमएसपी की गारंटी के लिए कानून लाए जिससे किसान को फसल की सही लागत मिल सके।

दिल्ली-नोएडा बॉर्डर पर प्रदर्शन के दौरान किसानों को संबोधित करते भाकियू के प्रदेश (एनसीआर) अध्यक्ष सुभाष चौधरी। फोटो : दीपक यादव

किसानों के प्रदर्शन से पूर्व मौके पर पुलिस आयुक्त आलोक सिंह, अपर पुलिस आयुक्त कानून व्यवस्था लव कुमार, डीसीपी जोन नोएडा राजेश एस, अपर पुलिस उपायुक्त रणविजय सिंह भारी पुलिस फोर्स के साथ तैनात रहे।

किसानों के इस प्रदर्शन से दिल्ली नोएडा लिंक रोड पर भीषण जाम रहा। दिल्ली जाने वालों वाहनों को महामाया फ्लाई वे होते हुए डीएनडी के जरिये अपने गंतव्य की ओर जाना पड़ा। प्रदर्शन की वजह से मार्ग पर करीब तीन किलोमीटर लंबा जाम रहा। वहीं डीएनडी टोल से सेक्टर 16 व सेक्टर 37 अंडरपास तक जाम की समस्या बनी रही जिसमें वाहन चालक घंटों जाम में फंसे रहे।

राजधानी की सीमाओं पर बढ़ी सुरक्षा

नई दिल्ली। संसद से पारित कृषि संबंधी विधेयकों के खिलाफ विभिन्न किसान संगठनों द्वारा किए गए देशभर में प्रदर्शन के आह्वान के मद्देनजर पड़ोसी राज्यों से लगी दिल्ली की सीमाओं पर पुलिस की तैनाती बढ़ा दी गई है। प्रदर्शन के मद्देनजर दिल्ली-उत्तर प्रदेश सीमा के निकट चिल्ला इलाके में बड़ी संख्या में पुलिस कर्मी तैनात किए गए हैं। पुलिस ने कहा कि सीमावर्ती इलाकों में हालात शांतिपूर्ण रहें, यह सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त इंतजाम किए गए हैं। पड़ोसी राज्यों में किसानों द्वारा प्रदर्शन की अपील किए जाने के मद्देनजर ऐहतियाती तौर पर पुलिसकर्मियों को दिल्ली-उत्तर प्रदेश सीमा पर तैनात किया गया है। दिल्ली-हरियाणा सीमा पर तैनात पुलिसकर्मियों को भी सतर्क रहने को कहा गया है। कृषि विधेयकों के खिलाफ कुछ राज्यों में विपक्षी दल और किसान प्रदर्शन कर रहे हैं।

सरकारी स्कूलों में दाखिले का दूसरा चरण शुरू

पहले चरण में चूके अभिभावकों के आग्रह पर दिया गया एक और मौका

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी की सरकार ने स्कूलों में ऑनलाइन दाखिला का दूसरा चरण शुरू किया है। जो अभिभावक पहले चरण में अपने बच्चों का पंजीकरण नहीं करा पाए थे, उनके लिए यह प्रक्रिया शुक्रवार से शुरू हुई। इसमें 6वीं से लेकर 9वीं और 11वीं कक्षा के लिए छात्र-छात्राएं तीन अक्टूबर तक आवेदन कर सकते हैं। यह प्रवेश प्रक्रिया सत्र 2020-2021 के लिए है।

दिल्ली सरकार के अनुसार पहले चरण में छठी से बारहवीं कक्षा में प्रवेश के लिए कुल 64,995 आवेदन ऑनलाइन मिले थे। इनमें 64,450 छात्रों को स्कूल आवंटित किया जा चुका है। पहले चरण के आवेदकों के दस्तावेजों के सत्यापन की प्रक्रिया जारी है। यह 30 सितंबर तक पूरी होगी। दूसरे चरण के आवेदन तीन अक्टूबर तक लिए जाएंगे। कक्षा नवीं और ग्यारहवीं में प्रवेश की प्रक्रिया 15, छठी से आठवीं कक्षा तक की प्रक्रिया 26 अक्टूबर तक चलेगी। ऑनलाइन प्रवेश पंजीकरण फॉर्म जमा करने का लिंक दिल्ली सरकार की वेबसाइट www.edudel.nic.in के होम पेज पर उपलब्ध है। जिन आवेदकों ने पहले चरण में आवेदन किया है और जिन्हें स्कूल आबंटित किए हैं या जो पहले से सरकारी वित्तपोषित स्कूल में पढ़ रहे हैं, उन्हें आवेदन करने की पात्रता नहीं है।

तीन अक्टूबर तक करें आवेदन

छठी से नौवीं कक्षा के लिए पंजीकरण में केवल एक चरण की प्रक्रिया है। इसमें पंजीक्रत मोबाइल नंबर पर पंजीकरण संख्या भेजी जाएगी। उस संख्या का उपयोग दाखिले की स्थिति के बारे में जानकारी के लिए किया जा सकता है। ग्यारहवीं कक्षा के लिए प्रक्रिया में दो चरण हैं। पहले चरण में पंजीकरण संख्या और पासवर्ड मिलेगा। दूसरे में आवेदक को उस पंजीकरण संख्या और पासवर्ड के साथ निर्दिष्ट लिंक पर लॉगिन करने के बाद पंजीकरण फॉर्म को पूरा भरना होगा। ये दोनों चरण पूरा करना जरूरी है अन्यथा आवेदन निरस्त हो जाएगा।

आवेदकों को उनके पंजीकृत फोन नंबर पर एसएमएस के जरिए स्कूल आवंटन की जानकारी दी जाएगी। बारह अक्टूबर से http://www.edudel.nic.in/welcome_folder/govtadmission.htm पर आवंटन का पता लगा सकते हैं। नामांकन के संबंध में किसी भी जानकारी के लिए एक केंद्रीकृत हेल्पलाइन जारी की गई है। सभी कार्य दिवसों पर टेलीफोन नंबर 1800116888 या 10580 पर सुबह 07.30 बजे से शाम 07.00 बजे तक जानकारी ली जा सकती है।

कोरोना पीड़ित सिसोदिया को डेंगू भी, दी गई प्लाज्मा थेरेपी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

- प्लेटलेट्स घटने पर मैक्स साकेत में भर्ती

कोविड-19 और डेंगू के दोहरे संक्रमण से पीड़ित उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की हालत अब बेहतर है। उन्हें प्लाज्मा थेरेपी दी गई। सिसोदिया का इलाज मैक्स अस्पताल साकेत में चल रहा है। उन्हें बृहस्पतिवार शाम को दिल्ली सरकार के एलएनजेपी अस्पताल से उनके खून में प्लेट लेट्स घटने और ऑक्सीजन की मात्रा कम होने के कारण ले यहां भर्ती कराया गया है।

उपमुख्यमंत्री के कार्यालय के एक अधिकारी ने कहा, उनकी स्थिति अब पहले से बेहतर है। सिसोदिया को 14 सितंबर को कोविड-19 से संक्रमित पाया गया था। वह होम आइसोलेशन में थे। उन्हें इलाज के लिए बुधवार को एलएनजेपी अस्पताल में भर्ती कराया गया और एक दिन बाद उन्हें डेंगू से भी पीड़ित पाया गया। वह शायद शहर के पहले प्रमुख व्यक्ति हैं जो कोविड-19 और डेंगू दोनों संक्रमण की चपेट में आए हैं।

तिहाड़ जेल के डीजी कोविड-19 पॉजिटिव

नई दिल्ली। तिहाड़ जेल के महानिदेशक संदीप गोयल के कोरोना वायरस से संक्रमित होने की पुष्टि हुई है। जेल अधिकारियों ने 13 सितंबर को जो आंकड़े साझा किए थे उनके अनुसार दिल्ली की जेलों में संक्रमण के 25 मामले थे जिनमें 20 जेल कर्मचारी शामिल थे। इससे करीब एक माह पहले दिल्ली जेल विभाग ने कहा था कि उसके तीन जेल परिसरों में कैदियों में संक्रमण का कोई मामला नहीं है।

गत 21 अगस्त को जेल विभाग ने कहा था कि तिहाड़, रोहिणी और मंडोली जेल परिसरों में कोई भी कैदी संक्रमित नहीं है और जेलों में संक्रमण की स्थिति में सुधार हुआ है।

मेट्रो यात्री से नकद 35 लाख रुपये जब्त

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) ने टैगोर गार्डन मेट्रो स्टेशन पर कथित रूप से 35 लाख रुपए नकदी ले जाने के लिए एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। आरोपी की पहचान अजमल भाई के रूप में हुई है।

सीआईएसएफ के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, गुजरात के पाटन जिले के रहने वाले व्यक्ति के बैग में से 35 लाख रुपए निकले। वह यह नहीं बता सका कि वह इतनी बड़ी रकम क्यों ले जा रहा था। नकदी संदिग्ध लगने पर सीआईएसएफ के जवान ने आगे की जांच के लिए व्यक्ति को आयकर विभाग को सौंप दिया। सीआईएसएफ दिल्ली मेट्रो नेटवर्क की सुरक्षा करता है। इनकम टैक्स की टीम उन रुपयों के लाने के स्रोत के बारे में जानकारियां तलाश रही है। साथ ही गुजरात में उसके फैमली बैकग्राउंड और उसके कामकाज के बारे में भी पता लगा रही है। जिससे ये पता चल सके कि ये शख्स मूल रूप से काम क्या करता है और क्या ये वाकई में कारोबारी है या कोई हवाला कारोबारी।

बरामद रुपयों को दिखाते सीआईएसएफ के जवान।

केजरीवाल के फर्जी वीडियो पर एफआईआर का निर्देश

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के फर्जी वीडियो को लेकर की गई शिकायत पर दिल्ली की एक अदालत ने पुलिस को प्राथमिकी दर्ज करने का निर्देश दिया है।

छेड़छाड़ कर बनाए गए इस वीडियो में मुख्यंमत्री को एक अश्लील गाना गाते हुए दिखाया गया है। मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट किशोर कुमार ने एक वकील की शिकायत के आधार पर पश्चिम विहार थाने के प्रभारी को एक सप्ताह के भीतर प्राथमिकी दर्ज करने का निर्देश दिया। अदालत ने पुलिस को दो दिसंबर तक अनुपालन रिपोर्ट दाखिल करने का भी निर्देश दिया है।

वकील अमित साहनी की शिकायत में दावा किया गया है कि 12 फरवरी को दिल्ली विधानसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद, यूट्यूब पर एक वीडियो अपलोड किया गया था जिसमें केजरीवाल को एक अश्लील गीत गाते हुए दिखाया गया है। अदालत ने 24 सितंबर को दिए अपने आदेश में कहा कि विचाराधीन वीडियो में गीत न केवल संवैधानिक रूप से निर्वाचित मुख्यमंत्री की प्रतिष्ठा को कमतर कर रहा है बल्कि यह मतदाताओं को भी अपमानजनक तरीके से संबोधित कर रहा था।

नोएडा में कोरोना संक्रमण के 245 नए मामले मिले

नोएडा। गौतमबुद्धनगर में शुक्रवार को कोविड-19 के 245 नए मामले सामने आए,जिन्हें मिला कर संक्रमण में मामले 12,255 पर पहुंच गए हैं।

जिला निगरानी अधिकारी नीरज त्यागी ने बताया कि शुक्रवार को कोरोना वायरस संक्रमण की वजह से एक व्यक्ति की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि जिले में अब तक संक्रमण से 51 लोगों की मौत हो चुकी है।

उन्होंने बताया कि शुक्रवार सुबह संक्रमण के 245 नए मामले सामने आए हैं, वहीं शुक्रवार को 218 लोगों को उपचार के बाद ठीक होने पर अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। अब तक जनपद में 10,479 लोग उपचार के बाद संक्रमणमुक्त हो चुके हैं।

दिल्ली सरकार का आदेश

एंटीजन टेस्ट में संक्रमण पुष्ट नहीं हो तो करें आरटी-पीसीआर जांच

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली सरकार ने सभी जिलों के अधिकारियों से कहा है कि जिन लोगों की रैपिड एंटीजन जांच में संक्रमण नहीं होने की पुष्टि हुई है लेकिन यदि उनमें कोविड-19 के लक्षण हैं तो उनकी दोबारा आरटी-पीसीआर जांच कराई जाए।

सरकार ने दिल्ली में 1,400 से अधिक मामलों में इस प्रक्रिया का पालन नहीं होने की बात पता चलने पर यह निर्देश जारी किया है। विशेष सचिव (स्वास्थ्य और परिवार कल्याण) उदित प्रकाश राय ने सभी जिलों के अधिकारियों को निर्देश जारी किया है। उन्होंने कहा एंटीजन जांच में संक्रमण नहीं होने के 1,437 मामलों में लक्षण होने के बाद भी आरटी-पीसीआर जांच नहीं कराई गई।

अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि आज से ऐसा नहीं हो। बृहस्पतिवार को यह निर्देश जारी किया गया। अधिकारियों ने बुधवार को कहा कि दिल्ली सरकार आरटी-पीसीआर जांच बढ़ाने के तरीकों पर काम कर रही है।

नगर निगम मुख्यालय पर प्रदर्शन करते सफाई कर्मचारी।

निगम के मुख्यालय पर सफाई कर्मियों का प्रदर्शन

गाजियाबाद। नए वेतनमान और कोरोना काल में सफाई कर्मचारियों को सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराने जैसी अनेक मांगों को लेकर शुक्रवार को नगर निगम सफाई कर्मचारियों से जुड़े अनेक संगठनों ने एकत्र होकर सामूहिक रूप से निगम मुख्यालय पर प्रदर्शन किया और नगर आयुक्त को संबोधित एक मांग पत्र भी सौंपा।

इस अवसर पर सफाई कर्मचारी नेता और मनोनीत पार्षद प्रदीप चौहान ने कहा कि सफाईकर्मी अपनी जान पर खेलकर कोरोना काल में अपने कर्तव्य का पालन कर रहे हैं। बावजूद इसके उन्हें मास्क व सेनेटाइजर उपलब्ध नहीं कराया जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

सड़क निर्माण का शिलान्यास करते विधायक सुनील शर्मा।

जनकपुरी में 13 लाख से बनेगी सड़क

गाजियाबाद। साहिबाबाद के वार्ड 70 जनकपुरी राजबाग में 13 लाख रुपए की लागत से बनने वाली सड़क का साहिबाबाद से भाजपा विधायक सुनील शर्मा ने शिलान्यास किया । इस अवसर पर विधायक ने कहा कि साहिबाबाद विधानसभा में हर कॉलोनी में विकास कार्य चल रहे हैं। जनकपुरी राजबाग की सड़क की काफी स्थिति खराब थी अब उसका निर्माण शुरू हो गया है। शर्मा ने कहा कि जब से भाजपा की सरकार देश-प्रदेश में है तब से हर तरफ विकास कि गंगा बहे रही है । इस मौके पर धर्म बंसल, भाजपा वरिष्ठ नेता रामनिवास बंसल आदि मौजूद रहे।

हिंदु हेल्पलाइन ऐप की शुरुआत

नई दिल्ली। वर्ष 2011 में शुरू की गई हिंदू हेल्पलाइन सेवा के लिए एक ऐप लांच किया गया है। यह ऐप गूगल प्ले स्टोर पर मुफ्त में उपलब्ध है। इस ऐप सेवा की शुरूआत करते हुए डॉ. प्रवीण तोगड़िया ने बताया कि हिंदू हेल्पलाइन सेवा शुरू करने के बाद देशभर में 3 लाख से ज्यादा जरूरतमंद हिंदुओं को आपातकाल में मदद की गई है। उन्होंने बताया कि हिंदु हेल्पलाइन सेवा से जुड़े लोग देशभर में मदद करने के लिए मौजूद हैं। इस ऐप पर क्लिक करने मात्र से ही इमरजेंसी में कहीं भी मदद मिल सकती है। इसमें कोविड-19 (क्योंकि ये भारत सरकार के अधीन है) तथा धार्मिक (दर्शन, बाकी राज्यों में भाषा सेवा) को छोड़कर कानूनी और प्रशासनिक मदद शामिल है। इस ऐप को डाउनलोड करने के बाद केवल अपनी जानकारी ही दर्ज करनी होती है इसके बाद इस सेवा का लाभ उठाया जा सकता है।

सड़क निर्माण का शिलान्यास करते विधायक सुनील शर्मा।

ठग महिला साथी समेत गिरफ्तार

गाजियाबाद। पुलिस की वर्दी पहनकर लोगों को ठगने वाले गिरोह के दो सदस्यों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है जबकि इस गिरोह के पांच अन्य सदस्य अभी भी फरार है। खास बात यह है कि इस गिरोह में एक महिला भी शामिल है जो फेसबुक पर लोगों से दोस्ती कर उन्हें अपने फ्लैट पर बुलाती थी उसके बाद जैसे ही शिकार उसके फ्लैट पर पहुंचता था तभी पुलिस की वर्दी पहने महिला के पुरुष साथी फ्लैट में आते थे और उस व्यक्ति को फंसाने की धमकी देकर मोटी रकम वसूल लेते थे। इसी कड़ी में पुलिस ने राजनगर एक्सटेंशन से जावेद और मधुमति नामक दो ठगों को गिरफ्तार किया है। एसपी सिटी अभिषेक वर्मा ने बताया कि इनके अन्य साथियों की भी तलाश की जा रही है।

नई दिल्ली स्थित एम्स के 65वें स्थापना दिवस समारोह का फीता काटकर शुभारंभ करते केंद्रीय स्वास्थ्य व परिवार कल्याण मंत्री डॉ. हर्षवर्धन तथा परिवार कल्याण राज्य मंत्री अश्विनी कुमार चौबे। फोटो : रंजन डिमरी

महामारी से मुकाबले में योगदान के लिए एम्स को मिली शाबासी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

- केंद्रीय मंत्री ने 65वें स्थापना दिवस समारोह को किया शुरू

केन्द्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री तथा एम्स के अध्यक्ष डॉ. हर्षवर्धन ने शुक्रवार को एम्स नई दिल्ली के 65वें स्थापना दिवस समारोह की अध्यक्षता की। इस अवसर पर स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्री अश्विनी कुमार चौबे भी उपस्थित रहे। आज ही के दिन एम्स में अंडरग्रेजुएट शिक्षा की शुरुआत हुई थी और एमबीबीएस का पहला बैच 1956 में आया था।

भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा नेशनल इंस्टिट्यट रैंकिंग फ्रेमवर्क में चिकित्सा संस्थानों में से नंबर एक पर होने के लिए एम्स नई दिल्ली को बधाई दी। डॉ. हर्षवर्धन ने संतोष व्यक्त किया कि एम्स नई दिल्ली ने 1956 में भारतीय संसद द्वारा स्थापित अपने उद्देश्यों को स्थापना वर्ष के दौरान और बाद में पूरा किया है और स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं, शिक्षा और अनुसंधान में उच्च मानक हासिल करने के लिए लगातार कार्यरत है।

इस अवसर पर परिवार कल्याण राज्य मंत्री अश्विनी कुमार चौबे ने कोविड-19 काल में चिकित्सकों के अथक व निस्वार्थ प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि एम्स ने अपनी बेहतर प्रतिष्ठा बनाई है और शैक्षिक, अनुसंधान तथा रोगियों की देखभाल के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

सुन्दर भाटी गिरोह के सदस्य की जमीन जब्त

नोएडा। कुख्यात सुंदर भाटी गिरोह के सदस्य गैंगस्टर सतवीर बंसल की गाजियाबाद के लोनी स्थित चार बीघा जमीन पुलिस ने जब्त की है।

डीसीपी राजेश कुमार सिंह ने बताया कि सतवीर की पूर्व में भी दस करोड़ के करीब की संपत्ति जब्त की जा चुकी है। सुंदर भाटी के सहयोग से आरोपित फैक्ट्रियों में ट्रांसपोर्ट का ठेका लेता था और विवादित जमीनों पर कब्जा करता था। गैंगस्टर एक्ट के तहत सतवीर की संपत्ति चिन्हित कर कार्रवाई की जा रही है। बृहस्पतिवार को लोनी स्थित गांव जाफराबाद गलौनी में भारी पुलिस बल की मौजूदगी में सतवीर की जमीन जब्त की गई। पुलिस ने जब्त जमीन पर एक बोर्ड लगाया है।

धरे गए हैकर, ऑनलाइन बेचते थे सामान

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

- आरोपियों ने कंपनी का सर्वर किया था हैक

ऑनलाइन इलैक्ट्रोनिक सामान बेचने वाली निम्बस कंपनी का सर्वर हैक कर सस्ते दरों में सामान बेचने वाले एक गिरोह को पुलिस ने पकड़ा है। थाना फेस थ्री और साइबर सेल ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए गिरोह के चार लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोपी फर्जी वेबसाइट बनाकर भी लोगों को सस्ते दरों में मोबाईल फोन व अन्य इलैक्ट्रोनिक सामान बेचकर धोखाधड़ी करते थे। आरोपियों में दो सगे भाई हैं। पुलिस ने इनके पास से 17 लाख 62 हजार 7 सौ रुपए, 10 मोबाइल, 5 लैपटॉप व अन्य सामान बरामद किया है।

सेन्ट्रल नोएडा डीसीपी हरीश चन्दर ने बताया कि पिछले दिनों सेक्टर 63 स्थित निम्बस एडकॉम प्राइवेट लिमिटेड कंपनी ने थाना फेस थ्री पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि कुछ लोग कंपनी का सर्वर हैक सस्ते दरों में ऑनलाइन सामान बेच रहे हैं। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरु कर दी।

डीसीपी ने बताया कि इस संबंध में बुधवार को थाना फेस थ्री पुलिस और साइबर सेल टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए सेक्टर 100 से चार लोगों को गिरफ्तार किया है। जिनमें दो युवक सगे भाई हैं। आरोपियों की पहचान अंकित रमोला और हर्षित रमोला पुत्र मेघ चंद रमोला निवासी मकान 79 फ्लैट नंबर 9 द्वितीय फ्लोर साउथ गणेश नगर दिल्ली, आकाश वंसल निवासी आई 604 एल्फा 2 थाना बीटा 2 ग्रेटर नोएडा जनपद गौतमबुद्धनगर और आकाश कंसल निवासी मकान नंबर 162 मोहन नगर कालोनी गली नंबर 3 पिलखुआ थाना पिलखुआ जनपद हापुड़ के रुप में हुई है।

डीसीपी ने बताया कि सगे भाई अंकित रमोला और हर्षित रमोला गिरोह के सरगना हैं। ये लोग पिछले करीब सात आठ महीनों से ये काम कर रहे थे। आरोपी फर्जी वेबसाइट बनाकर सस्ते दरों में मोबाईल फोन व अन्य इलैक्ट्रोनिक सामान बेचकर धोखाधड़ी करते थे। आरोपियों ने निम्बस कंपनी का सर्वर हैककर लाखों रुपए का चूना लगाया है।

सरकार का फरमान : अंग्रेजी बोलने-समझने की आदत डालें टीचर

अमेरिकी दूतावास के सहयोग से ऑनलाइन प्रोफेशनल डेवलपमेंट प्रोग्राम संपन्न

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

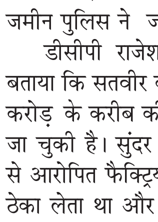

उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा कि टीचर छात्रों को अंग्रेजी बोलने व समझने की आदत डालें। उन्होंने अस्पताल से भेजे अपने संदेश में शिक्षकों से कहा कि वे अपने स्कूलों में अंग्रेजी भाषा की बेहतरीन शिक्षा प्रदान करने के लिए इस विश्व स्तरीय प्रशिक्षण मिलने के अवसर का सदुपयोग करें और इसे अपने साथियों के साथ साझा भी करें।

दिल्ली सरकार शिक्षकों को बेहतरीन प्रशिक्षण अवसर मुहैया कराने के लिए प्रतिबद्ध है, क्योंकि उनके माध्यम से छात्रों को अंग्रेजी बोलने व समझने की उम्मीद करते हैं। दिल्ली सरकार ने ऑनलाइन कार्यक्रम भारत में अमेरिकी दूतावास के क्षेत्रीय अंग्रेजी भाषा कार्यालय (आरईओ) के सहयोग से शुरू किया था। इस कार्यक्रम में अंग्रेजी भाषा विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में करीब 600 अंग्रेजी शिक्षकों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। वहीं करीब 30 मेंटर शिक्षकों ने सहायक की भूमिका निभाई।

अमेरिकी दूतावास के सार्वजनिक मामलों के मंत्री काउंसलर डेविड कैनेडी ने समापन समारोह में कहा कि दिल्ली सरकार के साथ काम करना अमेरिकी दूतावास के लिए सम्मान की बात है। यह कार्यक्रम शिक्षा को मजबूत करने में अमेरिकी दूतावास और सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। वह टीचरों को ऐसा कौशल सिखाना चाहते हैं, ताकि वे छात्रों को 21वीं सदी में सफल होने में मदद कर सकें। कैनेडी ने कहा सिसोदिया के जल्द स्वस्थ होने की कामना की। शिक्षा निदेशक उदित प्रकाश राय ने कहा वह इस कार्यक्रम को बाकी शिक्षकों तक पहुंचाने का प्रयास करेंगे। ताकि वे भी विश्व स्तरीय एक्सपोजर प्राप्त कर सकें। टीचरों ने अमेरिकी अंग्रेजी वेबसाइट, अंग्रेजी शिक्षण मंच पत्रिका और मॉन्स्टर बुक ऑफ टीचिंग एक्टिविटीज द्वारा पेश किए गए कई शिक्षण संसाधनों का उपयोग किया। इससे पहले, यह कार्यक्रम सिर्फ मध्य और माध्यमिक ग्रेड शिक्षकों के लिए शुरू किया गया था जो बाद में प्राथमिक शिक्षकों के लिए भी उपलब्ध कराया गया।

- छह सौ शिक्षक हुए शामिल, सिसोदिया ने कहा- शुरू करें नई परंपरा

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक चन्दन मित्रा द्वारा नं. 6, गुलाब भवन के पीछे, बहादुर शाह ज़फ़र मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक: चन्दन मित्रा, स्थानीय सम्पादक: उषा श्रीवास्तव। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। पत्रवार्ता ऑफिस- एफ-31, सेक्टर 6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर-201301, उत्तर प्रदेश, दूरभाष- 120-4879800-4879900।

चांदनी चौक दिल्ली की तर्ज पर सदर बाजार गुरुग्राम बनेगा वॉक-वे

विधायक, मेयर निगम आयुक्त के समक्ष पेश किया पायलट प्रोजेक्ट

सुशांत विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने तैयार किया है प्रोजेक्ट

अक्टूबर के अंत या नवंबर की शुरुआत में होगा लागू

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम के सदर बाजार को वाहन मुक्त करके वॉक-वे बनाने को लेकर बैठक करते विधायक सुधीर सिंगला, मेयर व अधिकारी।

स्थानीय सदर बाजार को वाहन मुक्त करके वॉक-वे बनाने के लिए यहां विधायक सुधीर सिंगला की अध्यक्षता में हुई बैठक में मंथन किया। सुशांत विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों की ओर से तैयार किया गया पायलट प्रोजेक्ट यहां पर प्रस्तुत किया गया। जिसे विचार के लिए रखा गया है।

विधायक सुधीर सिंगला ने कहा कि दिल्ली के चांदनी चौक की तर्ज पर गुरुग्राम के सदर बाजार को वाहन मुक्त करके वॉक-वे बनाया जाएगा। पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर तो शुरुआत में डाकखाना चौक से जामा मस्जिद तक के बाजार को योजना में शामिल किया है। प्रोजेक्ट सफल रहा तो फिर इसे बाजार के अन्य रास्तों पर भी लागू किया जाएगा। क्योंकि बाजार की अन्य गलियां बहुत संकरी हैं। वहां पर दोपहिया वाहन भी अगर कोई ले जाता है तो जाम लग जाता है। उन्होंने कहा कि मेयर मधु आजाद, निगमायुक्त विनय प्रताप सिंह के साथ हुई बैठक में सदर बाजार के व्यापारियों को भी आमंत्रित किया था। सभी के समक्ष विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने प्रोजेक्ट प्रस्तुत किया। व्यापारियों के विचार भी मांग गए हैं। विधायक सुधीर सिंगला के मुताबिक अब इस क्षेत्र से वाहनों को पार्क करने की समस्या भी खत्म हो जाएगी। क्योंकि कमान सराय व ओल्ड रेलवे रोड पर सदर बाजार के ठीक साथ में मल्टीलेवल पार्किंग का निर्माण हो रहा है। ऐसे में बाजार में आने के लिए लोग अपने वाहनों को पार्किंग में भी खड़ा करके आएंगे। उन्होंने कहा कि अक्टूबर के अंत में या फिर नवम्बर के शुरुआत में इस प्रोजेक्ट को यहां लागू किया जाएगा।

मेयर मधु आजाद ने कहा कि पार्किंग की समस्या बाजार में बहुत अधिक है। वाहनों के बाजार में प्रवेश करने के साथ ही यहां जाम की स्थिति बन जाती है। इसलिए यह जरूरी है कि इस तरह के प्रोजेक्ट को लागू करके दुकानदारों और ग्राहकों दोनों को सुविधा दी जाए। इसी कड़ी में इस प्रोजेक्ट पर काम चल रहा है।

निगमायुक्त विनय प्रताप सिंह ने कहा कि सदर बाजार में ग्राहकों की भीड़ को देखते हुए यह जरूरी है कि यहां पर वाहनों का प्रवेश वर्जित हो। वाहनों के कारण पैदल चलने वाले लोगों को परेशानी होती है। जाम भी लग जाता है। बाजार में अतिक्रमण भी हटाया जा रहा है, ताकि ग्राहकों को किसी तरह की दिक्कत ना रहे। वॉक-वे प्रोजेक्ट भी काफी राहत प्रदान करेगा।

तीनों अध्यादेश और न्यूनतम समर्थन मूल्य में बढ़ोतरी बड़ा तोहफा : बोधराज सीकरी

गुरुग्राम। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं प्रसिद्ध समाजसेवी बोधराज सीकरी का तीन अध्यादेशों को लेकर कहना है कि तीनों ही अध्यादेश किसानों के हित में है। यह बात समझनी होगी। विपक्ष जिस तरह से किसानों को बरगला रहा है, वह सही नहीं है। अध्यादेश को बारीकी से पढ़ें तो पता चलता है कि जो किसान आज तक पूंजीपतियों के हाथों पिसते आए, आज उन किसानों को सरकार ने स्वतंत्र करने का काम किया है।

बोधराज सीकरी का कहना है कि यह अध्यादेश राज्यों के कृषि उत्पाद मार्केट कानूनों के अंतर्गत अधिसूचित बाजारों के बाहर किसानों की उपज के मुफ्त व्यापार की सुविधा देता है। इस अध्यादेश के प्रावधान राज्यों के एपीएमसी एक्ट्स के प्रावधानों के होते हुए भी लागू रहेंगे। इस बदलाव के जरिए किसानों और व्यापारियों को किसानों की उपज की बिक्री और खरीद से संबंधित आजादी मिलेगी। जिससे अच्छे माहौल पैदा होगा और दाम भी बेहतर मिलेंगे। किसानों के नाम पर राजनीति करने वालों को सरकार का यह कदम हजम नहीं हो रहा है। वहीं, हरियाणा की पहल पर केंद्र सरकार ने हर वर्ष फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य बिजाई सीजन शुरू होने से पहले ही घोषित करने की जो शुरुआत की गई है, वह किसान हित में है। केन्द्र सरकार द्वारा रबी की प्रमुख फसलों जैसे गेहूं, चना, सरसों, जौं, मसूर तथा कुसुम के न्यूनतम समर्थन मूल्यों में 50 रुपये से 300 रुपये तक की वृद्धि की घोषणा किसानों के लिए बड़ी राहत है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किसानों की आय वर्ष 2022 तक दोगुनी करने के लक्ष्य के अनुरूप फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य निर्धारित करने का स्थायी फॉर्मूला तय कर दिया है। गेहूं का न्यूनतम समर्थन मूल्य में 50 रुपये की बढ़ोतरी कर 1975 रुपये प्रति क्विंटल घोषित किया गया है। श्री सीकरी के मुताबिक चने का 4875 रुपये प्रति क्विंटल से बढ़ाकर 5100 रुपये निर्धारित किया है। सरसों का 4425 रुपये प्रति क्विंटल से बढ़ाकर 4650 रुपये किया गया है।

संक्षिप्त समाचार

इनेलो कार्यकर्ताओं ने मनाई देवीलाल की जयंती

पलवल। शुक्रवार को जिला इनेलो कार्यकर्ताओं ने ताऊ देवीलाल की 107वीं जयंती सम्मान दिवस के रूप में मनाई। इस अवसर पर इनेलो के कार्यकर्ताओं ने ताऊ देवीलाल पार्क में उनकी प्रतिमा पर फूल अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। जिसमें पलवल से पूर्व प्रत्याशी सतपाल देशवाल, प्रदेश महासचिव महेंद्र चौहान, जिला अध्यक्ष अजीत बॉबी, शहरी अध्यक्ष अशोक शर्मा, इनेलो कार्यकर्ता देवी पहलवान, पवन तेवतिया, वेद पहलवान, जवाहर डाबर, प्रकाश पूर्व सरपंच अल्हिका आदि मौजूद रहे। कार्यकर्ताओं ने कहा कि ताऊ देवीलाल किसानों के मसीहा थे। आज उन्हीं की प्रेरणा से बुजुर्गों को पेंशन मिल रही है। ताऊ देवीलाल ने जो काम प्रदेश में किए हैं वह सभी के लिए अनुकरणीय है। आज किसान वह कमेरे वर्ग के साथ अन्याय हो रहा है, जिससे वह सड़कों पर आने पर मजबूर हैं। इनेलो पार्टी सदा से ही किसानों की मांग उठाती आई है और उठाती रहेगी। किसानों के साथ अन्याय किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

डंपर चालकों ने पुलिस टीम को कचलने का किया प्रयास

तावडू। उपमंडल के अंतर्गत गांव सीलखो में पुलिस द्वारा पत्थरों से भरे एक ओवरलोड डंपर रुकवाने का इशारा करने से गुस्साए डंपर चालकों द्वारा पुलिस टीम पर डंपर चढ़ाकर उन्हें जान से मारने का प्रयास करने का मामला सामने आया है। तावडू पुलिस ने दो डंपर चालकों सहित तीन आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। तावडू शहर थाना प्रभारी एसआई ओमबीर सिंह ने बताया कि गत बुधवार को उन्हें तावडू शहर थाने में दर्ज एक मुकदमे में फरार चल रहे एक आरोपी की गांव सिलखो में होने की सूचना मिली। पुलिस गांव सीलखो में पहुंची तो पत्थरों से भरा एक ओवरलोड डंपर उन्हें आता हुआ दिखाई दिया। चालक को उन्होंने रुकने का इशारा किया, लेकिन डंपर चालक ने डंपर की गति बढ़ा दी और डंपर को सीलखो क्रेशर जोन में राम क्रेशर ले गया और चालक ने क्रेशर की हौदी में पत्थरों को खाली कर तेज गति से पुलिसकर्मियों को जान से मारने की नीयत से सरकारी वाहन पर सीधी टक्कर मार दी। जिसे सरकारी वाहन का एक हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया और दो पुलिसकर्मियों को भी चोटें आई। उन्होंने बताया की किसी तरह उन्होंने सरकारी वाहन से कूदकर अपनी जान बचाई। पुलिस का आरोप है कि इसी दौरान एक क्रेशर जोन कार्यालय में मौजूद व्यक्तियों के इशारे पर और अन्य डंपर मौके पर आया जिसने भी सरकारी गाड़ी को टक्कर मार दी।

आढ़त एसोसिएशन ने कृषि अध्यादेश पर हड़ताल समाप्त की

सोहना। सोहना की आढ़त एसोसिएशन ने कृषि अध्यादेश पर सरकार से टकराव छोड़ते हुए अपनी हड़ताल खत्म कर दी। आढ़ती एक अक्टूबर से होने वाली बाजरे की सरकारी खरीद को लेकर तैयारी में जुट गए हैं। जल्द ही एसोसिएशन की बैठक बाजरे की खरीद को लेकर बुलाई जाएगी। आढ़त एसोसिएशन के प्रधान महेश आर्य ने बताया सोहना के आढ़तियों ने कृषि अध्यादेश पर अपने विचार बदलते हुए हड़ताल खत्म करते हुए खरीफ की फसल खरीदने का मन बना लिया है। ताकि पिछले छह माह से ठप अपने कारोबार को गति दे सकें। आढ़त एसोसिएशन की बैठक एक अक्टूबर से शुरू होने वाली बाजरे की सरकारी खरीद पर चर्चा की जाएगी। ताकि आढ़ति किसानों की फसल को खरीद कराने में सरकार की मदद कर सकें। बाजरे समेत खरीफ की फसलों का आवक मंडी में होने से आढ़तियों का कारोबार बढ़ सकेगा। जो मार्च माह से ठप पड़ा हुआ था।

गांव का गंदा पानी ओरिस सोसायटी में घुसा, लोगों ने किया प्रदर्शन

गुरुग्राम। यहां सेक्टर-85 स्थित ओरिस सोसायटी में गांव सिकंदरपुर के गंदे पानी के कारण परेशानी खड़ी हो गई है। लोगों का सोसायटी में प्रवेश करना मुश्किल हो गया है। इसके विरोध में शुक्रवार को सोसायटी के लोगों ने प्रदर्शन किया और इस समस्या से छुटकारा दिलाने की मांग प्रशासन से की है। लोगों ने बताया कि पिछले दो साल से ओरिस सोसाइटी और सिकंदरपुर गांव में रहने वाले हजारों लोग गंदे पानी की निकासी व जल भराव की समस्या से जूझ रहे हैं। हर दिन लोगों को यहां से निकलने मे परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का जीना दुश्वार हो गया है। एक तरफ जहां कोरोना की मार, ऊपर से गंदे पानी के जमा होने से डेंगू का डर लोगों को सता रहा है। समस्या के निदान के लिए स्थानीय निवासी मुख्यमंत्री कार्यालय, संबंधित पंचायत प्रतिनिधि, इलाके के विधायक, लोक निर्माण विभाग तक के सेकड़ों चक्कर लगा चुके है। कोई ठोस आश्वासन नहीं मिला है। ओरिस सोसायटी से आरडब्ल्यूए सदस्य नरेश ढांडा, अमित कौशिक, योगेश मोर, अशोक चोपड़ा, पीसी नंदा, वरूण मुंजाल, सतेन्द्र भाटिया, परमवीर भारद्वाज, संजय सिंह, विमल, आशीष, बाला रानी, रोशनी देवी, प्रभा देवी, पूनम ढांडा आदि ने बताया कि गंदे पानी की निकासी की समस्या से छुटकारा पाने के लिए संतरी से मंत्री तक अपनी गुहार लगा चुके हैं, लेकिन सरकार व प्रशासनिक अधिकारियों पर कोई असर नहीं है। सीएम विंडो पर दी गई शिकायत पर भी कोई संज्ञान नहीं लिया गया।

अभिभावक और शिक्षकों ने नई शिक्षा नीति पर विचार मंथन

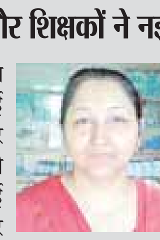

सोहना। राजकीय स्कूलों में हुई अभिभावक और शिक्षकों की बैठक में नई शिक्षा नीति पर मंथन किया गया। अभिभावकों को नई शिक्षा नीति के विषय पर गहराई से बताया और वीडियो फिल्म दिखाई गई। अभिभावकों ने नर्सरी की कक्षाओं में शिक्षकों की तैनाती किए जाने की मांग की। सोहना के राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल की प्रधानाचार्य सुनील कुमारी ने अभिभावकों को बताया कि मार्च 2022 से अब राजकीय स्कूलों में नर्सरी कक्षा में दाखिले होंगे। नर्सरी की कक्षाओं में आने वाले विद्यार्थियों की उम्र मात्र 3 वर्ष होगी। जिसे आंगनबाड़ी कार्यकर्ता पढ़ाने का काम करेंगी। इसके साथ अब 10/2 के स्थान पर 5.3.3.4 का नियम लागू होगा। विद्यार्थी कला, विज्ञान और वाणिज्य संकाय में 11 वी से पहले 9 वीं कक्षा में ही चयन कर सकेगा। अभिभावक नीतू जैन ने कहा कि नर्सरी की कक्षाओं में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के स्थान पर शिक्षकों की तैनाती की जानी चाहिए। नर्सरी के बच्चे को पढ़ाई और उसे सिखाने का सही तरीका एक योग्य शिक्षक ही दे सकेगा। जिससे बच्चे को अक्षर ज्ञान अच्छे से हो सकेगा। सरोज ने कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ता बच्चों को नर्सरी की कक्षाओं में पढ़ाने के लिए सक्षम नहीं होती हैं। कक्षा पांचवीं के बाद छह में आने वाले विद्यार्थी अच्छे से हिन्दी बोलना व पढ़ना भी नहीं जानते हैं। ऐसे विद्यार्थी बोर्ड परीक्षाओं में अच्छे परिणाम नहीं लेकर आते हैं। क्योंकि उन्हें शुरुआत में ही सही ढंग से नहीं समझाया जाता है। ऐसे विद्यार्थी पढ़ाई में मार खा जाते हैं। अभिभावक दीवान सिंह सैनी ने कहा कि नई शिक्षा नीति आने वाले समय में बच्चों के लिए अच्छी साबित होगी। विद्यार्थियों पर फेल होने का दबाव कम होगा। विद्यार्थी अपनी मात्र भाषा में पेपर देने के अलावा अंग्रेजी पढ़ने के दबाव से भी बाहर निकलेगा। क्योंकि अंग्रेजी विषय को आर्ट संकाय में जरूरी विषय समझने के कारण विद्यार्थी बीच में ही अपनी पढ़ाई छोड़ बैठता है।

नवकल्प के रक्तदान शिविर में 31 ने किया रक्तदान

गुरुग्राम के कादीपुर स्थित रोटरी ब्लड बैंक में आयोजित रक्तदान शिविर में पहुंचे विधायक सुधीर सिंगला का स्वागत करते आयोजक।

गुरुग्राम। नवकल्प फाउंडेशन के साथ मिलकर रोटरी क्लब ऑफ गुड़गांव साउथ सिटी, कॉस्मोपॉलिटन फाउंडेशन व नेपथ्य फाउंडेशन द्वारा शुक्रवार को थैलीसीमिया मरीजों के लिए 7वां रक्तदान शिविर यहां कादीपुर स्थित रोटरी ब्लड बैंक में रक्तदान शिविर लगाया।

शिविर में 35 लोग रक्तदान करने पहुंचे, जिनमें से 31 का रक्त लिया गया। शिविर का शुभारंभ विधायक सुधीर सिंगला ने किया। अब अगला रक्तदान शिविर 29 सितंबर मंगलवार को लगाया जाएगा। शुक्रवार को रक्तदान शिविर में पार्षद नीरज यादव, रोटरी क्लब ऑफ गुड़गांव साउथ सिटी के असिस्टेंट गवर्नर रोटेरियन रविंद्र जैन, रोटरी क्लब ऑफ गुड़गांव साउथ सिटी के अध्यक्ष रोटेरियन नवीन गुप्ता एडवोकेट, अभिनव बंसल, सचिव अभिषेक अनेजा, गौरव मंगला, सचिव गजेंद्र गुप्ता, कोषाध्यक्ष अनिल गुप्ता, संदीप एडवोकेट, मोतीलाल एडवोकेट, जगभूषण गुप्ता एडवोकेट, धर्मवीर हिन्दुस्तानी, मुनीष, बीडी पाहुजा, डा. सुनील तनेजा, डा. महिमा, नेशनल ह्यूमन वेलफेयर के चेयरमैन गुंजन मेहता, सतीश सिंगला व दीपक गर्ग मौजूद रहे।

नई शिक्षा नीति भविष्य के लिए कारगर साबित होगी: कल्पना रंगा

गुरुग्राम। नई शिक्षा नीति पर बैठक का आयोजन मास्टर रामफूल की अध्यक्षता में न्यू अपग्रेडेशन राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय जाटौली में हुआ। मुख्य रूप से जिला उप-शिक्षा अधिकारी कल्पना रंगा एवं खंड शिक्षा अधिकारी धर्मपाल सिंह ने शिरकत की। कल्पना रंगा ने सभी से अनुरोध किया कि नई शिक्षा नीति को ध्यान में रखते हुए हमें हर एक विद्यार्थी को बेहतर शिक्षा प्रदान करनी है।

कोई भी विद्यालय या विद्यार्थी किसी प्रकार से संसाधनों की कमी के कारण शिक्षा से वंचित न रहे। जाटोली में हुए स्कूल अपग्रेडेशन के बारे में भी कल्पना रंगा ने विधायक सत्यप्रकाश जरावता का विशेष धन्यवाद किया। उनके साथ ईएसएचएम सतेंद्र प्रकाश, रामफूल एसएसएम, रेनू एचएम, नीलम एचएम, पूर्व प्राचार्य सुभाष चौहान, सतपाल चौहान, एंटी करप्शन फाउंडेशन ऑफ इंडिया मास्टर सुरेंद्र चौहान व समस्त ग्राम वासी रहे। उप-शिक्षा अधिकारी कल्पना रंगा ने सभी से अनुरोध किया के ज्यादा से ज्यादा एडमिशन करने में सभी अहम भूमिका निभाएं।

ताऊ देवीलाल एक व्यक्ति नहीं संस्था थे : सुखबीर तंवर

देवीलाल स्टेडियम में प्रतिमा पर माल्यार्पण व पौधारोपण किया

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम में पूर्व उप-प्रधानमंत्री ताऊ देवीलाल की 107वीं जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि देते इनेलो कार्यकर्ता व नेता।

पूर्व उप-प्रधानमंत्री चौधरी देवीलाल की 107वीं जयंती पर इंडियन नेशनल लोकदल जिला इकाई की ओर से देवीलाल स्टेडियम गुरुग्राम में स्थापित प्रतिमा पर माल्यार्पण और स्टेडियम में पौधारोपण किया गया। विभिन्न दलों के नेताओं और अनेक प्रबुद्ध नागरिकों की उपस्थिति में चौधरी देवीलाल के जीवन पर आधारित संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

संगोष्ठी में आम आदमी पार्टी के दक्षिण हरियाणा संयोजक आरएस राठी, बहुजन समाज पार्टी के वरिष्ठ नेता प्रताप कदम, कैप्टन सुरेंदर यादव, पूर्व डीएसपी शमशेर डागर, एडवोकेट ब्रह्म प्रकाश जांगड़ा, किसान नेता राजेन्द्र धनखड़, वीरेंद्र राणा, श्रमिक नेता स्वर्ण सिंह धनखड़, इनेलो जिला अध्यक्ष रोहताश खटाना, प्रदेश प्रवक्ता सुखबीर तंवर, जिला युवा अध्यक्ष सोनू ठाकरान ने बोलते हुए जननायक चौधरी देवीलाल के जीवन के अनेक पहलुओं पर प्रकाश डाला।

चौधरी देवीलाल संघर्ष और त्याग की प्रतिमूर्ति थे। आजीवन किसान, कमेरे और गरीब सहित 36 बिरादरी के कल्याण और विकास के लिए सतत प्रयास किये। लोकसभा में नेता सदन चुने जाने के बाद भी त्याग की नई मिशाल और रामायण की चौपाई रघुकुल रीत सदा चली आयी, प्राण जाए पर वचन ना जाहि को चरितार्थ करते हुए विश्वनाथ प्रताप सिंह को प्रधानमंत्री के पद पर सुशोभित किया। चौधरी देवीलाल आजीवन उत्तर से दक्षिण, पूर्व से पश्चिम राष्ट्रीय राजनीति की प्रमुख धुरी रहे। सभी प्रतिभागियों ने उनके संघर्ष को याद करते हुए एक स्वर से एक वक्तव्य जारी किया कि हाल ही में पारित दो किसान अध्यादेशों और आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 में संसोधन विधेयक किसान, मजदूर, आढ़ती और उपभोक्ता के लिए मौत का फतवा है।

सभी वर्गों को चौधरी देवीलाल के संघर्ष का अनुसरण करते हुए गैर लोकतांत्रिक तरीके से पारित सभी विधेयकों का विरोध करना समय की सबसे बड़ी जरूरत है। प्रदेश प्रवक्ता सुखबीर तंवर ने इस अवसर पर अपने संबोधन में कहा कि युगपुरुष चौधरी देवीलाल एक व्यक्ति नही संस्था थे। स्वार्थ की राजनीति के दौर में उनका जीवन, दर्शन और विचार अत्यंत प्रासंगिक है। समस्त राष्ट्र को उनके विचारों का अनुशरण करते हुए राष्ट्र के विकास में अपना अमूल्य योगदान देना चाहिए।

बेहतर सुविधा के लिए बीएसएनएल और बिजली निगम को लिखे पत्र

सोहना। सोहना आईटीआई प्रधानाचार्य ने बीएसएनएल और बिजली निगम को पत्र लिखकर नेटवर्क और सप्लाई व्यवस्था बिना किसी कट के देने को कहा है। ताकि आईटीआई में 28 सितम्बर से 28 अक्टूबर के बीच में होने वाली ऑनलाइन परीक्षा देने में विद्यार्थियों को किसी प्रकार की बाधा का सामना न करना पड़े। आईटीआई सोहना के प्रधानाचार्य विनोद खंगवाल ने बताया कि सोमवार से आईटीआई में पेपर आरंभ हो रहे हैं। जो 28 अक्टूबर तक चलेंगे।

कोरम के अभाव में टला उपाध्यक्ष पद का चुनाव

9 अक्टूबर 2020 रखी चुनाव की अगली तिथि

पायनियर समाचार सेवा। फर्रूखनगर

फर्रूखनगर पंचायत समिति के उपाध्यक्ष पद के लिए उप-चुनाव को लेकर एकत्रित सदस्य।

पंचायत समिति फर्रूखनगर के उपाध्यक्ष पद के लिए शुक्रवार को होने वाले उप-चुनाव कोरम के अभाव में स्थगित कर दिए गए है। उप-चुनाव आगामी 9 अक्टूबर 2020 को सुबह 11 बजे होंगे।

यह जानकारी एसडीएम पटौदी प्रदीप कुमार, बीडीपीओ अंकित चौहान ने दी। उन्होंने बताया कि शुक्रवार को उपाध्यक्ष पद के लिए चुनाव होने थे, लेकिन चुनाव की विशेष बैठक में 22 सदस्यों में से समिति अध्यक्ष गीता यादव सहित 12 सदस्य ही बैठक में उपस्थित रहे। पंचायती राज अधिनियम 1994 की धारा 76 रुल नंबर-4ए के तहत उप चुनाव के लिए कुल समिति सदस्यों की दो तिहाई संख्या होनी आवश्यक थी। उप-चुनाव बैठक में केवल 12 समिति सदस्य बिरेंद्र, सविता, सीमा, गीता चेयरमैन, नरपाल, महासिंह, ललिता, मंजीत, विजयपाल, धर्मेंद्र शर्मा, कौशल्या, महेश, राज सिंह ही पहुंचे थे। कोरम के अभाव में चुनाव की विशेष बैठक को स्थगित कर दिया गया है। 9 अक्टूबर को 11 बजे बीडीपीओ कार्यालय फर्रूखनगर में चुनाव होंगे। बतां दे कि पंचायत समिति की उपाध्यक्षा कमलेश के खिलाफ समिति के कुल 22 सदस्यों में से 15 सदस्यों ने अविश्वास पत्र लाकर उन्हें 20 फरवरी को हटा दिया था।

कोरोना काल के चलते चुनाव समय पर नहीं हो सके। उपाध्यक्ष पद के उप-चुनाव में तीन दावेदार मैदान में आये। लेकिन 25 सितम्बर को होने वाले चुनाव में दो दावेदारों ने अपना बहुमत नहीं जुटाने के कारण सदन की चुनावी कार्रवाई से अपने अपने पक्ष के समिति सदस्यों के साथ दूरी बनाई रखी। जिसके चलते एक पक्ष के 12 सदस्य ही चुनाव की विशेष बैठक में पहुंचे कोरम पूरा नहीं होने के कारण चुनाव नहीं हो सके।

निरंकारी कॉलेज में 540 सीटों पर 888 विद्यार्थियों ने किए आवेदन

सोहना। निरंकारी बाबा गुरबचन सिंह मैमोरियल महाविद्यालय में इस वर्ष दाखिले के लिए 540 सीटों पर 888 विद्यार्थियों ने ऑनलाइन आवेदन किया है। जिसमें सबसे ज्यादा बीए प्रथम की 240 सीटों पर 471 विद्यार्थियों ने अपने आवेदन जमा कराए हैं। कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. एमएस खत्री ने बताया कि पिछले वर्ष की अपेक्षा इस साल 10 से 15 फीसदी अधिक विद्यार्थियों ने स्थानीय कॉलेज में दाखिला लेने के लिए आवेदन अधिक किया है। क्योंकि कोरोना युग में विद्यार्थी अब अन्य शहरों में जाना पसंद नहीं कर रहा है।

पंडित दीनदयाल ने समाज व देश सेवा को समर्पित किया अपना जीवन : सुधीर सिंगला

प्रताप नगर में आयोजित कार्यक्रम में पहुंचे विधायक

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम में पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित करते विधायक सुधीर सिंगला और अन्य।

विधायक सुधीर सिंगला ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने देशहित में जो कार्य किए, आज देश उनका अनुसरण कर रहा है। उन्होंने समाज व देश सेवा के लिए अपनी जीवन समर्पित किया था। जनसंघ में रहकर उन्होंने देश सेवा की।

यह बात उन्होंने शुक्रवार को यहां प्रताप नगर गली नंबर-1 में पंडित दीन दयाल उपाध्याय जी की जयंती पर कही। इस कार्य में पहुंचने से पूर्व अपने निवास पर विधायक सुधीर सिंगला ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय को श्रद्धासुमन अर्पित करके नमन किया। जयंती समारोह में विकास कार्य, सुमित भटनागर, साहिल मनोचा, पवन जांघू, सुदेश वर्मा, अशोक गुप्ता, मनोज गर्ग समेत काफी संख्या में लोग मौजूद रहे। विधायक सुधीर सिंगला ने कहा कि पं. दीनदयाल उपाध्याय ने पत्रकारिता में भी मुकाम हासिल किया। उनके भीतर पत्रकारिता तब प्रकट हुई जब उन्होंने लखनऊ से प्रकाशित होने वाली मासिक पत्रिका राष्ट्रधर्म में वर्ष 1940 के दशक में कार्य किया।

अपने आरएसएस के कार्यकाल के दौरान उन्होंने एक साप्ताहिक समाचार पत्र पांचजन्य और एक दैनिक समाचार पत्र स्वदेश शुरू किया था। उन्होंने नाटक चंद्रगुप्त मौर्य और हिन्दी में शंकराचार्य की जीवनी लिखी। उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संस्थापक डॉ. केबी हेडगेवार की जीवनी का मराठी से हिंदी में अनुवाद किया। भारतीय जनसंघ की स्थापना डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी द्वारा वर्ष 1951 में किया गया एवं दीनदयाल उपाध्याय को प्रथम महासचिव नियुक्त किया गया। वे लगातार दिसंबर 1967 तक जनसंघ के महासचिव बने रहे। उनकी कार्य क्षमता, खुफिया गतिधियों और परिपूर्णता के गुणों से प्रभावित होकर डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी उनके लिए गर्व से सम्मानपूर्वक कहते थे कि- 'यदि मेरे पास दो दीनदयाल हों, तो मैं भारत का राजनीतिक चेहरा बदल सकता हूं'। अचानक वर्ष 1953 में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के असमय निधन से पूरे संगठन की जिम्मेदारी दीनदयाल उपाध्याय के युवा कंधों पर आ गयी।

हजारों युवा लेंगे सीएम मनोहर के साथ इंकलाब का संकल्प

गुरुग्राम से 300 युवाओं ने कराया है रजिस्ट्रेशन

गुरुग्राम। शहीद-ए-आजम भगत सिंह की 113वीं जयंती की पूवज़ संध्या पर 27 सितंबर (रविवार) दोपहर 3 बजे मुख्यमंत्री मनोहर लाल प्रदेश के हजारों ग्रामीण युवाओं से ऑनलाइन संवाद करेंगे। यूथ फॉर न्यू हरियाणा (वाईएफएनएच) के बैनर तले होने वाले इस संवाद को 'हम लाएंगे इंकलाब' नाम दिया गया है।

अब तक 6500 युवाओं ने इस वेबीनार के लिए अपना ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कराया है। विशेष तौर पर रजिस्ट्रेशन कराने वाले युवा 18 से 45 आयु वर्ग के हैं। संवाद में वे मुख्यमंत्री से सीधा संवाद करेंगे और विभिन्न मुद्दों पर अपनी राय देंगे। ग्रामीण युवा मंथन आयोजन कमेटी के सदस्य नरेंद्र ठाकुर ने बताया कि शहीद शिरोमणि भगत सिंह की प्रेरणा से इस वेबिनार का आयोजन किया जा रहा है। क्योंकि मुख्यमंत्री मनोहर लाल के नेतृत्व वाली सरकार ने जिस प्रकार से नौकरियों में पारदर्शिता लाई है, वह भगत सिंह के सपनों का साकार करने जैसा है। सरकार ने नौकरियों के मामले में सिर्फ सुधार नहीं किया, बल्कि भर्ती प्रक्रिया को पारदर्शी बनाकर एक नये इंकलाब को जन्म दिया है। इस नई व्यवस्था से हरियाणा का युवा खासा प्रभावित है। वह समझ गया है कि वर्तमान सरकार के हाथों में ही उसका भविष्य सुरक्षित है। इसलिए वह भी सरकार के साथ मिलकर अपनी रचनात्मक भूमिका निभाना चाहता है। क्योंकि जब-जब देश को युवाओं की जरूरत पड़ी, तब-तब हरियाणवी युवा ने अपनी दृढ़ इच्छा-शक्ति से देश की हर आशा को और मजबूत किया है।

घरों से कूड़ा उठाने के नाम पर ईकोग्रीन कर रही मनमानी वसूली

फरीदाबाद और गुरूग्राम के बीच ईकोग्रीन के रेट में अंतर

लापरवाही

फरीदाबाद ईकोग्रीन ने डीजल का हवाला देकर की दाम में बढ़ोत्तरी

कविता। फरीदाबाद

शहर को कूड़े और कचरे के ढेर में तब्दील करने वाली ईकोग्रीन कंपनी ने अब लोगों से मनमानी वसूली करनी शुरू कर दी। इस कंपनी ने घरों से कूड़ा उठाने का शुल्क गुरुग्राम से भी ज्यादा बढ़ा दिए है। वहीं कंपनी के कर्मचारी शहर के अलग अलग इलाकों में घरों और संस्थानों से कूड़ा उठाने का अलग अनग शुल्क वसूला जा रहा है। शुल्क दर के लिए कंपनी डीजल के दाम बढ़ने को जिम्मेदार ठहरा रही है। जबकि कूड़ा उठाने वाली गाड़ियों डीजल की बजाए सीएनसी से चल रही है। लोगों से मिल रही शिकायतों पर पायनियर द्वारा पड़ताल करने पर इस बात का खुलासा हुआ। कंपनी के लैंडलाइन पर फोन करने पर महिला कर्मी ने खुद तो कुछ स्पष्ट नहीं किया बल्कि संबंधित अधिकारी का नंबर भी उपलब्ध कराने से इनकार कर दिया।

कचरा सेम, रेट बढ़ा

कपड़ा कालोनी निवासी दीपक ने बताया कि उनके घर से ईकोग्रीन कर्मी ने एक बार फिर कचरा उठाने का शुल्क बढ़ा हुआ बताकर अधिक पैसे वसूले हैं। जब उन्होंने पड़ोसी से बात शेयर की, तो पता चला कि उनके पड़ोस में रहने वाले व्यक्ति से पुराना शुल्क ही वसूला गया है। इसकी शिकायत के लिए उन्होंने फोन किया तो किसी तरह की सुनवाई करने के बजाय कस्टमर केयर की तरफ से उन्हें कहा गया कि फरीदाबाद बहुत बड़ा है, ऐसे में हर एरिये से कचरे का शुल्क अलग-अलग वसूला जा रहा है।

वसूले 50 रुपये

एनएच-दो में 60-60 गज के मकान में रहने वालों से ईकोग्रीन कर्मी जहां पहले 30 रुपये वसूल रहे थे। वहीं अब ईकोग्रीन की तरफ से 50 रुपये का चार्ज अनलॉक में यह कहकर वसूला जा रहा है कि डीजल के रेट में बढ़ोत्तरी हुई है। लोगों के विरोध करने पर कर्मचारी कचरा घरों से नहीं उठाते, ऐसे में मजबूरन लोगों को 50 रुपये हर महीने देने पड़ रहे हैं।

करोड़ों का फायदा

ईकोग्रीन कंपनी द्वारा लगातार घरों से कचरा उठाने के नाम पर लोगों से की जा रही अतिरिक्त वसूली की सूचनाएं मिलने के बाद भी नगर निगम द्वारा किसी तरह का कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। नगर निगम द्वारा बरती जा रही लापरवाही के कारण ईको ग्रीन को करोड़ों को फायदा पहुंच रहा है। वहीं दूसरी तरफ ईकोग्रीन कर्मचारियों की मनमानी के कारण स्मार्ट सिटी नरक सिटी में तब्दील हो रही है।

कोरोना से एक मौत, 221 पॉजिटिव से आंकड़ा 18,926

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

जिले में कोरोना के मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। शुक्रवार को कोरोना के 221 मामलों की पुष्टि की गई। जिससे जिले में कोरोना के मरीजों की संख्या का आंकड़ा 18,926 पर पहुंच गया। वहीं कोरोना पॉजिटिव एक मरीज की मौत होने से मृतकों की संख्या का आंकड़ा 212 पर पहुंच गया। पिछले 24 घंटे में राहत की बात यह रही कि 253 मरीजों ने कोरोना को मात दे दी। जिससे जिले का रिकवरी रेट 90.9 प्रतिशत पर पहुंच गया।

मृतक और पॉजिटिव

डबुआ कालोनी निवासी 52 वर्षीय एक कोरोना पॉजिटिव व्यक्ति की मौत हो गई। व्यक्ति कोरोना के अलावा अन्य कई बीमारियों से ग्रस्त था। वहीं 221 पॉजिटिव में अशोका इंक्लेव, दिपावली इंक्लेव, पटेल चौक, सेक्टर-15, 16, 3, 46 और अन्य एरियों से 4-4 मरीज है। सेक्टर-34, 49, 14, 11, 41, 35, 9, 19, 31, 21, 10, 37, दयालपुर, अमरनगर, पर्वतीया कालोनी, एनएच-तीन, भूड कालोनी, विजय नगर, सूर्या नगर, भगत सिंह कालोनी, मोहना, शिवदुर्गा बिहार, दयालबाग, सैनिक कालोनी, सराय ख्वाजा, शास्त्री कालोनी, से 3-3 मरीज है। सराय, सेक्टर-33, 7, 8, 17, सारन, एनएच-पांच, तिलपत, ग्रीन फिल्ड, जीवन नगर, विष्णु कालोनी, चावला कालोनी, श्याम कालोनी, सराय, एसी नगर, भाटा कालोनी, डबुआ, एनएच-चार, दयालबाग कालोनी, राजीव नगर, आजाद नगर, प्रहलादपुर, महावीर मंदिर, एसजीएम नगर, सिही, ईसमाइलपुर, सेक्टर-20, 3, 18, 88, 87, 89, अजरौंदा, सरस्वती कालोनी, घरौड़ा, कौराली, ऊंचा गांव, सेहतपुर, खेड़ी कला, बसेलवा कालोनी, भारत कालोनी, रोशन नगर, जमाई कालोनी, नवादा से 2-2 मरीज है। एनएच-एक से 5, जवाहर कालोनी, बल्लभगढ़ से 6-6 मरीज है। मिल्हार्ड कालोनी, हनुमान नगर, इंदिरा कॉम्प्लेक्स, ऑटोपिन झुग्गी, शिव कालोनी, सुंदर कालोनी, खत्रीवाड़ा, अलीपुर से 1-1 मरीज है। सेक्टर-23 से 7 मरीज है।

ये हैं आंकड़े

अब तक कुल सैम्पल	191332
अब तक पॉजिटिव आए	18926
अब तक नेगेटिव आए	172099
रिपोर्ट आनी है शेष	307
अब तक कुल मौत	212
गंभीर हालत में भर्ती	43
वेंटिलेटर पर भर्ती	7

पंडित दीनदयाल उपाध्याय को दी श्रद्धांजलि

फरीदाबाद। पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर युवा समाजसेवी व भाजपा कार्यकर्ता गोल्डी बरेजा ने वार्ड-34 के विभिन्न इलाकों में अपनी टीम के साथ मिलकर पंडित दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें पुष्पांजलि दी। इस अवसर पर लोगों को उनके विचारों से अवगत कराते हुए गोल्डी बरेजा ने कहा कि एकात्म मानववाद और अंत्योदय जैसे दर्शन के प्रणेता थे पंडित दीनदयाल उपाध्याय। वह एक संगठित देश की कल्पना करते थे। वे चाहते थे कि देश के गरीब, दलित व पिछड़े वर्ग को उसका अधिकार मिले तथा हिंदुस्तान एक विश्व शक्ति के रूप में उभर कर सामने आए। गोल्डी बरेजा ने कहा कि दीनदयाल उपाध्याय भारतीय राजनीतिक एवं आर्थिक चिंतन को वैचारिक दिशा देने वाले पुरोधा थे। उन्होंने कहा कि एकात्म मानववाद के रूप में पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने भारत की तत्कालीन राजनीति और समाज को उस दिशा में मुड़ने की सलाह दी है, जो सौ फीसदी भारतीय है।

ताऊ देवीलाल किसानों के दिलों में बसते हैं : भाटी

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

ओम एंकलेव के शनि मंदिर के प्रागण में तिगांव विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी व जजपा नेता उमेश भाटी ने रेखा चौहान द्वारा आयोजित भारत के भूतपूर्व उप-प्रधानमंत्री, हरियाणा के भूतपूर्व मुख्यमंत्री, हरियाणा निर्माता, किसानों-कमेरों के मसीहा, युगपुरुष व हमारे आदर्श जननायक चौधरी देवीलाल के 107 वें जन्मदिवस पर पौधा रोपण किया। इस मौके पर उमेश भाटी ने कहा की जननायक देवीलाल करोड़ों लोगों के दिलों में आज भी बसते है, वह एकमात्र नेता थे, जिन्होंने प्रधानमंत्री का पद त्याग दिया था। किसानो के मसीहा कहे जाने वाले देवीलाल हमेशा किसानो के दुःख दर्द के साथ उनको होने वाली परेशानियों को दूर करने के लिए हमेशा प्रयासरत रहते थे। भाटी ने कहा की युग पुरुष देवीलाल ने उप प्रधानमंत्री के पद की सुशोभित किया, लेकिन कभी भी अपनी संस्कृति और अपने किसानो के पहनावे को नही छोड़ा हमेशा ज़मीनी स्तर पर काम किया तथा क़मेरे और किसानो की आवाज़ की कभी दबने नही दिया। भाटी ने कहा की जजपा पार्टी देवीलाल की नीतियो को जन जन तक पहुंचाने का प्रयास कर रही है तथा भाई दुष्यंत चौटाला उप मुख्य मंत्री हरियाणा सरकार ताऊ की तरह किसानो और कमेरों के दुःख दर्द को दूर करने के लिये दिन रात महनत कर रहे है।

केंद्रीय मंत्री राय ने पत्रकारों की सुरक्षा का भरोसा दिलाया

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

पत्रकारों की सुरक्षा को लेकर मजबूत कानून बनाने की बात कही

केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने पत्रकारों की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई। उन्होंने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से चर्चा करके पत्रकारों की सुरक्षा को लेकर मजबूत कानून बनाने की बात कही। उन्होंने वर्किंग जर्नलिस्ट आफ इंडिया के प्रतिनिधि मंडल को भरोसा दिया कि पत्रकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रदेश सरकारों को पत्र लिखेंगे। गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने यह भरोसा अपने दफ्तर में वर्किंग जॉर्नलिस्ट ऑफ इंडिया संबंधित भारतीय मजदूर संघ के उच्च प्रतिनिधि मंडल को दिया।

ये जानकारी वर्किंग जर्नलिस्ट आफ इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनूप चौधरी और महासचिव नरेंद्र भंडारी ने दी। उन्होंने बताया कि प्रतिनिधि मंडल ने पत्रकारों की सुरक्षा को लेकर केंद्र सरकार के गृह राज मंत्री नित्यानंद राय को ज्ञापन दिया। इस प्रतिनिधि मंडल में राष्ट्रीय अध्यक्ष अनूप चौधरी, माह सचिव नरेंद्र भंडारी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष संजय उपाध्याय और उपााध्यक्ष विजय तोगा शामिल थे। ज्ञापन का मुख्य विषय देश में पत्रकार सुरक्षा कानून लागू करवाने, मीडिया को संविधान में लोकतंत्र का चौथा स्तम्भ घोषित करवाने व मीडियाकर्मियों को भी कोरोना योद्धा घोषित करने की मांगें प्रमुख थीं। यूनियन ने यह भी मांग कि की मीडिया को संविधान में लोकतंत्र के चौथे स्तम्भ का दर्जा दिया जाए। देश मे लोकतंत्र को मजबूत रखना है, तो सबसे पहले मीडिया को मजबूत करना होगा। सारे देश मे कोरोना वायरस की महामारी फैली हुई है। इस महामारी से रोजाना करीब एक हज़ार, नागरिको की मृत्यु हो रही है। लेकिन इस महामारी व संभावित मृत्यु से बेख़ौफ़, हमारे मीडियाकर्मी साथी दिनरात अपने कार्यों व जिम्मेदारियों को अंजाम दे रहे है। मीडियाकर्मी, जहां सरकारी कमियों को उजागर कर रहे है, वही सरकारी योजनाओं को भी आम लोगो तक पहुंचा रहे है। इन सब कार्यो को अंजाम देते हुए, हमारे दर्जनों साथी कोरोना वायरस का शिकार होकर शहीद हो गए है। हमलोग लगातार सरकार से मांग कर रहे है कि मीडियाकर्मियों को भी कोरोना योद्धा घोषित किया जाए, ताकि यदि कोई भी मीडियाकर्मी, इस महामारी का शिकार होकर, शहीद होता है, तो उसके परिवार के सदस्यों को वे सभी सुविधाएं मिल सके, जो अन्य कोरोना योद्धाओं के परिवार वालों को मिल रही है।

किसानों ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

अखिल भारतीय किसान संघर्ष समन्वय समिति के 'भारत बंद' के आवाहन पर किसान संघर्ष समिति नहरपार फरीदाबाद द्वारा जिला उपायुक्त कार्यालय फरीदाबाद के समक्ष सयोजक सत्यपाल नरवत के नेतृत्व में विरोध प्रदर्शन किया गया और मुख्यमंत्री के नाम उपायुक्त के माध्यम से एसडीएम फरीदाबाद को ज्ञापन दिया गया। ज्ञापन में किसानो ने केंद्र सरकार द्वारा लाये गये तीनो बिलो को किसान विरोधी बताया गया और जल्द बजी में लोकसभा व राज्यसभा में पास करके बगैर किसी चर्चा के तानाशाही दिखाई है। हरियाणा में कुरुक्षेत्र में पुलिस द्वारा की गई लाठी चार्ज की निंदा की गई है।

विदेशी विद्यार्थी 15 अक्टूबर तक कर सकते हैं आवेदन

फरीदाबाद। वाईएमसीए स्थित जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक सत्र 2020-21 के लिए विदेशी राष्ट्र की श्रेणी में दाखिले के लिए आनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि को 15 अक्तूबर तक बढ़ाने का निर्णय किया है। इस संबंध में जानकारी देते हुए अंतर्राष्ट्रीय मामलों की निदेशक डॉ. शिल्पा सेठी ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा विदेशी राष्ट्र के विद्यार्थियों के लिए विज्ञान, इंजीनियरिंग, पत्रकारिता और प्रबंधन के विभिन्न पाठ्यक्रमों में दाखिले की पेशकश की गई है,

सेना में जाने वाले युवाओं का बढ़ाया उत्साह

फरीदाबाद। जिला एथलेटिक संघ फरीदाबाद के कार्यकारी अध्यक्ष सत्यवीर धनखड युवाओं के विशेष आग्रह पर पन्हैडा गांव में खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाने के लिए पहुंचे। सत्यवीर धनखड ने बताया कि फरीदाबाद जिले के ग्रामीण युवाओं में खेल के प्रति बहुत जुनून है। जिले के युवा गावों में बने खेल परिसर में नियमित अथक अभ्यास कर भारतीय सेना में जाने की तैयारी कर रहे हैं और जिन गांवों में खेल परिसर नहीं है उन गांव के युवा सड़क पर ही अभ्यास कर रहे हैं। पन्हैडा स्थित जेसीएम इंटरनेशनल स्कूल के प्रबंधक और युवा समाजसेवी राजवीर शर्मा ने भी युवाओं में जोश भरा और जीवन में नशे से दूर रहने का संदेश दिया और कहा कि आने वाले समय में खिलाड़ियों और सेना की भर्ती देखने वाले युवाओं के लिए समय-समय पर खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन कराते रहेंगे जिससे युवाओं का जोश बराबर बना रहे।

स्थापित किया पंडित दीनदयाल उपाध्याय संदर्भ अनुभाग

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

वाईएमसीए स्थित जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के केन्द्रीय पुरस्तकालय में अंत्योदय व एकात्म मानववाद जैसी प्रगतिशील विचारधारा के प्रणेता पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर उनके जीवन दर्शन और रचनाओं का एक संदर्भ अनुभाग स्थापित किया है। कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय केन्द्रीय पुस्तकालय में संदर्भ अनुभाग का शुभारंभ किया तथा पंडित दीनदयाल उपाध्याय को उनकी 104वीं जयंती पर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किये। इस अवसर पर विज्ञान संकाय के डीन एवं पुस्तकालय अध्यक्ष प्रो. आशुतोष दीक्षित, लाइब्रेरियन युवा कल्याण डॉ. प्रदीप डिमरी भी उपस्थित रहे तथा पंडित उपाध्याय को श्रद्धासुमन अर्पित किये।

मास्क बांट कर मनाई ताऊ देवीलाल की जयंती

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

पूर्व उप-प्रधानमंत्री एवं किसानों के मसीहा ताऊ देवीलाल की 107वीं जयंती पर इनेलो जिलाध्यक्ष देवेन्द्र चौहान ने इनेलो कार्यकताओं के साथ मिलकर सेक्टर-12 टाउन पार्क स्थित उनकी विशाल प्रतिमा पर पुष्प चढ़ाकर उन्हें पुष्पांजलि दी। इसके पश्चात पुलिस कर्मियों को कोरोना से बचाने के लिए सेक्टर-12 थाने और बल्लभगढ़ सिटी थाने में लगभग 2000 मास्क बांटे गए। इसके बाद इनेलो कार्यकताओं ने एनएच-2 स्थित ताऊ देवीलाल वृद्धाश्रम में वृद्धजनों को फल व मास्क वितरित किए। इस अवसर पर इनेलो जिलाध्यक्ष देवेन्द्र चौहान ने कहा कि चौ. देवीलाल ने सन 1977 से 1979 तथा 1987 से 1989 तक हरियाणा प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में जनकल्याणकारी नीतियों के माध्यम से पूरे देश को एक नई राह दिखाई। इन्हीं नीतियों को बाद में अन्य राज्यों व केन्द्र ने भी अपनाया। उन्होंने कहा कि आज के दौर में कल्पना करना मुश्किल है कि भारत में ऐसा कोई नेता रहा है जो बहुमत से संसदीय दल का नेता मान लिए जाने के बाद भी अपनी जगह किसी दूसरे शख्स को प्रधानमंत्री बना देता हो। इस मौके पर रूपचन्द लांबा, इनेलो महिला जिलाध्यक्ष कुमारी जगजीत कौर पन्नू, देवेन्द्र तेवतिया, जोधसिंह वालिया, बोधराज भनकपुर, अजय भड़ाना, धारा सिंह, रामशरण रूटैला, सुरेश चन्द्र मोर, रियासुददीन, राजबाला शर्मा, सावित्री तंवर, धर्मपाल सिंह दलाल, संजय तंवर, डॉ.प्रताप, जितेन्द्र लांबा, सरदार कुलदीप सिंह, ओमदत्त नागर, धर्मबीर पृथला, जगदीश पहलवान व प्रसादी लाल मौजूद रहे।

नई शिक्षा नीति को सफल बनाने का जिम्मा अध्यापकों को सौंपा

वर्तमान नीति अंतरिक्ष वैज्ञानिक के. कस्तूरीरंगन की अध्यक्षता वाली समिति की रिपोर्ट पर है आधारित

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

एनएच-तीन स्थित राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार प्राचार्य रविन्द्र कुमार मनचन्दा के मार्गदर्शन में नई शिक्षा नीति के संदर्भ में एसएमसी अर्थात विद्यालय प्रबंधन समिति की बैठक का आयोजन किया गया। प्रधानाचार्य रविन्द्र कुमार मनचन्दा ने विद्यालय प्रबंधन समिति के प्रधान दिलीप कुमार, अन्य सदस्यों ललिता, पूनम, अमृत कौर, कविता, गीता, संजय मिश्रा, प्रेमदेव, सूबे सिंह सहित का स्वागत किया और नई शिक्षा नीति पर अपने सुझाव और विचार रखने के लिए आमंत्रित किया। विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष दिलीप कुमार तथा प्रबंधन समिति के सदस्यों और वरिष्ठ अध्यापकों ने नई शिक्षा नीति की विशेषताओं पर अपने विचार प्रस्तुत किए। वर्तमान नीति अंतरिक्ष वैज्ञानिक के. कस्तूरीरंगन की अध्यक्षता वाली समिति की रिपोर्ट पर आधारित है। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 के तहत वर्ष 2030 तक सकल नामांकन अनुपात को 100 प्रतिशत लाने का लक्ष्य रखा गया है। नई शिक्षा नीति के अंतर्गत केंद्र व राज्य सरकार के सहयोग से शिक्षा क्षेत्र पर जीडीपी के 6 प्रतिशत हिस्से के सार्वजनिक व्यय का लक्ष्य रखा गया है। प्राचार्य रविन्द्र कुमार मनचन्दा ने बताया कि नई शिक्षा नीति में 5 + 3 + 3 + 4 डिजाइन वाले शैक्षणिक संरचना का प्रस्ताव किया गया है जो 3 से 18 वर्ष की आयु वाले बच्चों को शामिल करता है। पांच वर्ष की फाउंडेशनल स्टेज 3 साल का प्री-प्राइमरी स्कूल और ग्रेड 1, 2 एवम् तीन वर्ष का प्रीपेट्रेरी स्टेज तीन वर्ष का मध्य या उच्च प्राथमिक चरण - ग्रेड 6, 7, 8 और 4 वर्ष का उच्च या माध्यमिक चरण - ग्रेड नेप 2020 द्वारा 'बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मक ज्ञान पर एक राष्ट्रीय मिशन' की स्थापना का प्रस्ताव किया गया है। प्राचार्य रविन्द्र कुमार मनचन्दा ने कहा कि इसके द्वारा वर्ष 2025 तक कक्षा-3 स्तर तक के बच्चों के लिये आधारभूत कौशल सुनिश्चित किया जाएगा। नई शिक्षा नीति में भाषाई विविधता का संरक्षण भी किया गया है तथा कक्षा-5 तक की शिक्षा में मातृभाषा या स्थानीय या क्षेत्रीय भाषा को अध्ययन के माध्यम के रूप में अपनाने पर बल दिया गया है। साथ ही इस नीति में मातृभाषा को कक्षा-8 और आगे की शिक्षा के लिये प्राथमिकता देने का सुझाव दिया गया है। स्कूली और उच्च शिक्षा में छात्रों के लिये संस्कृत और अन्य प्राचीन भारतीय भाषाओं का विकल्प उपलब्ध होगा परंतु किसी भी छात्र पर भाषा के चुनाव की कोई बाध्यता नहीं होगी। प्राचार्य ने विद्यालय प्रबंधन समिति की बैठक को सफल बनाने के लिए सभी का आभार व्यक्त किया तथा सभी से आग्रह किया कि प्रधान मंत्री के आह्वान पर सभी नई शिक्षा नीति को सफल बनाने की दिशा में मिलकर आगे बढ़ कर कार्य करें।

संक्षिप्त समाचार

बीके अस्पताल पैनल बाक्स में लगी आग

फरीदाबाद। बादशाह खान सिविल अस्पताल के प्रथम तल पर मौजूद बच्चों की नर्सरी के बाहर लगे पैनल बॉक्स में आग लग गई। जब तक अस्पताल की फायर सेफ्टी ने आग बुझाने का प्रयास किया, तब तक बॉक्स आग से पूरा जल चुका था। वहीं फायर बिग्रेड की गाड़ी मौके पर पहुंची। तब तक आग बुझ चुकी थी। मौका मुआयना करने के बाद फायर बिग्रेड कर्मी वापस लौट गए। वहीं लोगों को कर्मचारियों ने बाहर निकाल दिया। जानकारी के मुताबिक बच्चों की नर्सरी के बाहर जन्म प्रमाण पत्र और नर्सरी का डाटा अपडेट करने के लिए कम्प्युटर कक्ष बना हुआ है। उसी के साथ स्टाफ के बैठने का भी स्थान है। कम्प्युटरों के पास ही एक एमसीबी बॉक्स लगा हुआ है। जिसमें देर शाम आग लग गई। आग इतनी भयंकर थी कि ओपीडी के ऊपर से धुआ खिड़कियों के रास्ते बाहर निकल रहा था। आग और धुएं को देखकर मौके पर भीड़ लगनी शुरू हो गई। जिस पर अस्पताल के फायर सेफ्टी कर्मचारियों ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पा लिया।

कैंसर की रोकथाम को जागरूकता जरूरी

फरीदाबाद। कैंसर एक घातक बीमारी है। जिसकी रोकथाम के लिए स्वास्थ्य सुविधाओं के साथ जन-जागरूकता अभियानों को चलाया जाना बेहद जरूरी है। यह विचार उपायुक्त यशपाल ने सरकोमा कैंसर केयर फाउंडेशन, नई दिल्ली के निदेशक पंकज बागा द्वारा उपायुक्त के कार्यालय कक्ष में इस संबंध में उनसे की मुलाकात में विचार विमर्श करते हुए कहे। उपायुक्त ने कहा कि कैंसर जैसी घातक बीमारी से बचाव के लिए स्वास्थ्य संगठन, संस्थाओं एवं इकाइयों को एकजुट होकर कार्य करना चाहिए ताकि जन जागरूकता अभियान के माध्यम से आमजन को इस बारे जागरूक किया जा सके। सरकोमा कैंसर केयर फाउंडेशन के निदेशक पंकज बागा ने उपायुक्त को इस बारे बताया कि कल 26 सितम्बर शनिवार शाम 07.30 बजे देश-विदेश के जाने-माने कैंसर चिकित्सकों एवं विशेषज्ञों के साथ मिलकर एक वेबनार का आयोजन किया जा रहा है। जिसमे कैंसर से बचाव के लिये इजाद की गई नई प्रोटोन थैरेपी के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी देकर आमजन को जागरूक किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस बारे सम्बंधित व्यक्ति 83689-65522 पर अपना समय रहते रजिस्ट्रेशन करवा कर इस वेबनार के माध्यम से कैंसर से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी का लाभ ले सकते हैं।

मंत्री ने मनाई पंडित दीन दयाल उपाध्याय की जयंती

बल्लबगढ़। हरियाणा के परिवहन मंत्री मूलचंद शर्मा के सेक्टर-8 कार्यालय पर भी पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती सादगी के साथ मनाई गई। इस मौके पर परिवहन मंत्री के भाई एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता टिपर चंद शर्मा सहित भाजपा कार्यकर्ताओं ने पंडित उपाध्याय के चित्र पर पुष्प अर्पित किये। भाजपा नेता टिपर चंद शर्मा ने कहा कि अपने जीवन के 51 वर्षों में पंडित उपाध्याय ने भारत देश को सशक्त बनाने के लिए ठोस कदम उठाए थे। उनका जीवन बचपन से ही संघर्षशील रहा था। पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने अपनी बीएससी पढ़ाई को करने के बाद भारतीय सिविल सेवा परीक्षा पास कर ली थी, लेकिन देश की जन सेवा करने का निर्णय ले चुके पंडित दीनदयाल उपाध्याय भारतीय सिविल सेवा को ठुकरा दिया था। उन्होंने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के पद चिन्हों पर पर ही आज भारतीय जनता पार्टी को देश की सेवा करने का मौका मिल रहा है।

न्यायालय परिसर में रक्तदान शिविर का आयोजन

फरीदाबाद। जिला न्यायालय परिसर में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जिला बार एसोसिएशन, जिला रेडक्रॉस सोसायटी के तत्वाधान में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें 62 रक्तवीर ने रकतदान कर मानवता का संदेश दिए। कार्यक्रम का शुभारंभ डालसा सचिव मगेशलेश चौबे, प्रधान संजीव चौधरी, सचिव नरेंद्र पाराशर, रेडक्रॉस सचिव विकास कुमार, ब्लड कोऑर्डिनेटर विमल खंडेलवाल ने लोगों का उत्साह वर्धन वर्धन कर किया। सचिव मगेशलेश चौबे ने बताया कि इस नेक कार्य मे जिला बार एसोसिएशन, रेडकॉस सोसाइटी के तत्वाधान में सफल आयोजन के लिए में सभी को बहुत-बहुत बधाई एवं शुभकामनाएं देता बधाई एवं शुभकामनाएं देता हूं, और अन्य समाज के सामाजिक संस्थाओं से भी आग्रह करता हूं कि इस पुनीत कार्य में बढ़-चढ़कर हिस्सा लें। जिला बार के प्रधान संजीव चौधरी ने कहा कि यह बहुत पुनीत कार्य है।

अवैध कालोनियों में फिर हुई तोड़फोड़

फरीदाबाद। गांव खंदावली व भनकपुर की राजस्व सम्पदा में 3 अवैध कालोनियां जोकि लगभग 8 एकड़ भूमि पर विकसित की जा रही थीं, में जिला प्रशासन की मदद से नरेश कुमार, जिला नगर योजनाकार ने बताया की ईन्फोर्समैन्ट एण्ड विजीलेंस, फरीदाबाद द्वारा तोड़फोड़ की कार्यवाही अमल में लाई गई। तोड़फोड़ की कार्यवाही के दौरान अवैध कालोनियों में बनाये गये रोड़ नेटवर्क के अलावा 8 रिहायशी निर्माण, 1 डीलर ऑफिस, 4 दुकानें व 30 डीपीसी/बाउंड्रीवाल में तोड़फोड़ की कार्यवाही की गई। उक्त अवैध कालोनी राम सिंह प्रॉपर्टी डीलर, आस मोहम्मद प्रॉपर्टी डीलर एवं शाहिद खान प्रॉपर्टी डीलर द्वारा विकसित की जा रही थीं, जिनके खिलाफ विभाग द्वारा पहले ही एफआईआर दर्ज करवाई जा चुकी है व तीनों प्रोपर्टी डीलर जमानत पर बाहर हैं। ये प्रोपर्टी डीलर अवैध कालोनी काट कर उसमे प्लाट बेचते हैं। इसलिए इन प्रोपर्टी डीलरों से जमीन की किसी भी प्रकार की खरीद-फरोख्त न करें। इन द्वारा काटी गई कालोनी में पहले भी विभाग द्वारा कई बारे तोड़फोड़ की कार्यवाही अमल में लाई जा चुकी है।

पायनियर
नई दिल्ली, शनिवार, 26 सितंबर, 2020

सलमान खुर्शीद पर आरोप

दिल्ली में भड़काऊ भाषण

दिल्ली पुलिस ने अन्य लोगों के साथ सलमान खुर्शीद पर दिल्ली में भड़काऊ भाषण देने का आरोप लगाया है जिसके कारण दंगा भड़का। दिल्ली दंगों की जांच के बाद उनका नाम आरोपपत्र में शामिल किया गया है। ऐसा लगता है कि उनका नाम गृह मंत्रालय के इशारे पर जोड़ा गया है तथा दिल्ली पुलिस पर जांच में पक्षपात के आरोप लग रहे हैं। शायद असहमति और विरोध के लोकतांत्रिक अधिकार को देशद्रोह की संज्ञा दी जा रही है। इस मामले में नए कानून को चुनौती दी गई थी जिसमें धर्म के आधार पर नागरिकता देने तथा सभी भारतीयों के सेक्युलर अधिकारों पर प्रहार की बात कही गई थी। दिल्ली पुलिस ने फरवरी में हुए दंगों के लिए अनेक कांग्रेसियों, वामपंथियों, वैज्ञानिकों, फिल्म निर्माताओं, सिविल सोसाइटी एक्टिविस्टों, छात्रों, आदि पर आरोप लगाए हैं। वरिष्ठ कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद पूर्व केन्द्रीय मंत्री, शिक्षाविद व न्यायविद के साथ ऐसे उदारवादी मुस्लिम हैं जिनके साथ कोई पूर्वाग्रह नहीं जोड़े जा सकते हैं। वे देश के तीसरे राष्ट्रपति जाकिर हुसेन के पौत्र हैं। इसके पहले उन पर कभी शब्दों के आक्रामक प्रयोग के भी आरोप नहीं लगे हैं। उन पर भड़काऊ भाषण के आरोपों के बावजूद कोई खास उदाहरण नहीं दिए गए हैं। कांग्रेस नेता उदित राज व माकपा नेत्री बृंदा करात के साथ उन पर नागरिकता संशोधन कानून के खिलाफ भावनायें भड़काने का आरोप है। पुलिस ने गवाहों को 'संरक्षण' देने की बात कही है, जबकि वे स्वयं षड्यंत्रकारी थे। पुलिस ने बताया है कि उनके बयान दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 164 के अंतर्गत मजिस्ट्रेट के सामने दर्ज कराए गए हैं। गवाहों के इन बयानों के

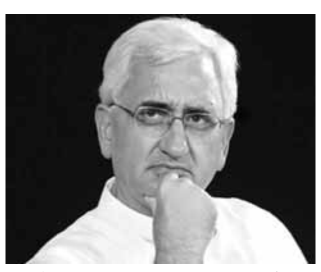

आधार पर वामपंथी नेता कविता कृष्णन, छात्र एक्टिविस्ट कंवलप्रीत कौर, वैज्ञानिक गौहर रज़ा तथा वकील प्रशांत भूषण को भी आरोपी बनाया गया है। ऐसे में सवाल उठता है कि 'गोली मारो सालों को' जैसे शब्दों का प्रयोग करने वाले भाजपा नेताओं को आरोपी क्यों नहीं बनाया गया जिनके बयान बार-बार खबरिया चैनलों पर दिखाए गए थे। अनुराग ठाकुर व कपिल मिश्रा जैसे लोगों पर उंगली नहीं उठाई गई। ईंट पत्थर फेंकते हुए एक समूह द्वारा 'जय श्रीराम' के नारे लगाने के वीडियो वाइरल हुए थे। फरवरी में भड़काऊ भाषणों के साथ ही मौजपुर की मुस्लिम बस्ती में दूकानों में आग लगाई गई थी। ऐसे में उन भाजपा नेताओं पर आरोप क्यों नहीं लगाए गए जिन्होंने नए नागरिकता कानून के पक्ष में रैलियां निकाली थीं जिनसे सांप्रदायिक सद्भाव और शांति को खतरा पैदा हुआ था। यदि घृणा से घृणा पैदा होती है तो इनको भी आरोपी बनाया जाना चाहिए था। इसके पहले भी कुछ आरोपियों के खुलासे के आधार पर पेश पूरक आरोपपत्र में शामिल प्रख्यात सिविल सोसाइटी एक्टिविस्टों के नाम मीडिया में लीक हुए थे। हालांकि, पुलिस का दावा है कि आरोप केवल इन खुलासों के आधार पर नहीं लगाए गए हैं और उनकी पुष्टि में अन्य प्रमाण हैं जिनकी जांच व परीक्षण किए गए हैं। संभवत: वैचारिक रूप से विपरीत ध्रुव पर होने के कारण माकपा नेता सीताराम येचुरी पर भी जनता को भड़काने का आरोप लगा है। दंगों की जांच अपनी प्रकृति से बहुत संवेदनशील होती है जिसमें पुलिस को तथ्यों को कल्पनाओं से अलग कर बिना भय या दबाव के दंगा उकसाने वालों की पहचान करनी होती है। सरकार ने स्वयं स्वीकार किया है कि दिल्ली दंगों में आगजनी और हिंसा का अल्पसंख्यक समुदाय पर ज्यादा प्रभाव पड़ा था। ये दंगे इस मामले में एक खतरनाक उदाहरण भी पेश करते हैं कि कानून का विरोध करने वाले नागरिकों व दंगाइयों में विभाजक रेखायें समाप्त हो गई थीं। भविष्य में भी ऐसी आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता है। यदि देश के कुछ सर्वाधिक शिक्षित व सूचनाओं से लैस लोगों पर चयनित रूप से निशाना लगाया जाए तो इससे नए भारत का विचार प्रभावित होता है जिसमें ज्ञान और विवेक को बहुत महत्व दिया गया है। यह प्रकरण इस तर्क को मजबूत करता लगता है कि नागरिकता देने का आधार संकुचित नहीं होना चाहिए। मुस्लिम बुद्धिजीवियों का अलग-थलग होना भी चिन्ता का विषय है।

न्यायपालिका व सिविल सेवाओं की स्वतंत्रता

उन स्थितियों पर लगाम लगाने की जरूरत है जहां न्यायपालिका व सिविल सेवाओं की स्वतंत्रता खतरे में पड़ सकती हो। ऐसे में जवाबदेही तय होनी चाहिए।

अजय कुमार
लेखक पूर्व आईपीएस व पूर्व सांसद हैं)

अधिकांश लोगों की तरह मुझे भी खाली समय में संगीत सुनना पसंद है। कला की अभिव्यक्ति के साथ ही गाने अक्सर संदेश देने का बहुत महत्वपूर्ण माध्यम हैं। कुछ गानों में बहुत सौम्य तरीके से बुद्धिमत्तापूर्ण संदेश दिए गए हैं। लेकिन इसके साथ ही आपको कुछ ऐसे गाने सुनने को मिल सकते हैं जिनमें कहा गया है कि 'सुशांत सुपरस्टार तुम बिहार के खजाने थे। डीजीपी आए, उन्होंने आलोचनायें झेलीं, पर मामले को सीबीआई के पास ले गए। डीजीपी पर देश को गर्व है।' डीजीपी की स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति वाले दिन जारी इस संगीत वीडियो के बारे में यह कहना उचित होगा कि इसमें निश्चित रूप से 'सौम्यता' का अभाव है।

संगीत वीडियो जारी होने तथा इस मामले में लक्षित डीजीपी गुप्तेश्वर पांडे के बारे में खबरें आजकल राजनीति में प्रमुख स्थान पर हैं। हमें इनसे अवसर मिलता है कि देश की स्थिति का अवलोकन कर भारतीय सिविल सेवाओं और न्यायपालिका में बैठे कुछ लोगों के व्यवहार की समीक्षा की जाए। ये दोनों स्तंभ आधुनिक भारतीय राज्य के लिए अत्यधिक महत्वपूर्ण हैं। इस सप्ताह के स्तंभ का शीर्षक थोड़ा विडंबनापूर्ण लगता है क्योंकि यह लेखक स्वयं एक समय 'बाबू' था और आज सक्रिय राजनीति में है। मैंने एक दशक पहले सिविल सेवा छोड़ कर राजनीति में प्रवेश किया था। ऐसे में मेरा विश्वास है कि इस विषय पर मेरा दृष्टिकोण अपने आप में विशिष्ट है।

स्पष्ट रूप से यह उन सवालों से अलग है जिनका संबंध सिविल सेवाओं या न्यायपालिका से आने वाले लोगों की नियुक्ति या नामांकन की नैतिकता से है। इन मुद्दों पर पहले भी सवाल उठते रहे हैं। इस पर चर्चा संविधान सभा की बैठक में भी हुई थी। प्रोफेसर के.टी. शाह ने एक संशोधन रखा था जिसमें सर्वोच्च न्यायालय या किसी उच्च न्यायालय में पांच साल से अधिक न्यायाधीश या सरकार के किसी मंत्रालय में कार्यकारी अधिकारी के रूप में कार्य कर चुके व्यक्ति की पुन: नियुक्ति पर नियंत्रण के प्राविधान थे। संशोधन के समर्थक के अनुसार इसके पीछे इरादा यह था कि 'यदि सेवानिवृत्ति के बाद अन्य उच्च पदों पर नियुक्ति का लालच दूर नहीं किया गया तो इससे कोई सत्तारूढ़ पार्टी कार्यपालिका का दुरुपयोग कर सकती है और लोगों को ऐसे लालच दिए जा सकते हैं जिनसे न्यायपालिका की स्वतंत्रता प्रभावित हो सकती है।' डा. बी.आर. अंबेडकर ने अंतत: यह संशोधन अस्वीकार कर दिया था क्योंकि उस समय विश्वास किया जाता था कि यह केवल सैद्धान्तिक संरक्षण होगा क्योंकि 'कार्यपालिका के पास न्यायपालिका को प्रभावित करने के अधिक अवसर नहीं हैं।' ऐसा कोई नियंत्रण न होने के साथ ही भारतीय संविधान न्यायाधीशों की सेवानिवृत्ति तथा भुगतान के बारे में विस्तृत प्रशासनिक व्यवस्था करता है। इसी प्रकार सिविल सर्वेन्टों को सेवानिवृत्ति के बाद पेंशन जैसे विशेषाधिकार दिए गए हैं। इसके साथ ही किसी सिविल सर्वेन्ट को सेवा से हटाना अत्यधिक कठिन है। इन संरक्षणों का इरादा यह सुनिश्चित करना है कि सिविल सर्वेन्ट तथा न्यायाधीश बिना भय या लालच के संविधान द्वारा निर्धारित अपना दायित्व निभा सकें।

संभवत: डा. अंबेडकर को विश्वास था कि न्यायपालिका या सिविल सेवाओं में बैठे लोग अपने व्यक्तिगत नैतिक मूल्यों का पालन करते हुए इस सीमा तक नहीं जाएंगे जहां इन संस्थानों की स्वतंत्रता पर सवाल उठें और उन पर दाग लगने की आशंका पैदा हो। लेकिन अब धीरे-धीरे स्पष्ट होता जा रहा है कि हमें नैतिकता के बारे में विधायन करने तथा उसकी विकृति होने पर दंड के प्राविधान करने होंगे। हाल ही में न्यायपालिका के संदर्भ में भारत के पूर्व प्रधान न्यायाधीश रंजन गोगोई का उदाहरण सबके सामने है जिनको राज्यसभा में नामांकित किया गया। इस कदम की अनेक न्यायाधीशों और वकीलों ने समान रूप से आलोचना की। उन्होंने इस तथ्य की ओर संकेत किया कि प्रधान न्यायाधीश की नियुक्ति उनका कार्यकाल समाप्त होने के कुछ ही महीनों के भीतर की गई। इस नियुक्ति के मामले में आलोचना इतनी गंभीर है कि एक वरिष्ठ पत्रकार ने डीजीपी द्वारा स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति लेने और संभवत: राजनीति में शामिल होने के कृत्य को 'गोगोई जैसा' मामला बताया है। सेवानिवृत्ति के फौरन बाद केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त द्वारा एक बड़े कार्पोरेट घराने में शामिल होने की भी इसी प्रकार आलोचना हुई है।

> **संभवत: डा. आंबेडकर को विश्वास था कि न्यायपालिका या सिविल सेवाओं में बैठे लोग अपने व्यक्तिगत नैतिक मूल्यों का पालन करते हुए इस सीमा तक नहीं जाएंगे जहां इन संस्थानों की स्वतंत्रता पर सवाल उठें और उन पर दाग लगने की आशंका पैदा हो। लेकिन अब धीरे-धीरे स्पष्ट होता जा रहा है कि हमें नैतिकता के बारे में विधायन करने तथा उसकी विकृति होने पर दंड के प्रावधान करने होंगे।**

लेकिन जैसा कि मैंने पहले कहा है, इसका संबंध किसी खास घटना से नहीं है। एक विधि संबंधी थिंक टैंक 'विधि' द्वारा कराए एक अध्ययन के अनुसार, लगभग 70 से अधिक सेवानिवृत्त न्यायाधीशों ने सेवानिवृत्ति के बाद अन्य दायित्व संभाले हैं। दुर्भाग्य से अनेक विधिक अधिकरणों में सेवानिवृत्त न्यायाधीश की नियुक्ति की वर्तमान व्यवस्था के कारण ऐसा होना अपरिहार्य भी है। वर्तमान कानूनों के अनुसार इनके पदों पर सेवानिवृत्त न्यायाधीशों को नियुक्त किया जाता है।

इस स्थिति में आगे का रास्ता क्या हो सकता है? स्पष्ट है कि ऐसे मामलों में हर बार व्यक्तियों की निष्ठा पर विश्वास किया गया है। हालांकि, अनेक मामलों में लोगों ने साहस, निष्ठा तथा अपनी अंतश्चेतना के आधार पर काम किया है और अब भी कर रहे हैं। लेकिन कुछ लोगों के कृत्यों द्वारा संस्थानों को हुए नुकसान को भी अनदेखा नहीं किया जा सकता है। यह स्थिति इतनी भयावह हो सकती है कि इसका प्रभाव हमारे जैसे लोकतांत्रिक गणराज्य के आधारों पर पड़ सकता है। ऐसे में उन स्थितियों के बारे में विधायन की आवश्यकता है जहां न्यायपालिका या सिविल सेवाओं की स्वतंत्रता को खतरा पैदा हो सकता हो। एक समाधान सेवानिवृत्ति-पश्चात पदों को समाप्त करना तथा केवल वरिष्ठ कर्मियों की नियुक्ति करना हो जो इस समय न्यायाधीश या सिविल सर्वेन्ट के रूप में काम कर रहे हों। एक और विकल्प अमेरिका जैसा विधायन करना है जहां कुछ विभागों में वरिष्ठ सिविल सर्वेन्टों पर उन मामलों में अन्य सरकारी अधिकारियों के समक्ष पेश होने पर पूर्ण प्रतिबंध है जिनमें उन्होंने व्यक्तिगत रूप से या बड़े स्तर तक भाग लिया हो। पूर्व सिविल सर्वेन्ट अनिल स्वरूप ने अपनी पुस्तक 'इथिकल डिलेमाज़ आफअ सिविल सर्वेन्ट' में केन्द्रीय लोक सेवा आयोग-यूपीएससी जैसी एक अलग संस्था बनाने का प्रस्ताव किया है। स्वरूप के अनुसार यूपीएससी जैसी एक संस्था ऐसे उम्मीदवारों की सूची बनाने के लिए होनी चाहिए जो सेवानिवृत्ति के बाद नियुक्तियों के बारे में निर्णय करे तथा इनको सत्तारूढ़ लोगों की इच्छा पर न छोड़ा जाए। मेरे विचार से ऐसी नियुक्तियों को एक विशेष व्यवस्था के माध्यम से सार्वजनिक किया जा सकता है। अनेक संभावित समाधान हैं, पर कोई समाधान लागू करने के पहले यह स्वीकार करना जरूरी होगा कि समस्या है और इसका फौरन ढांचागत समाधान होना चाहिए।

डा. मार्टिन लूथर किंग ने कहा था, 'नैतिक ब्रह्मांड का दायरा बहुत विस्तृत है, पर यह न्याय के पक्ष में झुका है।' मुझे उम्मीद है कि दीर्घकालीन रूप से हमारे संस्थान सफल रहेंगे क्योंकि अनेक न्यायप्रिय व्यक्ति इन संस्थानों की सेवा कर रहे हैं। मुझे यह विश्वास भी है कि वर्तमान समय के उदाहरण भावी पीढ़ियों की सतर्कता के लिए उदाहरण सिद्ध होंगे। ऐसा आज आपातकाल के उदाहरणों के बारे में लागू होता है। थोड़ा पीछे जा कर देखें तो स्पष्ट होगा कि यदि आज की परिस्थितियों में डा. अंबेडकर को प्रोफेसर के.टी. शाह द्वारा पेश संशोधन पर विचार का समय मिलता तो संविधान सभा द्वारा निकाला नतीजा एकदम अलग होता।

प्रकृति में है जीवन का मूल-मंत्र

> **घमंड में चूर मानव विज्ञान को कोरोना महामारी ने एक मूल मंत्र दिया है, जिसकी जड़ें प्रकृति में निहित हैं। अर्थात हमें प्रकृति की ओर देखना चाहिए।**

केशव प्रसाद मौर्य
(लेखक उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री हैं)

कोरोना महामारी ने हमारे सामने बड़ा प्रश्न उपस्थित किया है। सच तो यह है कि इसने पुनर्विचार का अवसर दिया है। क्या इस संकट से हम अधिक आत्मिक रूप से समृद्ध होकर निकल पाएंगे। यदि इस प्रश्न का उत्तर हां है, तो यह जरूरी है कि अपनी प्रकृति सम्मत ज्ञान परंपरा का स्मरण करें। उस ज्ञान से चेतना का संचार करें। इसके लिए यह जहां अवसर है, वहीं चुनौती भी विद्यमान है।

इस बात का स्मरण रहे कि घमंड में चूर मानव विज्ञान को कोरोना महामारी ने एक मूल मंत्र दिया है, जिसकी जड़ प्रकृति में निहित हैं। अर्थात हमें प्रकृति की ओर देखना चाहिए। उससे ज्ञान अर्जित करना चाहिए। हम यही करते रहे हैं। भारतीय सभ्यता में प्रकृति का ऊंचा स्थान है। किंतु, सुविधा भोगी संसार में हम रास्ता भटक गए। हमें फिर से प्रकृति सम्मत ज्ञान के पथ पर लौटना होगा। उससे सीखना होगा कि जीवन में आगे कैसे बढ़ा जाए? कैसे आपदाओं से लड़ा जाए? 21वीं शताब्दी में प्रवेश करते- करते हमने मां-बाप, भाई-बहन, रिश्ते-नाते, गुरु-शिष्य के संबंधों की तासीर को तो एक हद तक याद रख पाए हैं, लेकिन प्रकृति से अपने संबंधों को लेकर पूरी तरह बेफिक्र हो गए। प्रकृति के संबंध में गंभीरता से विचार करना हमने लगभग छोड़ दिया। जबकि, प्रकृति माता है। गुरु के तुल्य है। प्रकृति हममें जीने की आस जगाती है। निराशा के क्षण में उम्मीद की किरण देती है। लेकिन, हम अपनी ऋषि परम्परा को भूल गए, उसमें यह बाद निहित है कि प्रकृति के साथ सहज संबंध ही मनुष्य को पूर्णतर बनाता है।

मैं समझता हूं कि प्रकृति से अभिभावक तुल्य संबंध ही मानव दृष्टि का मुख्य लक्ष्य होना चाहिए। पतझड़ के मौसम में वृक्ष के सारे पत्ते टूटकर जमीन पर बिखर जाते हैं। लेकिन, वृक्ष पर उसका कोई असर नहीं होता है। वह तो मौसम के बदलने की राह देखता रहता है। फिर कुछ दिन बाद वृक्ष में पत्ते आने शुरू हो जाते हैं। फिर से वृक्ष पर हरियाली छा जाती है। वही ठूंठ पेड़ फिर से हम सबको छांव देने लगता है। इसी तरह से जीवन में एक समय आता हैए जब आशा के सभी पत्ते झड़ जाते हैं। हम तेजी

से निराशा की ओर बढ़ने लगते हैं। ऐसी बेला में धैर्य की जरूरत होती है। उसी ठूंठ वृक्ष के समान अविचल रहने की जरूरत आ पड़ती है। उस समय प्रकृति को अपना आराध्य मानकर चिंतन करना चाहिए। ऐसा कर व्यक्ति निराशा के बोझ से बाहर निकल सकता है। महामारी का यह वक्त संध्या बेला की तरह है। क्षणभर रहने वाली है। स्मरण रहे कि हमारे यहां संध्या को आत्माचिंतन के साथ वंदना की बेला कहा गया है। वह ध्यान में उतरने की बेला है। आराधना के साथ-साथ यह लोकरीति और गीति की बेला है। संध्या बेला सबके घर लौटने की बेला है। काम पर गया व्यक्ति होए गउ माताएं हो, चहचहाते पक्षी हों या फिर कोई और। दरअसल, पूरी प्रकृति समस्त ऐन्द्रिय व्याापार सिमटकर अंतर्मुख होने लगती है। समय के साथ इस बेला का अंत हो जाता है। यही प्रकृति का नियम है।

सो महामारी के इस काल में जैसी खबरें आ रही हैं, उससे लोगों में निराशा पैदा हो रही है। लोग निराशा के भाव में डूबते जा रहे हैं। युवा पीढ़ी की हताशा बढ़ रही है। कुछ आत्महत्या की खबरें भी आई हैं। वहीं घर-परिवार की कलह खुलकर सामने आ रही हैं। हालांकि, यह सब नहीं होना चाहिए। ऐसी विपरीत परिस्थिति में प्रकृति से उन्नयन की प्रेरणा लेनी चाहिए। प्रकृति साक्षात उदाहण रूप में सामने है। यह सीख लेनी चाहिए कि जिस प्रकार प्रकृति परिवर्तनशील है, उसी तरह जीवन में बदलाव आता है। मानव जीवन प्रकृति का ही एक छोटा रूप है। जब हम पूजा करते हैंए तब भूमि पूजन, सूर्य पूजन, वनस्पति पूजन, अग्नि पूजन की चर्चा करते हैं। इसी तरह तुलसी, पीपल, वट सावित्री की पूजा करते हैं। लेकिन इन सबके बीच जब हम अपने जीवन के कुछ बिंदुओं पर चिंतन करते हैं तो निराश होने लगते हैं। यह उचित नहीं है। यह स्मरण रखना चाहिए कि वह व्यक्ति जो रात से उबरने की आस नहीं संभाल सकताए वह अगले प्रभात तक धीरज नहीं बंध सकता है। संघर्ष के अवसान पर ही सत्वर का उदय होता है।

हम जानते हैं कि प्रकृति अपना संदेश बड़े कोमल और सहज रूप में देती है। हम देखते हैं कि कमल कीचड़ में खिलात है। इसके बावजूद वह अपनी अलग पहचान बनाता है। कमल भारतीय संस्कृहति के सर्वप्रधान गुण समन्वरय का प्रतिमान है। इस पहचान से आशय यह है कि मनुष्य को भी अपने आसपास के कीचड़ से दूर रहकर अपनी अलग पहचान बनानी होगी। क्योंकिए कमल का संदेश तो यही है. कीचड़ के बीच भी गुण से युक्त रहें। कमल प्रकृति की सुंदर रचना है। इस सुंदर रचना के जरिए प्रकृति हमें सिखाती है कि मुस्कुराते रहिए और भारतीय संस्कृति प्रतीक पुरुष बने रहिए। साथ ही जीवन के आने वाले सुख दुख का आनंद लेते रहें।

इसी तरह नदियां और पहाड़ भी अपने व्यवहार से सूक्ष्म मानवीय गुण की शिक्षा देते हैं। इसलिए प्रकृति के हर रंग और रूप का आनंद लें। साथ ही इस बात की सीख अर्जित करें कि प्रकृति के अनुकूल कैसे जीवन पथ पर आगे बढ़ा जाए। प्रकृति के तौर पर हम तुलसी के पौधे, पीपल और वट के वृक्ष की पूजा करते हैं, जिससे हमारे मन में आत्मविश्वास बढ़ता है। यही आत्मविश्वास आगे बढ़ने का मूल मंत्र होता है।

आप की बात

नई शिक्षा नीति

आवश्यकता ही अविष्कार की जननी होती है, और समयानुसार परिवर्तन आवश्यक होता है। आज नई शिक्षा नीति के माध्यम से बड़ा बदलाव देखने को मिला। इसमें कोई दो राय नहीं कोरोना ने भी इसमें अहम भूमिका निभाई है। शिक्षा नीति में परिवर्तन तो हुए ही साथ में मानव संसाधन मंत्रालय का भी नवीन नामकरण कर शिक्षा मंत्रालय कर दिया गया। बच्चों को बचपन से ही नई शिक्षा प्रणाली से जोड़ने का,जिससे कि वे आगे चलकर विदेशों में भी काम कर सके। जरूरत की मांग के अनुसार सरकार ने,बदलाव कर एक नया मार्ग और बेहतर भविष्य बनाने की कामना की। उच्च शिक्षा में रिसर्च के लिए जाने वाले छात्रों ले लिए भी,कम समय में ही पीएचडी कर सकेंगे। वहीं इंटरमीडिएट में हर विषय को समान माना गया है। कॉमर्स, साइंस या आर्ट्स हो, वोकेशनल या नॉन वोकेशनल, सभी को सामान्य दर्जा दिया गया है, छात्र अपने पसंद के अनुसार किसी में से भी कोई भी विषय चुन सकते हैं।हालांकि दिक्कत की बात ये है कि सरकार ने नई शिक्षा नीति तो ला दी, लेकिन रोजगार के लिए कुछ नहीं किया। आज वो बच्चे बेहद ना खुश है, जिन्होंने अपनी शिक्षा तो पूरी करली लेकिन अभी भी बेरोजगार हैं।

- **विनीत राठौर**, कानपुर

ड्रैगन की हिमाकत

ड्रैगन अपनी नापाक हरकतों से बाज़ नहीं आ रहा है। विश्व को कोरोना जैसी भयंकर महामारी से परेशान करने के बाद भी शायद अभी भी चीन को चैन नहीं मिला है। बहरहाल, ताइवान ने हाल ही में अमेरिकी दूत के इस स्व-शासित द्वीप के नेताओं से मुलाकात की और इस दौरान चीनी सेना ने अप्रत्याशित तौर पर शक्ति प्रदर्शन करते हुए ताइवानी क्षेत्र में लड़ाकू जेट समेत 18 विमान उड़ाए, तथा अमेरिकी विदेश मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी कीथ क्रेच ने ताइवान के आर्थिक मामलों के मंत्री और उप प्रमुख के साथ चर्चा की और उन्होंने उद्योग जगत के नेताओं से भी मुलाकात की व ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि, चीन के 18 लड़ाकू विमानों ने ताइवान के वायु रक्षा क्षेत्र में प्रवेश किया है एवं उन्होंने कहा कि ताइवान ने चीनी विमानों की आवाजाही पर निगरानी रखी हुई है। वहीं, चीनी रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता रेन ग्योकियांग ने इसे राष्ट्रीय संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा करने के लिए ताइवान स्ट्रेट की वर्तमान स्थिति के मद्देनजर की गई एक वैध और आवश्यक कार्रवाई करार दिया। चीन ताइवान को अपना क्षेत्र मानता है, और इसके व अन्य किसी देश के बीच किसी भी तरह की औपचारिक वार्ता का सख्ती से विरोध करता है।

- **निधि जैन**, गाज़ियाबाद

टीवी चैनलों की चाल

लोकप्रिय पत्रकार व रेमन मैग्सेसे पुरस्कार से सम्मानित रवीश कुमार जो किसानों, मजदूरों, गरीबों, कमजोरों,असहायों, बेरोजगारों व पीड़ितों की आवाज उठाने में अव्वल है। उन्होंने 25 सितंबर को किसानों द्वारा भारत बंद के आह्वान पर पत्र लिखा है। 25 सितंबर को होने वाले किसानों के आंदोलन को देश के प्रमुख राष्ट्रीय चैनलों में कोई सुर्खियां प्रमुखता नहीं मिलने की बात कही है क्योंकि इसी दिन फिल्म अभिनेत्री दीपिका पादुकोण व अन्य की ड्रग्स मामले में पेशी है, जो राष्ट्रीय चैनलों में छाई रहेगी। दिनभर उसकी एक एक हलचल को कवरेज किया जाएगा, इसी विषय पर प्रमुखता से बहस होगी, क्योंकि...जय किसान, इस दिन गड्डी में समा जाएगा। किसान आंदोलन हाशिए से बाहर हो जाएगा। विडंबना है कि राष्ट्रीय चैनलों से मुख्य बुनियादी मुद्दे गायब हो गए हैं। उनके स्थान पर ऐसे मुद्दे छाए हुए रहते हैं जिससे ना तो जनता का भला होता है ना देश का। सरकार की नाकामियों को छिपाने के लिए राष्ट्रीय चैनल अजब गजब भूमिका निभा रहे हैं । रविश का पत्र सत्य से आगाह कराता है।

- **हेमा हरि उपाध्याय**, उज्जैन

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से responsemail.hindipioneer@gmail.com पर भी भेज सकते हैं।

फरमाया

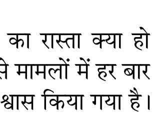

संप्रभुता व क्षेत्रीय अखंडता बहाल करने एवं सुधारों का समर्थन करने में यूरोपीय संघ हमारे लिए प्रमुख है, हालांकि यूक्रेन यूरोपीय संघ में पूर्ण एकीकरण चाहता है।

- **वोलोदोमीर जेलेंस्की**
यूक्रेन के राष्ट्रपति

आर्थिक पुनरोद्धार की हमारी योजना के अंतर्गत मॉरीसन सरकार आस्ट्रेलिया की कंगाली व्यवस्था में महत्वपूर्ण सुधार लागू करेगी।

- **जोश फ्रेड्रेनबर्ग**
आस्ट्रेलियाई कोषाधिकारी

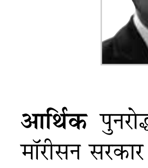

हमारे विशाल प्रांतों में दूसरी लहर प्रारम्भ नहीं हो रही है बल्कि पहले से ही जारी है। हम ऐसे पतन की कगार पर हैं जो वसंत से भी ज्यादा बुरा हो सकता है।

- **जस्टिन ट्रूडियू**
कनाडा के प्रधानमंत्री

हमारा किसान प्रगतिशील, चाहता है नए अनुसंधानः योगी

● सीएम ने किया कृषि विज्ञान केन्द्र, हापुड़ का लोकार्पण व कृषि विज्ञान केन्द्र सम्भल, बुलन्दशहर और मुरादाबाद के प्रशासनिक भवन का शिलान्यास

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हमारा किसान प्रगतिशील किसान है, वह नया अनुसंधान चाहता है। नये तौर-तरीके के साथ अपनी खेती को आगे बढ़ाना चाहता है लेकिन उसे नये तौर-तरीके कौन बताएगा। यह उसके सामने एक प्रश्न रहता था लेकिन विगत 3 वर्ष में कृषि विज्ञान केन्द्रों की नई श्रृंखला ने किसानों को आधुनिक तकनीक के साथ उन्हें उन्नत किस्म के बीज उपलब्ध कराने में मदद की है।

सीएम योगी अपने सरकारी आवास से हापुड़ के कृषि विज्ञान केन्द्र, प्रशासनिक भवन का लोकार्पण एवं कृषि विज्ञान केन्द्र सम्भल, कृषि विज्ञान केन्द्र बुलन्दशहर तथा कृषि विज्ञान केन्द्र मुरादाबाद द्वितीय के प्रशासनिक भवन का शिलान्यास करने के बाद कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री ने वर्ष 2022 तक किसानों की आमदनी को दोगुना करने का लक्ष्य रखा है। प्रत्येक किसान को उसकी उपज का न्यूनतम समर्थन मूल्य प्राप्त हो सके, इस पर जोर दिया गया। ष्प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना से किसान लाभान्वित हो रहे हैं। इसके साथ ही प्रत्येक किसान को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के साथ जोड़ा गया है। योगी ने कहा कि अब किसान वन नेशन, वन मार्केट के नये युग की ओर जा रहा है, जहां वह अपनी उपज की देश के अन्दर कहीं भी बिक्री करने के लिए पूरी तरह स्वतंत्र है। इसके साथ ही सरकार उसे न्यूनतम समर्थन मूल्य की गारण्टी भी दे रही है।

उन्होंने कहा कि हमें स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को आगे बढ़ाना ही होगा। अगर किसानों की आमदनी बढ़ानी है, तो कृषि क्षेत्र में हो रहे बदलाव को हमें खुले दिमाग से स्वीकार करना होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम किसी भी क्षेत्र में पीछे न रहें, इसके लिए राज्य के सभी कृषि विश्वविद्यालय व सभी कृषि विज्ञान केन्द्र इस दिशा में कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि गन्ना किसानों को पिछले 3 वर्ष में 1 लाख 5 हजार करोड़ रुपये के गन्ना मूल्य का भुगतान किया गया है।

प्रदेश में किसानों के हित में किये जाने वाले कार्यों को हम लोगों ने कोरोना काल खण्ड में भी देखा है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश इकलौता राज्य रहा, जिसने लॉकडाउन के दौरान अपनी 119 चीनी मिलों का संचालन पूरी सुरक्षा के साथ किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत सरकार ने कृषि से सम्बन्धित जो बिल पास किये वह किसानों के हित में हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार तथा केन्द्र सरकार न्यूनतम समर्थन मूल्य हर हाल में देती रहेगी और इसको इसी रूप में आगे ले जाने का कार्य करेगी। कृषि विज्ञान केन्द्र खेती-किसानी की बेहतरी के लिए लगातार प्रयासरत हैं। इससे किसानों के जीवन में खुशहाली आयी है। इस अवसर पर कृषि मंत्री सूर्यप्रताप शाही ने कहा कि कृषि विज्ञान केन्द्रों के माध्यम से किसानों को तकनीक के विषय में जानकारी प्राप्त हो रही है। खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों को ज्यादा से ज्यादा स्थापित किये जाने की आवश्यकता है। अपर मुख्य सचिव कृषि देवेश चतुर्वेदी ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर चिकित्सा शिक्षा मंत्री सुरेश खन्ना, स्वास्थ्य मंत्री जय प्रताप सिंह, मुख्य सचिव आरके तिवारी, अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त आलोक टण्डन, कृषि उत्पादन आयुक्त आलोक सिन्हा, अपर मुख्य सचिव वित्त संजीव मित्तल, अपर मुख्य सचिव गृह एवं सूचना अवनीश कुमार अवस्थी तथा सचिव मुख्यमंत्री आलोक कुमार, सूचना निदेशक शिशिर सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती के अवसर पर केकेसी कॉलेज के पास स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

जौनपुर-देवरिया को सीएम योगी ने दिया बड़ा तोहफा

● दोनों जिलों में कुल 64 परियोजनाओं का लोकार्पण व 44 का किया शिलान्यास

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज अपने सरकारी आवास पर वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से जौनपुर तथा देवरिया की विभिन्न विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया।

मुख्यमंत्री द्वारा जौनपुर की लगभग 36 करोड़ 47 लाख रुपए की कुल लागत की 36 परियोजनाओं का लोकार्पण तथा लगभग 91 करोड़ 70 लाख रुपए की कुल लागत की 44 परियोजनाओं का शिलान्यास किया। उन्होंने देवरिया की 28 परियोजनाओं का लोकार्पण किया। यह परियोजनाएं लगभग 82 करोड़ 33 लाख रुपए की धनराशि से निर्मित की गई है। उन्होंने 131 परियोजनाओं की आधारशिला भी रखी। इनके निर्माण पर 382 करोड़ 84 लाख रुपए से अधिक धनराशि व्यय होगी।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर जौनपुर तथा देवरिया के विकास से जुड़ी अनेक घोषणाएं भी कीं। उन्होंने कलीचाबाद में गोमती नदी पर पुल के निर्माण की घोषणा करते हुए कहा कि यह पुल राजा यादवेन्द्र दत्त दुबे के नाम पर निर्मित किया जाएगा। इसके अलावा सिकरारा से शेरवां सड़क का उच्चीकरण करते हुए इसका नामकरण वैज्ञानिक लालजी सिंह के नाम पर किया जाएगा। उन्होंने निषादराज राजकीय बालिका इण्टर कालेज की घोषणा भी की है। उन्होंने प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र सिकरारा को 100 बेड का अस्पताल बनाने एवं इसका नामकरण वैज्ञानिक लालजी सिंह के नाम पर करने की घोषणा की है।

ई-टेंडरिंग के माध्यम से हों शत-प्रतिशत कार्य

● जिन कार्यों के लिए धनराशि आवंटित की जा चुकी है वह सभी आरंभ हो जाने चाहिएः मुख्य सचिव

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्य सचिव राजेन्द्र कुमार तिवारी ने निर्माण कार्यों से सम्बन्धित सभी विभागों एवं कार्यदायी संस्थाओं के साथ बैठक कर निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा की।

इस अवसर पर अपने सम्बोधन में उन्होंने कहा कि कार्यदायी संस्थाएं निर्धारित समयावधि में कार्यों को पूरा करें। उन्होंने कहा कि आगणन के अनुसार जब पूरी धनराशि कार्यदायी संस्था को दे दी जाती है तो सम्बन्धित कार्यों को समय से पूरा करने की जिम्मेदारी भी उनकी ही बनती है। यदि आवंटित धनराशि के उपयोग में अनियमितता अथवा गबन की शिकायत मिलती है तो सम्बन्धित ठेकेदार एवं दोषी विभागीय कार्मिकों से वसूली का दायित्व सम्बन्धी कार्यदायी संस्था का है और इससे कार्य की प्रगति व उसे पूरा करने की समय सारिणी प्रभावित नहीं होनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि कार्यदायी संस्थाओं के सभी डिवीजन में मानक के अनुसार स्टाफ की तैनाती हो और मानक व उनकी क्षमता के अनुसार कार्य का आवंटन हो। उन्होंने कहा कि जिन कार्यों के लिए धनराशि आवंटित की जा चुकी है वह सभी कार्य आरंभ हो जाने चाहिए तथा माहवार कार्य की प्रगति की समीक्षा का शिड्यूल भी बनाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि शत प्रतिशत कार्य ई-टेण्डरिंग से और बिना डीपीआर कोई भी कार्य शुरू नहीं होना चाहिए। इससे पूर्व बैठक में बताया गया कि चालू वित्तीय वर्ष में लोक निर्माण विभाग 23761 कार्य धनराशि 9911 करोड़, उप्र राजकीय निर्माण निगम 2023 कार्य धनराशि 5403 करोड़, यूपी प्रोजेक्ट्स कॉरपोरेशन 2728 कार्य 1728.39 करोड़, यूपी स्टेट इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेन्ट कॉरपोरेशन लि. 1842 कार्य 1087 करोड़, उप्र राज्य निर्माण सहकारी संघ लि. 1751 कार्य 549.32 करोड़, उप्र आवास एवं विकास परिषद 222 कार्य 258 करोड़, उप्र जल निगम 1600 करोड के कार्य, सीएण्डडीएस जल निगम 203 कार्य 1041 करोड़, आरईएस 11132 कार्य 1257.27 करोड़ रुपए यूपीसीएलडीएफ 962 कार्य 227.52 करोड़ रुपए तथा उप्र पुलिस आवास निगम लि. 248 कार्य 1433.02 करोड़ रुपए के कराए जा रहे हैं। बैठक में अपर मुख्य सचिव गृह एवं सूचना अवनीश कुमार अवस्थी, अपर मुख्य सचिव लोक निर्माण विभाग नितिन रमेश गोकर्ण सहित सम्बन्धित विभागों एवं कार्यदायी संस्थाओं के वरिष्ठ अधिकारीगण आदि उपस्थित थे।

किसान बिल के विरोध में कांग्रेस ने किया प्रदर्शन, बाजार बंद कराया

लखनऊ। भाजपा सरकार द्वारा पास किए गए किसान बिल के विरुद्ध अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर किसान संघर्ष समिति के समर्थन में महानगर कांग्रेस कमेटी लखनऊ के नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया और ऐशबाग स्थित हैदरगंज चौराहा मार्केट को बन्द कराया। कांग्रेस नेताओं का कहना था कि भाजपा सरकार द्वारा किसान विरोधी बिल पास करके हरित क्रांति को विफल करने का प्रयास किया जा रहा हैए जिसे किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इस मौके पर शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मुकेश सिंह चौहान ने कहा कि मोदी सरकार ने देश के किसानए खेत और खलिहान के खिलाफएक घिनौना षडयंत्र किया है। उन्होंने कहा कि देश के अन्नदाता व भाग्यविधाता किसान तथा खेत मजदूर की मेहनत को केन्द्र सरकार द्वारा चंद पूंजीपतियों के हाथों गिरवी रखने का षडयंत्र किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा अपने बिल में न्यूनतम समर्थन मूल्य को दर्शाया जाना चाहिए था जो कि नहीं लिखा गया हैए जो किसानों के साथ सरासर अन्याय है। इस अवसर पर डॉए शहजाद आलमए पूर्व पार्षद केके शुक्लाए रईस अहमदए योगेश्वर सिंहए शाहिद अलीए नदीम अहमदए हसन अब्बासए विकास सक्सेनाए शब्बू कुरैशीए केडी अवस्थीए सिराजए हासिमए अनिल श्रीवास्तवए अजय श्रीवास्तवए राजू मन्नीए मोहम्मद हासिमए मोण् शफीकए शकीलए शादाब आदि कांग्रेस नेता मौजूद थे।

सबका साथ-सबका विकास ही सही मायने में अंत्योदय हैः केशव

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि सबका साथ-सबका विकास-सबका विश्वास के संकल्प को लेकर सरकार जो कार्य कर रही है, सही मायने में यही अंत्योदय है। उन्होंने कहा अंत्योदय दर्शन के महान शिल्पकार पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने समाज के अंतिम पायदान के व्यक्ति के चेहरे पर मुस्कान देखने का सपना देखा था, उनके दर्शन के अनुसार ही विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का संचालन कर सरकार सबसे अन्तिम छोर के व्यक्तियों को योजनाओं का लाभ पहुंचाकर उनके स्वावलम्बन का मार्ग प्रशस्त कर रही है। उप मुख्यमंत्री ने यह बात है शुक्रवार को अपने सरकारी आवास पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें आत्मिक श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कही। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय का जीवन दर्शन आज भी प्रासंगिक है। हम सबको उनके जीवन सुकृत्यों से न केवल प्रेरणा लेनी चाहिए बल्कि उनके जीवन दर्शन को आत्मसात् करना चाहिये। उन्होंने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में देश व प्रदेश में पंडित दीनदयाल उपाध्याय के संकल्पों को पूरा करने का कार्य किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि कोरोना काल में भी सरकार ने अन्तिम पायदान के व्यक्तियों तक अनेक योजनाएं संचालित कर लाभ पहुंचाया है। कोई भूखा न रह, अंधेरे में न रहे, इसके लिये भी महत्वपूर्ण योजनाएं चल रहीं हैं। खाद्यान्न आपूर्ति भरपूर मात्रा में की जा रही है। गरीबों की आर्थिक मदद भी की जा रही है।

किसानों की जमीनों पर है पूंजीपतियों की नजरः अखिलेश

● कृषि व श्रम कानून के विरोध में सपा ने राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन सौंपा

लखनऊ। समाजवादी पार्टी ने कृषि एवं श्रम कानूनों के विरोध में शुक्रवार को प्रदेश भर में जिलाधिकारी के माध्यम से राज्यपाल को सम्बोधित ज्ञापन सौंपा और इन कानूनों को वापस लेने तथा प्रदेश में इन्हें लागू न करने का निर्देश देने का आग्रह किया। राजधानी लखनऊ में जिलाध्यक्ष जयसिंह जयंत और महानगर अध्यक्ष सुशील दीक्षित के नेतृत्व में प्रतिनिधिमण्डल ने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। राज्यपाल को सम्बोधित ज्ञापन में कहा गया है कि केन्द्र और प्रदेश की भाजपा सरकारों की नीतियों से किसान और श्रमिकों के हितों को गहरा आघात लग रहा है। इन नीतियों से कारपोरेट घरानों को ही फायदा होगा जबकि किसानों और श्रमिकों की बदहाली और बढ़ेगी। वहीं समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पूरे प्रदेश में शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कार्यक्रम के लिए पार्टी के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को बधाई देते हुए कहा कि समाजवादी जनहित के मुद्दों को उठाने में हमेशा आगे रहे हैं। सत्तादल के दमन का विरोध हमेशा समाजवादियों ने ही किया है। अखिलेश यादव ने कहा है कि युवा बेरोजगार है, किसान की जमीन पर बड़े-बड़े पूंजीपतियों की नज़र है। संसद में बहुराष्ट्रीय कम्पनियों और चंद उद्योगपतियों के लिए ही कानून बन रहे हैं। भाजपा सरकार अपने चंदा देने वाले पूंजीपतियों को लाभ पहुंचाने के लिए पहले किसानों के शोषण का बिल लाई और अब अपने उद्योगपतियों को लाभ पहुंचाने के लिए श्रमिक शोषण का एकतरफा बिल लाई है।

पीएम मोदी और सीएम योगी कर रहे पं. दीनदयाल के सपनों को साकारः स्वतंत्र देव

● भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पीएम आवास के लाभार्थियों के साथ पंडित दीनदयाल उपाध्याय जयंती कार्यक्रम में हुए शामिल

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

भाजपा लखनऊ महानगर द्वारा सरोजनीनगर विधानसभा में राजा बिजली पासी द्वितीय वार्ड के छुहारा खेड़ा में प्रधानमंत्री आवास एवं शौचालय लाभार्थियों के मध्य पंडित दीनदयाल उपाध्याय जयंती कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें मुख्य रूप से प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह, क्षेत्रीय विधायक व मंत्री स्वाती सिंह, महानगर अध्यक्ष मुकेश शर्मा उपस्थित रहे। महानगर महामंत्री पुष्कर शुक्ला ने बताया कि कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि पंडित जी चाहते थे कि अंतिम पायदान पर बैठे व्यक्ति तक भी योजनाओं का लाभ पंहुचे और उसे बराबरी का दर्जा मिले और ऐसी विचार धारा को हमारे पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेई ने बढ़ाया जिसको वर्तमान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गरीबों के लिए प्रधानमंत्री आवास, महिलाओं के लिए उज्ज्वला गैस और शौचालय किसानों के लिए किसान सम्मान निधी के रूप में प्रति वर्ष छः हजार रुपए देने का काम जैसी अनेकों योजनाओं को लागू करने का काम किया है। इन सारे लाभ और योजनाओ को अंतिम पायदान पर बैठे लोगों तक पहुंचाने का काम हमारी सरकारों द्वारा किया जा रहा है। हमारे देश का गौरव पूर्ण इतिहास रहा है, यहां दूध दही की भरमार थी, सोने की चिड़िया कहलाता था भारत देश। एक बार फिर इस देश की जनता ने प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी को चुनकर भेजा और हमारे प्रधानमंत्री देश को पुनः वह गौरव प्रदान हो ऐसे कार्यों और योजनाओं में अपना सम्पूर्ण योगदान से रहे हैं। भारत देश विश्व गुरु बनेए सभी देशवासी सुखी और संपन्न रहे ऐसा भारत बनाने में हमारी पार्टी और सरकार काम कर रही हैं, यही पंडित दीनदयाल के सिद्धांतों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि-पुष्पांजलि होगी। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से मंडल अध्यक्ष अनूप मिश्रा, शिवशंकर विश्वकर्मा, पार्षद बीना रावत, सरबजीत सिंह, सेक्टर संयोजक राम अवतार, बूथ अध्यक्ष नंदलाल सहित योजनाओं के लाभार्थी एवं गांववासी उपस्थित रहे।

दलितों व महिलाओं के खिलाफ अपराध में कमी नहींः मायावती

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश में कानून व्यवस्था को लेकर बसपा सुप्रीमो मायावती ने एक बार फिर योगी सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कानून व्यवस्था पर सवाल उठाते हुये कहा कि सरकार की अनंत घोषणाओं और निर्देशों के बावजूद दलितों और महिलाओं के खिलाफ अपराधों में कमी नहीं आई है।

बसपा सुप्रीमो मायावती ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर ट्वीट करते हुए लिखा कि यूपी सरकार की अनन्त घोषणाओं व निर्देशों आदि के बावजूद दलितों व महिलाओं पर अन्याय-अत्याचार, बलात्कार व हत्या आदि की घटनायें नहीं रुक रही हैं तो इससे सरकार की नीयत पर सवाल उठना स्वाभाविक है। खासकर छात्राओं का घर से बाहर निकलना मुश्किल हो गया है तो ऐसी कानून-व्यवस्था किस काम की।

कृषि विधेयकों का मुख्य मकसद देश के अन्नदाता को बर्बाद करना

● किसान विरोधी नए कृषि कानून को सुप्रीमकोर्ट में चुनौती देगी पंजाब सरकारः मनप्रीत सिंह बादल

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

पंजाब सरकार के वित्त मंत्री मनप्रीत सिंह बादल ने कृषि बिल को लेकर केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कृषि विधेयकों का मुख्य मकसद किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य के सुरक्षा कवच से वंचित करना और देश के अन्नदाता को बर्बाद करना है। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार इस नए कानून को सर्वोच्च न्यायालय में चैलेन्ज करने के लिए तैयार है।

बादल शुक्रवार को प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में प्रेस कांफ्रेंस कर रहे थे। उन्होंने कहा कि संसद में बगैर चर्चा और प्रक्रिया अपनाए ही तानाशाही तरीके से तीन कृषि कानून पारित करने से मोदी सरकार का किसान विरोधी चेहरा उजागर हुआ है। खुद को किसान हितैषी बताने वाली मोदी सरकार ने सत्ता में आने से पहले किसानों की आय को दुगुना करने का संकल्प लिया था किन्तु 6 साल में भाजपा के शासनकाल में कृषि ग्रोथ जहां 3.1 प्रतिशत है वहीं यूपीए शासनकाल में 4.3 प्रतिशत थी। कृषि आय 14 साल में इस साल सबसे कम है। किसान की उपज का दाम पिछले 18 साल में इस साल सबसे कम आया है। प्रधानमंत्री ने कहा था कि वह स्वामीनाथन आयोग की रिपोर्ट लागू करेंगे लेकिन उसे लागू न करके किसानों के साथ विश्वासघात किया है। उन्होंने कहा कि तीनों नए कृषि कानूनों में एमएसपी का जिक्र न किये जाने से सरकारी अनाज मंडिया सब्जी तथा फल मंडिया समाप्त हो जायेंगीं जिसकी वजह से किसान पूंजीपतियों द्वारा तय किए गए मूल्य पर अपने उत्पादित फसल को बेचने के लिए बाध्य हो जाएगा। उन्होंने कहा कि भारत सरकार कुछ किसानों के खाते में 500 रुपए प्रतिमाह यानि 6000 रुपए वार्षिक देकर डीजल पर जो एक्साइज यूपीए शासनकाल में 3.56 पैसे था उसे बढ़ाकर 40 रुपए कर दिया है जिससे किसानों को सिर्फ डीजल खरीद में 6000 रुपए सालाना अधिक देना पड़ रहा है।

उन्होंने कहा कि किसानों की हालत इतनी दयनीय हो चुकी है कि आज देश में हर घंटे पर एक किसान आत्महत्या करने को विवश है। एक दिन में 24 किसान आत्महत्या कर रहे हैं। मोदी सरकार जबसे सत्ता में आयी है कार्पोरेट टैक्स लगभग 40 प्रतिशत घटाया है और 6.6 लाख करोड़ रुपए विभिन्न तरीके से माफ किया है। एक्साइज ड्यूटी का जो हिस्सा लगभग 42 प्रतिशत राज्यों का होता है उसे नहीं दिया जा रहा है। उन्होने कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा बनाए गए इस काले कानून से जहां एक तरफहमारे देश और प्रदेश के किसान अधिकारविहीन और बेचारा बनकर रह जाएंगे वहीं एक बहुत बड़ा विभाग मंडी परिषद जिसमें लाखों लोग नौकरी से जुड़े हैं और उनके परिवार का भरण पोषण हो रहा है मंडी परिषद और विपणन समितियों का समापन हो जाएगा। जिसमें सेवा दे रहे लाखों लाख कर्मचारियों को नौकरी से हाथ धोना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी आखिरी दम और सांस तक किसानों के हितों की हिफाजत करेगी।

राज्यपाल ने जताया शोक

लखनऊ। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने मशहूर गायक एसपी बालासुब्रमण्यम के निधन पर गहरा दु:ख व्यक्त किया है। राज्यपाल ने दिवंगत आत्मा की शांति की कामना करते हुए शोकाकुल परिजनों के प्रति संवेदना एवं सहानुभूति व्यक्त की है।

सपा दो अक्टूबर को करेगी सत्याग्रह

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर 2 अक्टूबर को गांधी जयंती के अवसर पर प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों पर समाजवादी पार्टी के पदाधिकारी और कार्यकर्ता गांधी प्रतिमा पर 2 घंटे का मौन व्रत रख कर सरकार खिलाफसत्याग्रह करेंगे। प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल ने कहा है कि भाजपा सरकार की नीतियों के प्रति जनता में आक्रोश बढ़ता ही जा रहा है। किसानों से खेत मालिक की जगह छीनकर खेत मजदूर बनाने की साजिश हो रही है। प्रदेश में पूंजीनिवेश न होने और उद्योग न लगने से रोजगार का संकट है। इसके बावजूद भाजपा सरकार 100 की जगह अब 300 कर्मचारियों वाली फैक्ट्रियों में मालिक की जब मर्जी हो छंटनी करने का प्राविधान ले आई है। इसके विरोध में समाजवादी प्रदेश भर में शांतिपूर्ण ढंग से गांधी प्रतिमा पर मौन सत्याग्रह करेंगे।

किसान विरोधी बिल के विरोध में ज्ञापन सौंपा

लखनऊ। किसान विरोधी बिल के विरोध में शुक्रवार को युवा रालोद के प्रदेश अध्यक्ष अम्बुज पटेल के नेतृत्व में युवा रालोद के कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने जिलाधिकारी के माध्यम से राष्ट्रपति को ज्ञापन सौंपा। इस मौके पर रालोद कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी भी की। ज्ञापन में कहा गया है कि वर्तमान समय में राजकीय सेवा में भर्ती होने की प्रक्रिया स्वयं में बहुत जटिल है और जो भी राज्य कर्मचारी सेवारत् हैं उनके परिवार का भरण पोषण और उनके बच्चों की शिक्षा से लेकर उनके शादी विवाह तक का उत्तरदायित्व उसी कर्मचारी पर होता है। 50 वर्ष की आयु तक कोई भी कर्मचारी न ही अपने बच्चों की उच्च शिक्षा सम्पन्न करा सकता है।

राज्यसभा में आचरण को लेकर विपक्षी सांसदों के खिलाफ कार्रवाई की जरूरत थी: प्रह्लाद

भाषा। नई दिल्ली

यह स्वतंत्र भारत के इतिहास में काला दिन और विपक्ष पर धब्बा

संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने राज्यसभा में पिछले दिनों हंगामे के लिए विपक्षी दलों को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा है कि महासचिव की मेज पर चढ़ना और नियम पुस्तिका फाड़ने जैसे आचरण को लेकर ऐसे सांसदों के खिलाफ कार्वाई की जरूरत थी। जोशी ने शुक्रवार को कहा कि विपक्ष को आत्मविश्लेषण करना चाहिए कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी समेत उनके सांसद सत्र में अनुपस्थित क्यों थे। उन्होंने कहा कि उन्हें हंगामा करने के बजाए संख्या के दम पर सरकार का सामना करना चाहिए था।

जोशी ने जाहिरा तौर पर नेहरू-गांधी परिवार का जिक्र करते हुए कहा कि जिन लोगों का गांधीवादी सिद्धांतों में कोई भरोसा नहीं है, वे नकली गांधी नेताओं के आदेश पर प्रदर्शन के लिए गांधी की प्रतिमा के सामने धरना पर बैठे। राज्यसभा में कृषि संबंधी दो विधेयकों को पारित किए जाने के दौरान रविवार को काफी हंगामा हुआ था। विधेयकों को पारित किए जाने के तरीके के विरोध में विपक्षी सांसद आसन के बिल्कुल पास आ गए थे। हंगामा कर रहे सदस्यों ने कागज फाड़ दिए थे, वे मेजों पर चढ़ गए थे, नारेबाजी की थी और उस समय उपसभापति हरिवंश की ओर नियम पुस्तिका फेंकी थी।

सदन में अमर्यादित आचरण को लेकर विपक्ष के आठ सांसदों को सोमवार को निलंबित कर दिया था। इसके विरोध में इन सांसदों ने संसद परिसर में महात्मा गांधी की प्रतिमा के निकट रात बिताई थी। जोशी ने कहा, यह स्वतंत्र भारत के इतिहास में काला दिन और विपक्ष पर धब्बा है। उन्होंने कहा कि महासचिव की मेज पर खड़े होना, नियम पुस्तिका फाड़ना, सभापति के माइक को नुकसान पहुंचाना और मार्शल पर हमला करना, इस तरह के आचरण के लिए इन सांसदों के खिलाफ कार्वाई की जरूरत थी।जोशी ने हरिवंश के साथ आपत्तिजनक आचरण को लेकर विपक्षी सांसदों की निंदा करते हुए कहा कि कांग्रेस और अन्य विपक्षी नेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बढ़ती लोकप्रियता से हताश हैं और उन्होंने संतुलन खो दिया है। उन्होंने राज्यसभा में हाजिरी का जिक्र करते हुए कहा कि कृषि विधेयकों पर उच्च सदन में चर्चा के दौरान कई विपक्षी सांसद अनुपस्थित थे। उन्होंने कहा कि विधेयकों को पारित किए जाने के दौरान सदन में मौजूद कुल 182 सांसदों में से 110 सांसद राजग के थे।जोशी ने कहा, हंगामा करने के बजाए, विपक्ष को संख्या के बल पर सरकार का सामना करना चाहिए था। उन्होंने कहा, विपक्षी दलों को आत्मविश्लेषण करना चाहिए कि राहुल गांधी समेत बड़ी संख्या में उनके सांसद सत्र से अनुपस्थित क्यों थे।

पंजाब के रूपनगर में विभिन्न संगठनों के किसान बिल का रेलवे लाइन पर बैठकर विरोध करते हुए।

शोपियां मुठभेड़ में मारे गए तीन लोगों के डीएनए नमूने परिवार के सदस्यों से मिले

भाषा। श्रीनगर

जम्मू कश्मीर के शोपियां जिले में जुलाई में सेना के साथ कथित फर्जी मुठभेड़ में मारे गए तीन लोगों के डीएनए नमूने राजौरी में उनके परिवारों के नमूनों से मेल खाते हैं। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। यह पूछे जाने पर क्या वे तीनों वास्तव में मजदूर थे, जैसा उनके परिवारों ने दावा किया है और वे आतंकवादी गतिविधियों में शामिल नहीं थे, पुलिस अधिकारी ने कहा कि यह आगे की जांच का विषय है।

सेना ने 18 जुलाई को दावा किया था कि दक्षिणी कश्मीर के शोपियां में गांव अमशीपुरा में तीन आतंकवादी मारे गए। सोशल मीडिया की रिपोर्टों से संकेत मिला कि वे राजौरी के रहने वाले तीन लोग अमशीपुरा में लापता हो गए थे। इसके बाद सेना ने जांच शुरू की थी। तीन लोगों के परिवारों ने दावा किया था कि वे मजदूर थे और इस संबंध में पुलिस में शिकायत भी दर्ज कराई थी।

पुलिस ने भी जांच शुरू की और मारे गए लोगों के डीएनए नमूने लिए गए ताकि राजौरी में उनके परिवारों के नमूनों के साथ मिलान किया जा सके। पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) विजय कुमार ने यहां संवाददाताओं से कहा, डीएनए रिपोर्ट आ गई है और मिलान हो गया है। यह पूछे जाने पर कि क्या इसकी पुष्टि हो गई है कि तीनों लोग मजदूर थे और वे किसी आतंकवादी गतिविधियों में शामिल नहीं थे, कुमार ने कहा, पुलिस अब मामले में आगे की जांच कर रही है। सेना ने रिकार्ड चार सप्ताह में इस मामले की जांच पूरी कर ली। बल ने 18 सितंबर को कहा था कि प्रथम दृष्टया साक्ष्य के अनुसार मुठभेड़ के दौरान उसके जवानों ने सशस्त्र बल विशेषाधिकार अधिनियम के तहत अधिकार का उल्लंघन किया। बल ने कहा था इस संबंध में अनुशासनात्मक कार्यवाही शुरू कर दी गई है।

फडणवीस ने नए कृषि कानूनों का विरोध करने को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधा

मुंबई। महाराष्ट्र के भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस ने शुक्रवार को कृषि क्षेत्र से जुड़े विधेयकों को संसद से पारित कराने का विरोध करने पर कांग्रेस और अन्य विपक्षी पार्टियों पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का मामले पर रुख कुछ और नहीं बल्कि दोहरा मानदंड है क्योंकि वह सत्ता से बाहर है। नवी मुंबई में पत्रकारों से बातचीत में फडणवीस ने कहा कि विपक्षी पार्टियां केवल राजनीति की वजह से इन विधेयकों के खिलाफ है। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, यही कांग्रेस जब सत्ता में थी जो इसी तरह का बदलाव (कानून में) करने का वादा कर रही थी। अब वह महज राजनीति के लिए विरोध कर रही है। वास्तव में इन कानूनों को लागू नहीं किया जाना किसान विरोधी होगा। फडणवीस ने कहा, कांग्रेस ने वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव के दौरान इसी वादे का उल्लेख किया था। इसलिए, उसका मौजूदा रुख पूरी तरह से दोहरा मानदंड है।

शोपियां मुठभेड़ को लेकर अधिकारियों के दावे पर उमर ने उठाए सवाल

भाषा। श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने जुलाई में शोपियां मुठभेड़ स्थल से हथियार और कारतूस बरामद होने को लेकर दिए गए आधिकारिक बयान पर सवाल उठाया है। डीएनए जांच के नतीजे शुक्रवार को सामने आने के बाद साबित हो गया कि मारे गए तीनों मजदूर राजौरी जिले के रहने वाले थे। उमर ने ट्वीट किया, आधिकारिक बयानों के मुताबिक मुठभेड़ स्थल से हथियार और कारतूस समेत भड़काऊसामग्री मिली थी। वहां पर किसने भड़काऊसामग्री रखी थी।

वह कश्मीर के पुलिस महानिरीक्षक विजय कुमार के बयान पर प्रतिक्रिया जता रहे थे, जिसमें उन्होंने कहा था कि तीनों लोगों के डीएनए नमूनों का उनके परिजनों के नमूनों से मिलान हो गया है। सेना ने इन तीनों लोगों को आतंकी बताया था। नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर ने कहा, तीनों युवकों के शवों को उत्तरी कश्मीर में कहीं दफना दिया गया। यह जरूरी है कि शवों को निकाल कर तुरंत उनके परिवारों को सौंपा जाए ताकि वे राजौरी जिले में अपने घरों के पास उनका अंतिम संस्कार कर सकें।

सेना ने 18 जुलाई को दावा किया था कि दक्षिण कश्मीर के शोपियां जिले के अम्शीपुरा गांव में तीन आतंकी मारे गए। तीनों लोगों के राजौरी के बाशिंदा होने और अम्शीपुरा में लापता होने के बारे में सोशल मीडिया पर रिपोर्ट सामने आने के बाद जांच शुरू की गई थी। तीनों लोगों के परिवारों ने दावा किया था कि वे शोपियां में मजदूरी करते थे और उन्होंने इस संबंध में पुलिस के समक्ष शिकायत दर्ज कराई थी।

पुलिस ने जांच शुरू की और मारे गए युवकों के डीएनए के मिलान के लिए उनके परिवारों से नमूने लिए। कुमार ने शुक्रवार को यहां संवाददाताओं से कहा, डीएनए रिपोर्ट आ चुकी है और मिलान हो गया है। पीपुल्स कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष सज्जाद लोन ने कहा कि हालिया घटनाक्रम से उन्हें कुछ भी बदलाव की उम्मीद नहीं है क्योंकि पहले भी ऐसी घटनाएं हो चुकी हैं।

लोन ने ट्वीट किया, क्या कुछ बदलेगा? मानव जीवन की गरिमा बहाल होगी? नहीं। कुछ नहीं बदलने वाला। मीडिया ने इस मुठभेड़ का पर्दाफाश किया जिसके बाद जांच शुरू की गई। आज के डिजिटल युग में कुछ भी छिपाना मुमकिन नहीं हैं। मेरी संवेदनाएं तीनों युवकों के प्रति हैं। उन्होंने लिखा है, क्या यह पहली बार हुआ, कोई उम्मीद कर सकता है कि आगे यह नहीं होगा। यह पहली बार नहीं है और ना ही आखिरी बार है।

क्विक न्यूज

उपचुनाव पर 29 सितंबर को निर्णय: मुख्य चुनाव आयुक्त

नई दिल्ली। निर्वाचन आयोग एक लोकसभा सीट और 64 विधानसभा सीटों के लिए उपचुनाव कराने पर संबंधित राज्यों के चुनाव अधिकारियों और मुख्य सचिवों से मिली जानकारी पर गौर करने के बाद 29 सितंबर को इस बारे में फैसला करेगा। मुख्य चुनाव आयुक्त सुनील अरोड़ा ने शुक्रवार को इस बारे में बिहार विधानसभा चुनाव के कार्यक्रमों की घोषणा के लिए संवाददाता सम्मेलन के दौरान सवालों का जवाब देते हुए अरोड़ा ने कहा कि निर्वाचन आयोग के महासचिव उमेश सिन्हा फैसले के आधार पर उसी शाम कार्यक्रम को लेकर एक प्रेस विज्ञप्ति जारी करेंगे। इससे पहले निर्वाचन आयोग (ईसी) ने एक बयान में कहा था कि बिहार चुनाव और उपचुनाव एक ही समय के आसपास कराए जाएंगे। अरोड़ा ने कहा कि जब ईसी ने बिहार चुनाव के साथ उपचुनाव कराने का फैसला किया था तो उपचुनाव के संबंध में कुछ राज्यों ने निवेदन भेजने को लेकर दिलचस्पी नही दिखाई थी। अधिक्तर निवेदन पिछले एक सप्ताह में मिले और आयोग अंतिम निर्णय के पहले सूचनाओं पर विचार-विमर्श करेगा। विभिन्न राज्यों में विधानसभा की 64 सीटें खाली हैं। इनमें से 27 सीटें मध्यप्रदेश में रिक्त हैं। कांग्रेस के बागी सदस्यों के पार्टी से इस्तीफे और भाजपा में शामिल होने पर ए सीटें रिक्त हुई थीं। कांग्रेस सदस्यों के इस्तीफे के कारण कमलनाथ के नेतृत्व वाली सरकार गिर गई थी और सत्ता में भाजपा की वापसी हुई थी। बिहार में वाल्मीकिनगर लोकसभा सीट का उपचुनाव भी लंबित है। छत्तीसगढ़, हरियाणा, कर्नाटक और बंगाल में विधानसभा की एक-एक सीट रिक्त है। असम, झारखंड, केरल, नगालैंड, तमिलनाडु और ओडिशा में दो-दो सीटें रिक्त हैं। मणिपुर में पांच और गुजरात तथा उत्तरप्रदेश में आठ-आठ सीटें रिक्त है। इस साल जुलाई में निर्वाचन आयोग ने लोकसभा की एक सीट और विधानसभा की सात सीटों के लिए चुनाव को टालने की घोषणा की थी।

मप्र में 3,900 कैदियों की पैरोल अवधि 60 दिन के लिए बढ़ाई

भोपाल। कोरोना महामारी के बढ़ते संक्रमण को देखते हुए मध्यप्रदेश सरकार ने जेल के 3900 कैदियों की पैरोल अवधि 60 दिनों के लिए बढ़ा दी है। इससे अब इन कैदियों के नवंबर के अंत तक जेल की बैरकों में वापस आने की उम्मीद है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने शुक्रवार को बताया कि मार्च माह में उच्चतम न्यायालय ने जेलों में भीड़ कम करने के लिए राज्यों को उपाय करने के लिए कहा गया था। इसके बाद कैदियों को पैरोल पर जेल से छोड़ा गया था ताकि कोविड-19 के प्रसार को नियंत्रित किया जा सके। मध्यप्रदेश में 125 जेलों में लगभग 43,000 कैदी हैं। इनमें से 3900 को पैरोल पर जबकि 3000 को अंतरिम जमानत पर रिहा किया गया है। जेल विभाग के उप महानिरीक्षक (डीआईजी) संजय पांडे ने पीटीआई भाषा को बताया, 3900 कैदियों की पैरोल 60 और दिन के लिए बढ़ाई गई है। वे सब नवंबर अंत तक 125 जेलों में वापस लौट आएगें। जबकि 3000 अन्य कैदियों को अंतरिम जमानत पर रिहा किया गया था। एक अन्य जेल अधिकारी ने बताया कि प्रदेश में करीब एक हजार कैदियों को कोरोना वायरस का संक्रमण हुआ था और फिलहाल 140 कैदियों का इलाज चल रहा है। इस महामारी से अब तक किसी कैदी की मौत नही हुई है। उन्होंने बताया कि जिला जेल के एक अधिकारी की कोरोना महामारी से मौत हो चुकी है।

पलामू में बारूदी सुरंगें बरामद

मेदिनीनगर। सुरक्षा बलों ने पलामू जिले के मनातू- चक मार्ग में नक्सलियों द्वारा बनाई गई चार बड़ी बारूदी सुरंगों को समय रहते निष्क्रिय कर बलों पर हमले की कोशिश को नाकाम कर दिया। पलामू के पुलिस अधीक्षक संजीव कुमार ने बृहस्पतिवार को पीटीआई-भाषा को बताया कि नक्सलियों ने मनातू थानान्तर्गत मंसुरिया के पास बारूदी सुरंगे बनाई थी। उन्होंने बताया कि सभी में बारह से पंद्रह किलोग्राम विस्फोटक था जिससे भारी नुकसान हो सकता था। इन्हें सुरक्षा बलों को लक्ष्य कर सड़क के बीच में लगाया गया था। यह मार्ग चतरा होते हुए बिहार के गया तक जाता है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि इनका पता लगाकर निष्क्रिय करने का काम केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल की 134वी बटालियन और स्थानीय पुलिस ने मिलकर किया। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि अब तक यह पता नही चल पाया है कि इसमें किस नक्सली संगठन का हाथ है। उन्होंने बताया कि पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है और यह पूरा क्षेत्र माओवादियों का गढ़ माना जाता है।

कुलगाम में हथियारों के जखीरे व नकदी के साथ दो गिरफ्तार

श्रीनगर। सुरक्षा बलों ने जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले में दो लोगों को गिरफ्तार कर उनके पास से हथियारों व गोलाबारूद का जखीरा और नकदी जब्त की। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि सुरक्षा बलों ने दक्षिणी कश्मीर के काजीगुंड क्षेत्र में बृहस्पतिवार को तलाशी अभियान के दौरान एक वाहन से हथियारों का जखीरा, गोलाबारूद और नकदी जब्त की। उन्होंने कहा कि इस संबंध में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया। अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच शुरू कर दी गई है।

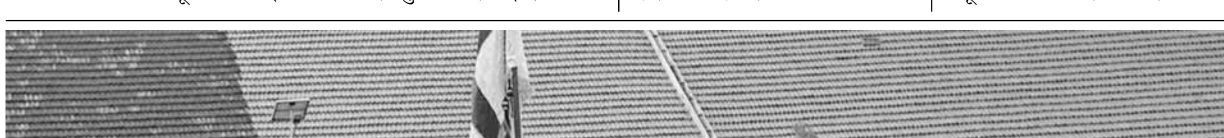

कोच्चि में वाइस एडमिरल ए.के. चावला फ्लैग आफिसर कमांडिंग इन चीफ दक्षिणी नौसेना कमान कोच्चि में नौसेना निवेश समारोह के दौरान परेड की सलामी लेते हुए।

बिहार के पूर्व डीजीपी गुप्तेश्वर पांडे को लेकर मेरा संदेह सही साबित हुआ: अनिल देशमुख

भाषा। मुंबई

महाराष्ट्र के गृह मंत्री अनिल देशमुख ने कहा है कि उन्हें संदेह था कि बिहार के पूर्व पुलिस प्रमुख गुप्तेश्वर पांडे अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मौत के मामले में भाजपा नेता की तरह बात कर रहे हैं और यह बात अब सही साबित हो गई है। राजपूत मौत मामले की सीबीआई जांच की मांग करने वाले पांडे महाराष्ट्र में गैर-भाजपा दलों के निशाने पर हैं। हाल ही में उन्होंने स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति ली है और कयास लगाए जा रहे हैं कि वह अक्टूबर-नवंबर में बिहार में होने वाले विधानसभा चुनाव में किस्मत आजमा सकते हैं।

पांडे के हालिया बयानों और भाजपा के साथ नजदीकी को लेकर महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ महा विकास अघाड़ी सरकार में साझेदार शिवसेना, राकांपा और कांग्रेस उनपर निशाना साध रहे हैं। देशमुख ने बृहस्पतिवार को गोंदिया में पत्रकारों से बात करते हुए भाजपा पर बिहार चुनाव के मद्देनजर साजिश के तहत महाराष्ट्र और इसकी पुलिस को बदनाम करने का आरोप भी लगाया।

राकांपा नेता ने कहा बीते डेढ़-दो महीने के दौरान आपने देखा कि वरिष्ठ पुलिस अधिकारी होने के बावजूद पांडे ऐसे बात कर रहे थे जैसे कि भाजपा के वरिष्ठ नेता हों और अब यह बात सही साबित हो गई है।

देशमुख ने कहा वह इस्तीफा दे चुके हैं...मैं केवल एक ही बात कहना चाहूंगा कि यह बिहार चुनाव को ध्यान में रखते हुए महाराष्ट्र और यहां की पुलिस को बदनाम करने की भाजपा की साजिश थी। पांडे ने मंगलवार को स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति लेने के बाद अगले दिन कहा था कि अब वह आजाद हैं और चुनाव लड़ना कोई गलत काम नहीं है।

पंजाब के पूर्व डीजीपी सैनी मोहाली की अदालत के समक्ष पेश हुए

चंडीगढ़। पंजाब के पूर्व पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) सुमेध सिंह सैनी शुक्रवार को मोहाली की एक अदालत के समक्ष पेश हुए और अपने खिलाफ जारी गिरफ्तारी वारंट को रद्द करने का अनुरोध किया। सैनी ने अदालत के समक्ष कहा कि वह वर्ष 1991 में बलवंत सिंह मुल्तानी की गुमशुदगी के मामले की जांच में शामिल होने को तैयार हैं।

अदालत ने पंजाब पुलिस की विशेष जांच दल (एसआईटी) को नोटिस जारी कर उनसे जवाब तलब किया और मामले की अगली सुनवाई की तारीख 30 सितंबर तय की। विशेष लोक अभियोजक सरतेज सिंह नरूला ने कहा कि पूर्व डीजीपी अपने वकील के साथ न्यायिक मैजिस्ट्रेट (प्रथम श्रेणी) रविंदर कौर की अदालत के समक्ष पेश हुए।

सैनी ने अपने आवेदन में कहा कि उच्चतम न्यायालय ने उन्हें मामले में गिरफ्तारी से अंतरिम संरक्षण दिया है और उनके खिलाफ जारी गैर-जमानती वारंट वापस ले लिया गया है। उन्होंने यह भी कहा कि वह जांच एजेंसी के समक्ष उपस्थित होने और आवश्यकता पड़ने पर किसी भी समय सहयोग करने के लिए तैयार हैं।

मोहाली के मटौर पुलिस थाने में एसआईटी के समक्ष पेश होने में विफल रहने के दो दिन बाद सैनी ने यह आवेदन दाखिल किया है। अदालत ने सैनी के खिलाफ 12 सितंबर को गिरफ्तारी वारंट जारी किया था और पुलिस को निर्देश दिया था कि सैनी को 25 सितंबर तक अदालत के समक्ष पेश करें। मुल्तानी की 1991 में गुमशुदगी के सिलसिले में पूर्व डीजीपी के खिलाफ मई में मामला दर्ज किया गया था। मुल्तानी अपनी गुमशुदगी के समय चंडीगढ़ उद्योग एवं पर्यटन निगम में जूनियर इंजीनियर के तौर पर कार्यरत थे। पुलिस ने मुल्तानी के लापता होने के संबंध में प्राथमिकी में पिछले महीने आईपीसी की धारा 302 के तहत हत्या के आरोप भी जोड़ दिए थे।

हार्दिक पटेल नहीं जा सकेंगे गुजरात से बाहर

अहमदाबाद। कांग्रेस नेता हार्दिक पटेल की वह अर्जी स्थानीय अदालत ने शुक्रवार को खारिज कर दी, जिसमें उन्होंने गुजरात से बाहर जाने से उन्हें प्रतिबंधित करने वाली जमानत की शर्त को अस्थाई तौर पर निलंबित करने का अनुरोध किया था। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश बी जे गणात्रा ने प्रदेश कांग्रेस कार्यकारी अध्यक्ष पटेल की अर्जी खारिज की। पटेल ने इसी अदालत द्वारा उन पर लगाई गई जमानत की शर्त को 12 सप्ताह तक निलंबित रखने का अनुरोध किया था। इस शर्त के मुताबिक, उन्हें राज्य से बाहर जाने से पहले अदालत की अनुमति लेनी होगी।

सत्र अदालत ने इस साल जनवरी में उन्हें जमानत देते हुए यह शर्त लगाई थी। 2015 के देशद्रोह के मामले में निचली अदालत में सुनवाई में अनुपस्थित रहने को लेकर पटेल को गिरफ्तार किए जाने के बाद सत्र अदालत ने उन्हें जमानत दी थी। सत्र अदालत ने शुक्रवार के अपने आदेश में पटेल की अर्जी खारिज करते हुए कहा कि याचिकाकर्ता जमानत की शर्त को अस्थाई तौर पर निलंबित करने का अनुरोध करने के लिए कोई तर्कसंगत आधार बताने में नाकाम रहे।

पटेल ने इस आधार पर राहत मांगी थी कि उन्हें प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष के तौर पर अपने दायित्वों को पूरा करने के लिए बार-बार राज्य से बाहर जाना होगा। कांग्रेस नेता ने यह भी कहा कि उन्हें उच्चतम न्यायालय में अपने वकीलों को शीर्ष न्यायालय में लंबित चार मामलों में अपने वकीलों से मशविरा करने की जरूरत है। उन्होंने दलील दी कि इन मामलों को शीघ्र ही सूचीबद्ध किए जाने की संभावना है।

अदालत ने अपने आदेश में कहा कि कोविड-19 महामारी के मद्देनजर ज्यादातर राजनीतिक कार्यक्रम ऑनलाइन और डिजिटल माध्यम से हो रहे हैं। 12 सप्ताह के लिए गुजरात से बाहर की यात्रा करने की अनुमति मांगने का पटेल का अनुरोध तर्कसंगत नहीं दिखता है। अदालत ने कहा कि कोविड-19 स्थिति के मद्देनजर यह स्वीकार करने का कोई आधार नहीं है कि याचिकाकर्ता को अपने वकील से आमने-सामने जा कर मिलना है, ना ही चारों मामलों को शीघ्र ही शीर्ष न्यायालय में सूचीबद्ध किए जाने की संभावना है।

मामले के जांच अधिकारी, साइबर अपराध पुलिस निरीक्षक आर जे चौधरी ने अपनी अर्जी में कहा कि पटेल ने गुजरात उच्च न्यायालय और निचली अदालत द्वारा लगाई जमानत की शर्तों का कई मौकों पर उल्लंघन किया है और अपने पते में बदलाव के बारे में पुलिस को सूचना नहीं दी तथा देशद्रोह मामले में सुनवाई में 61 बार अनुपस्थित रहे। पटेल को अहमदाबाद अपराध शाखा ने जनवरी में गिरफ्तार किया था। देशद्रोह मामले में अदालती कार्यवाही में कई बार अनुपस्थित रहने के बाद उन्हें गिरफ्तार किया गया था। यहां पाटीदार (समुदाय के) कोटा के लिए 25 अगस्त 2015 को एक रैली के बाद गुजरात के कई हिस्सों में हिंसा भड़क जाने के सिलसिले में अपराध शाखा ने पटेल के खिलाफ देशद्रोह का एक मामला दर्ज किया था। पटेल 2019 के लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस में शामिल हुए थे।

कोलकाता में प. बंगाल किसान मजदूर कांग्रेस कमेटी के सदस्य सब्जियों से भारत का नक्शा बनाकर किसान बिल का विरोध करते हुए।

देश की स्वास्थ्य सेवा से कोविड मृत्यु दर न्यूनतम और ठीक होने की दर अधिकतम रही: हर्षवर्धन

भाषा। नई दिल्ली

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन ने शुक्रवार को कहा कि 50 लाख से अधिक लोगों के कोरोना वायरस से संक्रमित होने के बीच देश की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली ने नैदानिक और प्रबंधन सुविधाएं प्रदान करने के साथ ही मृत्यु दर न्यूनतम और स्वस्थ होने की दर अधिकतम बनाए रखने में काफी दक्षता दिखाई है।

वह अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) नई दिल्ली के 65वें स्थापना दिवस पर एक कार्यक्रम में बोल रहे थे। स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, उन्होंने कहा कि देश में कोविड-19 मरीजों के ठीक होने की लगातार बढ़ रही दर और मृत्यु दर में कमी ने सभी राज्यों द्वारा अपनाई जा रही निषिद्ध रणनीति की कामयाबी को साबित किया है। हर्षवर्धन ने कहा, हमने अपनी परीक्षण क्षमता को सफलतापूर्वक बढ़ाया है और आज यह देश भर में फैली 1,800 से अधिक प्रयोगशालाओं के साथ लगभग 15 लाख के उच्च स्तर तक पहुंच गया है।

बयान में हर्षवर्धन के हवाले से कहा गया है, मुझे इलाज और कोविड-19 टीकों के क्षेत्र में हो रहे वैज्ञानिक विकास में पूरा भरोसा है तथा जल्दी ही भारत कोरोना वायरस संक्रमण के खिलाफ लड़ाई में अधिक सफलता हासिल करेगा। हर्षवर्धन ने मानव संसाधन और विकास मंत्रालय के तहत राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग ढांचा (एनआईआरएफ) से चिकित्सा संस्थानों में नंबर एक का स्थान पाने के लिए एम्स बिरादरी को बधाई दी। उन्होंने संतोष जताया कि 1956 में भारतीय संसद द्वारा स्थापित एम्स ने अपने उद्देश्यों को पूरा किया है।

उन्होंने कोरोना वायरस महामारी के दौरान संस्थान के उल्लेखनीय योगदान का भी स्वागत किया। हर्षवर्धन ने कहा, मैं सराहना करता हूं कि पिछले छह महीनों में, एम्स ने कोविड-19 मरीजों की देखभाल, अनुसंधान में नवाचार करने, देश भर में सहयोगियों का मार्गदर्शन तथा शिक्षण और संचार के नए तरीकों को विकसित करने की एक बड़ी जिम्मेदारी निभाई है। कार्यक्रम में स्वास्थ्य राज्य मंत्री अश्विनी कुमार चौबे ने कोविड के समय लगातार और निस्वार्थ प्रयासों के लिए चिकित्सा समुदाय की प्रशंसा की। बयान के अनुसार, उन्होंने कहा कि एम्स ने उच्च प्रतिष्ठा स्थापित की है तथा शैक्षणिक क्षेत्र, अनुसंधान और मरीजों की देखभाल में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इसने अमेरिका, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया, जर्मनी सहित कई अन्य देशों के छात्रों को आकर्षित किया है।

यह एक बड़ी उपलब्धि है। चौबे ने कहा कि केंद्र सरकार देश के कोने-कोने में एम्स की सेवाओं का प्रसार करने के लिए प्रयासरत है। हर्षवर्धन और चौबे ने कार्यक्रम के दौरान संकाय सदस्यों और स्नातक छात्रों को पुरस्कार और पदक प्रदान किए। हर्षवर्धन ने कहा कि एम्स का छात्र बनना हर मेडिकल छात्र का सपना होता है।

पुणे में शुक्रवार को पुणे मेट्रो परियोजना का निरीक्षण करते महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार

अफगान के पूर्व उपराष्ट्रपति अब्दुल रशीद दोस्तम से एस जयशंकर ने की बातचीत

भाषा। नई दिल्ली

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शुक्रवार को अफगानिस्तान के पूर्व उपराष्ट्रपति मार्शल अब्दुल रशीद दोस्तम के साथ वार्ता की जिसमें उस देश में शांति एवं स्थिरता लाने की ऐतिहासिक पहल सहित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई।

अफगानिस्तान के प्रभावशाली नेता दोस्तम की भारत यात्रा ऐसे समय में हुई हैं जब वहां 19 साल से जारी युद्ध को समाप्त करने के लिए हाल ही में तालिबान और अफगान सरकार के बीच पहली बार सीधी वार्ता हो हुई। वर्षो से जारी संघर्ष में अफगानिस्तान के विभिन्न इलाकों में कई हजार लोग मारे गए हैं। बैठक के बाद जयशंकर ने ट्वीट किया, भारत अफगान नीत, अफगान नियंत्रित और अफगानिस्तान के स्वामित्व वाली शंति प्रक्रिया को लेकर पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा, मार्शल अब्दुल रशीद दोस्तम से मिलकर प्रसन्न हूं। अफगानिस्तान और क्षेत्र से जुड़े घटनाक्रमों पर विचारों का आदान प्रदान किया। उनका व्यापक अनुभव और गहरी सोच प्रकट हुई।

वहीं, विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अनुराग श्रीवास्तव ने कहा कि दोस्तम ने विदेश सचिव हर्ष वर्द्धन श्रृंगला से भी मुलाकात की जिसमें अफगानिस्तान के समाज के सभी वर्गो के संवैधनिक अधिकार एवं व्यवस्था जैसे मुद्दों पर चर्चा हई। श्रीवास्तव ने ट्वीट किया, विदेश सचिव हर्ष वर्द्धन श्रृंगला ने मार्शल अब्दुल रशीद दोस्तम से मुलाकात की और अफगान शांति वार्ता एवं उभरती स्थिति को लेकर उनके विचार जाना। अफगानिस्तान के समाज के सभी वर्गो के संवैधनिक अधिकार एवं व्यवस्था के बारे में भी चर्चा हई। भारत ने अफगानिस्तान के प्रति दीर्घकालीन प्रतिबद्धता को दोहराया। गौरतलब है कि भारत अफगानिस्तान में शांति एवं स्थिरता में एक महत्वपूर्ण पक्षकार है। उसने अफगानिस्तान में सहायता एवं पुनर्निर्माण कार्यो में 2 अरब डालर से अधिक निवेश किया है।

12 सितंबर को दोहा में अंतर अफगान वार्ता के उद्घाटन समारोह में भारतीय शिष्टमंडल ने हिस्सा लिया था और जयशंकर इसमें वीडियो कांफ्रेंस के जरिए शामिल हुए थे। अमेरिका और तालिबान के बीच फरवरी में शांति समझौते पर हस्ताक्षर होने के बाद भारत उभरती राजनीतिक स्थिति पर करीबी नजर रखे हुए है।

आरेडिका में स्वच्छता विषय पर ऑनलाइन प्रतियोगिता

संवाददाता। रायबरेली

आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना में 16 सितंबर से चल रहे स्वच्छता पखवाड़ा के तहत शुक्रवार को आरेडिका में स्वच्छता विषय पर ऑनलाइन वस्तुनिष्ठ प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का शुभारंभ प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी ने किया। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले कर्मचारियों के व्हाट्सएप नंबर पर लिंक भेजा गया, जिसके माध्यम से सभी प्रतिभागी कार्यस्थल से ही इसमें शामिल हुए। प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने स्वच्छता पर कई सुझाव भी दिए।प्रधान मुख्य अभियंता और मुख्य यांत्रिक अभियंता उत्पादन की ओर से आरेडिका के फैक्ट्री परिसर, प्रशांति परिसर, शॉपिंग कांपलेक्स एवं प्रशानिक भवन में कर्मचारियों को एकल उपयोग प्लास्टिक पर अंकुश और स्च्छता के बारे में प्रशिक्षित किया गया।

रिया अपने भाई शौविक के जरिए सुशांत के लिए मंगवाती थी मादक पदार्थ: एनसीबी के अधिकारी

भाषा। मुंबई

● अधिकारी ने बताया कि शौविक ने माना कि वह परिहार और कैजान इब्राहिम के जरिए करता था यह काम

मादक पदार्थ नियंत्रण ब्यूरो (एनसीबी) के एक अधिकारी ने शुक्रवार को बताया कि रिया चक्रवर्ती अपने भाई शौविक के जरिए मादक पदार्थ मंगवाती थी और इसे सुशांत सिंह राजपूत को मुहैया करवाती थी। उन्होंने बताया कि अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मौत के मामले में मादक पदार्थ के पहलुओं की जांच कर रहे ब्यूरो को नशीले पदार्थों के नेटवर्क या जुड़ाव का पता चला है।

अधिकारी ने बताया कि उपनगर बांद्रा के निवासी और मादक पदार्थ के कथित तस्कर बासित परिहार से पूछताछ के दौरान शौविक चक्रवर्ती का नाम सामने आया। परिहार ने कथित तौर पर खुलासा किया कि वह अपने दोस्त शौविक के लिए मादक पदार्थ लाता था। अधिकारी ने बताया कि पूछताछ के दौरान शौविक ने माना कि वह परिहार और कैजान इब्राहिम के जरिए मादक पदार्थ मंगवाता था और इसे वह अपनी बहन रिया को देता था। रिया इसे सुशांत तक पहुंचा देती थी। उन्होंने दावा किया कि राजपूत का प्रबंधक सैमुअल मिरांडा और रसोइया दीपेश सावंत इसका प्रबंध करता था और अभिनेता को मादक पदार्थ देता था।

वाट्सऐप चैट में मादक पदार्थ से जुड़ी बात सामने आने के बाद जांच की शुरुआत हुई। प्रवर्तन निदेशालय को रिया और उसके परिवार के खिलाफ धन शोधन की जांच में इस चैट के बारे में पता चला। इसके बाद ईडी ने एनसीबी को सूचित किया। अधिकारी ने बताया, तकनीकी स्तर पर नेटवर्क के विश्लेषण के बाद जुड़ावों को खंगाला गया और 27-28 अगस्त की रात मादक पदार्थ नेटवर्क की गुत्थी उजागर हुई। उन्होंने कहा कि अब्बास लखानी और करन अरोड़ा को छापे के दौरान गिरफ्तार कर लिया गया और उनके पास से मादक पदार्थ को बरामद कर लिया गया। इसके बाद बांद्रा में भोजनालय चलाने वाले जैद विलात्रा को पकड़ा गया।

जैद के पास से 9.55 लाख रुपए, 2081 अमेरिकी डॉलर, 180 ब्रिटिश पाउंड और 15 दिरहम मुद्रा बरामद की गई। इसके बाद मामले में करनजीत, फर्नांडिस, गुप्ता, आफताब मोहम्मद, अंकुश और संकेत को गिरफ्तार किया गया। रिया और शौविक फिलहाल न्यायिक हिरासत में हैं। एनसीबी ने बॉलीवुड की टैलेंट मैनेजर जया साहा, राजपूत की पूर्व प्रबंधक श्रुति मोदी, निर्माता मधु मंटेना, फैशन डिजाइनर सिमोन खंभाटा, अदाकारा रकुल प्रीत सिंह और अदाकारा दीपिका पादुकोण की प्रबंधक करिश्मा प्रकाश के बयान दर्ज किए हैं।

पेज एक का शेष

हक मांगते...

शुक्रवार को सड़कों से नदारद रही। राज्य में सत्तारूढ़ कांग्रेस और विपक्षी आप ने किसानों के प्रदर्शनों को समर्थन दिया, वहीं शिरोमणि अकाली दल ने सड़क मार्ग बाधित करने की घोषणा की। मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह ने कृषि विधेयकों को पारित करने को गलत दिशा में उठाया गया कदम करार दिया। उन्होंने ट्वीट किया कि किसान हमारे समाज के आधार हैं और हाल में केंद्र सरकार द्वारा पारित कृषि विधेयक गलत दिशा में उठाया गया कदम है। हम मिलकर केंद्र पर किसान विरोधी विधेयकों को वापस लेने के लिए दबाव बनाएं। शिरोमणि अकाली दल प्रमुख सुखबीर सिंह बादल ने मुक्तसर जिले में ट्रैक्टर चलाकर विरोध किया। इस मौके पर पूर्व केंद्रीय मंत्री और उनकी पत्नी हरसिमरत कौर बादल उनके साथ ट्रैक्टर पर बैठी थीं। सुखबीर सिंह के नेतृत्व में ट्रैक्टर मार्च उनके बादल गांव स्थित आवास से निकला और यह लंबी में जाकर खत्म हुआ जहां पर पार्टी ने विधेयक के खिलाफ प्रदर्शन आयोजित किया था। प्रख्यात गायक हरभजन मान और रंजीत बावा सहित कई पंजाबी गायकों ने नाभा में किसानों के प्रदर्शन में हिस्सा लिया। राज्य के कई हिस्सों में किसान सड़क यातायात रोकने के लिए जमा हुए। महिला प्रदर्शनकारियों ने अमृतसर में किसान मजदूर संघर्ष समिति के बैनर तले प्रदर्शन किया। बरनाला जिले में किसानों ने कृषि विधेयकों के खिलाफ ट्रैक्टर में आग लगा दी। पंजाब में किसानों ने संगरुर-पटियाला, चंडीगढ़-बठिंडा, अंबाला-राजपुरा-लुधियाना और मोगा-फिरोजपुर सड़क को बाधित कर दिया। अमृतसर-पठानकोट पर शूट किए गए एक 33 सेकेंड के वीडियो में देखा गया कि प्रदर्शनकारियों ने एक एंबुलेंस और उसके पीछे चल रही एक कार को जाने के लिए रास्ता दिया। क्रांतिकारी किसान यूनियन के अध्यक्ष दर्शन पाल ने बताया कि उन्हें व्यापारियों, ट्रांसपोर्टर, टैक्सी चालकों समेत कई लोगों का समर्थन मिल रहा है। इस बीच, हरियाणा में किसानों ने रोहतक-झज्जर सड़क को बाधित कर दिया। किसानों ने रेवाड़ी, यमुनानगर सहित राज्य के कई स्थानों पर प्रदर्शन किया। अधिकारियों ने बताया कि अंबाला और पानीपत रेलवे स्टेशन पर अतिरिक्त सुरक्षाबलों की तैनाती की गई है। हरियाणा में भारतीय किसान यूनियन सहित कई संगठनों ने किसान संगठन द्वारा बुलाई गई राष्ट्रव्यापी बंद का समर्थन किया। अधिकारियों ने बताया कि राज्य में कानून व्यवस्था को बनाए रखने के लिए पर्याप्त संख्या में सुरक्षा कर्मियों की तैनाती की गई थी। प्रदर्शनकारियों ने आशंका व्यक्त की है कि केंद्र के कृषि सुधारों से न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की व्यवस्था खत्म हो जाएगी और कृषि क्षेत्र बड़े पूंजीपतियों के हाथों में चला जाएगा। किसानों ने कहा है कि जब तक तीनों विधेयक वापस नहीं लिए जाते, वे अपनी लड़ाई जारी रखेंगे। वहीं दिल्ली यूपी सीमा बॉर्डर पर सुबह से ही पुलिस की सरगर्मी देखी गई। कृषि बिल के विरोध में भारतीय किसान यूनियन की तरफ से यहां प्रदर्शन बुलाया गया था। दिल्ली-नोएडा बॉर्डर पर नोएडा गेट के आगे दोनों सड़कों पर सैकड़ों की संख्या में प्रदर्शनकारी जमा थे। यहां पर सुरक्षा के व्यापक इंतजाम थे। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में किसान आंदोलन का असर हरियाणा और पंजाब जैसा नहीं दिख रहा है, इसके जवाब में भारतीय किसान यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष और महेंद्र सिंह टिकैत के बेटे राकेश टिकैत कहते हैं, 'जिस तरह हरियाणा और पंजाब में किसान मंडियों पर निर्भर है उस तरह यहां किसान मंडियों पर निर्भर नहीं है क्योंकि इस इलाके में अधिकतर किसान गन्ने की खेती करते हैं।' उन्होंने कहा लेकिन यहां के किसान पंजाब और हरियाणा के किसानों के साथ है और किसानों के भारत बंद में हिस्सा ले रहे हैं। कृषि विधेयक के विरोध में भारतीय किसान यूनियन ने प्रदेश संगठन के आह्वान पर मेरठ में शुक्रवार को चक्का जाम किया। भारतीय किसान यूनियन के मंडल उपाध्यक्ष विनोद, जटौली युवा प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष नवाब सिंह अहलावत के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने चक्का जाम किया। किसानों का चक्का जाम करीब सवा घंटा चला। मेरठ जिले के सकौती में भी भारतीय किसान यूनियन के पदाधिकारियों ने धरना-प्रदर्शन किया। यहां भाकियू पदाधिकारी राजमार्ग पर बैठ गए, बाद में तहसीलदार को ज्ञापन देकर वहां से लौट गए। भाकियू के प्रदेश प्रवक्ता व मेरठ मंडल अध्यक्ष पवन खटाना ने आज के बंद को पूरी तरह सफल बताया और कहा कि किसानों को कमजोर समझने वाली सरकारों के लिए यह आंदोलन एक सबक रहेगा। बिहार जहां जल्द ही विधानसभा चुनाव होने जा रहे हैं। वहां भी किसानों ने प्रदर्शन किया। पटना में राजद नेता तेजस्वी यादव ट्रैक्टर चला रहे थे और उनके भाई तेज प्रताप यादव ऊपर बैठे हुए थे। यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। ट्रैक्टर मार्च तेजस्वी यादव के सरकारी आवास से शुरू हुआ, जो बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पटना स्थित अणे मार्ग के पीछे ही है। बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारी राज्यपाल के आवास की ओर बढ़े, जिन्हें सुरक्षा कारणों से कुछ देर के लिए पुलिस ने रोक दिया लेकिन उन्हें बाद में अनुमति मिल गई और वे बेली रोड की ओर चले गए। कर्नाटक में शुक्रवार को केन्द्र और राज्य सरकार की 'किसान विरोधी' नीतियों के खिलाफ आहूत बंद के दौरान किसानों ने विरोध-प्रदर्शन किया। राज्य के विभिन्न हिस्सों से भारी संख्या में किसान राजधानी बेंगलुरु पहुंचे और कृषि उत्पाद विपणन समिति (एपीएमसी) तथा कर्नाटक भूमि सुधार अधिनियम में संशोधनों के खिलाफ विरोध प्रकट किया। प्रदर्शनकारियों ने इन संशोधनों को 'किसान विरोधी' करार देते हुए आरोप लगाया कि सत्ता में बैठे कुछ लोग अपने कालेधन को सफेद बनाने के लिये ये अध्यादेश लेकर आए हैं। किसानों के एक समूह ने शहर के यशवंतपुर के निकट व्यस्त रहने वाले तुमकुरु रोड को बंद कर दिया। पश्चिम बंगाल में वाम दलों से जुड़े किसान संगठनों के सदस्यों ने कृषि विधेयकों को वापस लेने की मांग लेकर शुक्रवार को राष्ट्रव्यापी बंद के दौरान विरोध प्रदर्शन किया। माकपा के किसान मोर्चे 'सारा भारत कृषक सभा' और भाकपा, फॉरवर्ड ब्लॉक तथा आरएसपी जैसे वाम साझेदारों से जुड़े किसान संगठनों ने कई जिलों में रैलियां निकालीं और कुछ देर के लिये सड़कें भी जाम कीं। कुछ जगहों पर प्रदर्शनकारियों ने सब्जियां तथा कृषि उत्पाद लेकर जुलूस निकाला और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा कृषि मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर के खिलाफ नारेबाजी की।

विपक्ष पर...

वे (विपक्ष) अफवाहें फैलाकर किसानों को भ्रमित करने का प्रयास कर रहे हैं। मोदी ने कहा कि बहुत ही कम समय के भीतर हमने दशकों से चले आ रहे मामलों को निपटाया है। अनेक बड़े वादों को पूरा किया है। भाजपा के कार्यकर्ता के रूप में जिस संकल्प पत्र को लेकर आप घर-घर, द्वार-द्वार गए थे, आज जब देखेंगे तो पाएंगे कि कितनी तेजी से काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि 'हर घर जल' की योजना हो या हर गांव तक तेज इंटरनेट का वादा, ये करोड़ों देशवासियों के जीवन को आसान बनाने वाले हैं। उन्होंने कहा कि इसमें अनुच्छेद 370, अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण जैसे वो वादे भी शामिल हैं जो दशकों की हमारी तपस्या के आधार रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि संकल्प सिद्ध करने की हमारी ताकत को बनाए रखना है। मोदी ने कहा कि आजादी के बाद अनेक दशकों तक किसान और श्रमिक के नाम पर खूब नारे लगे, बड़े-बड़े घोषणा पत्र लिखे गए लेकिन समय की कसौटी ने सिद्ध कर दिया है कि वो सारी बातें कितनी खोखली थीं। मोदी ने ये बातें ऐसे समय में कही हैं जब देश के कई हिस्सों, खासकर पंजाब और हरियाणा में किसान संगठन कृषि से संबंधित तीन विधेयकों को लेकर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। इनमें आवश्यक वस्तु (संशोधन) विधेयक, 2020, कृषक उपज व्यापार और वाणिज्य (संवर्धन और सरलीकरण) विधेयक 2020 तथा कृषक (सशक्तीकरण और संरक्षण) कीमत आश्वासन एवं कृषि सेवा पर करार विधेयक, 2020 हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्र हित और जनहित के बजाय सत्ता को राजनीति का हिस्सा बना लिया गया और कुछ लोगों ने किसानों और श्रमिकों के नाम पर देश में और राज्यों में अनेक बार सरकारें बना ली। लेकिन उन्हें मिला क्या? सिर्फ वादों और कानूनों का उलझा हुआ एक ऐसा जाल जिसे ना तो किसान समझ पाता था, ना ही श्रमिक भाई-बहन समझ पाते थे। उन्होंने कहा कि किसानों को ऐसे कानूनों में उलझा कर रखा गया जिसके कारण वह अपनी ही उपज को अपने मन मुताबिक बेच भी नहीं सकता था। भाजपा मुख्यालय में पार्टी अध्यक्ष जे पी नड्डा, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, राज्यसभा में नेता सदन थावरचंद गहलोत सहित कई केंद्रीय मंत्रियों और वरिष्ठ पार्टी नेताओं की मौजूदगी के बीच प्रधानमंत्री ने रेहड़ी-पटरी वालों के लिए हाल ही में शुरू की गयी सामाजिक सुरक्षा योजना, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षण के प्रावधान को 10 और साल के लिए बढ़ाए जाने तथा सामान्य वर्ग के गरीबों के लिए 10 फीसदी आरक्षण की व्यवस्था किए जाने का जिक्र भी किया।

दीवाली के...

पर मतदान होगा। दूसरे चरण में 17 जिलों के 94 विधानसभा क्षेत्र शामिल होंगे और अंतिम चरण में 15 जिलों की 78 सीटों पर वोट पड़ेंगे। वर्ष 2015 की तुलना में जहां 65,337 पोलिंग बूथ थे, इस बार एक लाख से अधिक पोलिंग बूथ हैं। यही नहीं, 1,500 की तुलना में प्रति बूथ 1,000 से अधिक मतदाताओं को वोट डालने की अनुमति नहीं दी जाएगी। पहले चरण की अधिसूचना 1 अक्टूबर को जारी की जाएगी, जबकि नामांकन की अंतिम तारीख 8 अक्टूबर होगी और उम्मीदवारी की वापसी 12 अक्टूबर तक हो सकती है। दूसरे चरण के लिए अधिसूचना 9 अक्टूबर को जारी की जाएगी। नामांकन 16 अक्टूबर तक दाखिल किए जा सकते हैं और 19 अक्टूबर तक उम्मीदवारी वापस ली जा सकती है। तीसरे चरण की अधिसूचना 13 अक्टूबर को जारी होगी। नामांकन की अंतिम तिथि 20 अक्टूबर होगी और उम्मीदवारी वापसी की अंतिम तिथि 23 अक्टूबर को तय की गई है।

रैलियां भी...

बताया कि कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए चुनाव के दौरान लगभग 46 लाख मास्क, 6 लाख पीपीई किट, 6.7 लाख यूनिट फेस-शील्ड, 23 लाख (जोड़े) हैंड ग्लव्स की व्यवस्था की गई है। यही नहीं, विशेष रूप से मतदाताओं के लिए 7.2 करोड़ एकल-उपयोग वाले दस्तानों की व्यवस्था की जा रही है। चुनाव ड्यूटी में लगे कर्मचारियों को एन-95 मास्क, सेनेटाइजर और दस्ताने दिए जाएंगे। अरोड़ा ने कहा कि 2,30,000 प्रवासी श्रमिक, जो कोविड-19 महामारी के कारण अपनी नौकरी गंवाने के बाद बिहार लौट आए हैं, उन्हें भी राज्य में संषोधित मतदाता सूची में जोड़ा गया है।

चुनावी झटकों...

रहे हैं। राज्य में कोरोनो वायरस महामारी और बाढ़ का हवाला देकर विपक्षी राजनीतिक दल चुनाव स्थगित करने की मांग कर रहे थे, लेकिन आयोग ने उनकी मांग को खारिज कर दिया और उन्हें मजबूरन चुनाव में जाना पड़ रहा है।

कर विवाद...

में चुनौती दी। कंपनी से इस सौदे में पूंजीगत लाभ कर के रूप में 7,990 करोड़ रुपए (ब्याज और जुर्माना मिलाकर 22,100 करोड़ रुपए) की मांग की गई थी। सूत्रों ने कहा कि कर मांग ब्रिटेन में सूचीबबद्ध कंपनी पर थी और वोडाफोन की भारतीय उद्यम पर इसकी कोई देनदारी नहीं है। वोडाफोन ने अपने भारतीय दूरसंचार परिचालन का उद्योगपति कुमार मंगलम बिड़ला की कंपनी आइडिया में विलय किया। लेकिन विलय के बाद अस्तित्व में आई कंपनी वोडाफोन आइडिया लि. 7.8 अरब डॉलर की पिछले सरकारी बकाए की मांग से जूझ रही है। कर प्राधिकरण ने सितंबर 2007 में वोडाफोन इंटरनेशनल होल्डिंग्स बीवी को नोटिस जारी किया था। नोटिस में कंपनी पर हच्चिसन टेलीकम्युनिकेशंस इंटरनेशनल लि. को उसकी हिस्सेदारी खरीद के लिए किए गए भुगतान पर विदहोल्डिंग कर (स्रोत पर कर कटौती) काटने में असफल रहने की बात कही गई थी। वोडाफोन ने इस नोटिस को उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी जिसने 2012 में मामले का निपटान करते हुए कहा कि इस सौदे पर भारत में कर नहीं बनता और कंपनी को विदहोल्डिंग कर देने को लेकर कोई बाध्यता नहीं है। उसके बाद उसी साल मई में संसद ने वित्त कानून 2012 पारित किया जिसमें पूर्व की तिथि से कर के साथ आयकर कानून 1961 के विभिन्न प्रावधानों को संशोधित किया गया। इसके जरिए यह व्यवस्था की गई कि भारत स्थित संपत्तियों से कमाई वाले किसी सौदे में यदि विदेशी कंपनी में शेयरों का हस्तांरण हुआ है तो ऐसे सौदे से होने वाले लाभ पर पिछली तिथि से कर लगाया जा सकेगा। इसके बाद कंपनी को जनवरी 2013 में कर की मूल राशि के ऊपर ब्याज लगाकर 14,200 करोड़ रुपए का कर नोटिस दिया गया। एक साल बाद वोडाफोन ने कर मांग को नीदरलैंड बीआईटी में चुनौती दी। सूत्रों ने कहा कि अदालत के बाहर मामले का समाधान नहीं हो पाने के बाद कंपनी ने अप्रैल 2014 में मध्यस्थता का नोटिस दिया। कर विभाग ने 2016 में 22,100 करोड़ रुपए के कर की मांग को लेकर नोटिस दिया। वोडाफोन हमेशा कहती रही कि उस पर कोई देनदारी नहीं बनती और वह वोडाफोन इंडिया लि. से हच्चिसन सौदे को लेकर की जा रही कर मांग का पुरजोर विरोध करती रहेगी।वोडाफोन के अलावा भारत सरकार ने पूर्व की तिथि से कर कानून का उपयोग करते हुए ब्रिटेन की तेल खोज कार्य करने वाली कंपनी केयर्न एनर्जी से 10,247 करोड़ रुपए की मांग की थी। यह मांग कंपनी से 2006 में उसके भारतीय कारोबार का पुनर्गठन करने को लेकर की गई थी।

यस बैंक...

सीज किया गया है। इतना ही नहीं, ईडी ने डीएचएफएल प्रमोटर बंधु कपिल और धीरज वाधवां की भी 1400 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की है।

भारत में...

24 सितम्बर तक कुल 6,89,28,440 नमूनों की जांच की गई, इनमें से 14,92,409 नमूनों की जांच बृहस्पतिवार को की गई। आंकड़ों के अनुसार देश में पिछले 24 घंटे में जिन ।,141 लोगों की मौत हुई, उनमें से सबसे अधिक 459 लोग महाराष्ट्र के थे। इनके अलावा पंजाब के 76, उत्तर प्रदेश के 67, तमिलनाडु के 66, कर्नाटक के 65, पश्चिम बंगाल के 62, आंध्र प्रदेश में 52, मध्य प्रदेश के 45 और दिल्ली के 36 लोग थे। मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, अभी तक कुल 92,290 लोगों की मौत हुई है। इनमें सर्वाधिक 34,345 लोग महाराष्ट्र के थे। वहीं, तमिलनाडु के 9,076, कर्नाटक के 8,331, आंध्र प्रदेश के 5,558, उत्तर प्रदेश के 5,366, दिल्ली के 5,123, पश्चिम बंगाल के 4,606, गुजरात के 3,381, पंजाब के 3,066 और मध्य प्रदेश के 2,122 लोग थे। स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि संक्रमण से मरने वाले 70 प्रतिशत से अधिक मरीज दूसरी बीमारियों से भी पीड़ित थे। मंत्रालय ने अपनी वेबसाइट पर कहा, हमारे आंकड़ों का मिलान आईसीएमआर से किया जा रहा है।

नहीं रहे...

वाले एसपीबी को छह बार राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। 2001 में उन्हें पद्म श्री और 2011 में पद्म भूषण से भी सम्मानित किया गया। उनके परिवार में पत्नी, एक बेटा और एक बेटी है। एसपीबी के नाम से लोकप्रिय बालासुब्रमण्यम ने एक साक्षात्कार में काम को लेकर कड़ी मेहनत के कारण अपने बच्चों को बड़ा होते हुए नहीं देख पाने को लेकर अफसोस जताया था। उन्होंने 2015 में अपने करियर के 50वें साल की शुरुआत पर दिए इस साक्षात्कार में कहा था, मैं अपने बच्चों को बड़ा होते नहीं देख पाया। मैंने अपने जीवन के पूरे 49 साल गायकी के नाम कर दिए। मैं रोजाना 11 घंटे काम करता हूं। मैंने अपने बच्चों को बड़े होते नहीं देखा। बालासुब्रमण्यम के निधन की जानकारी देते हुए उनके बेटे और फिल्मकार एसपी चरण ने पत्रकारों से कहा कि पिता के प्रशंसकों के दिलों में उनके गीत हमेशा जिंदा रहेंगे। चरण ने बालासुब्रमण्यम के स्वास्थ को लेकर प्रार्थना करने वाले सभी लोगों, उनका उपचार करने वाले डॉक्टरों, नर्सों और सभी प्रशासनिक कर्मचारियों के हर सहयोग के लिए शुक्रिया भी अदा किया। एमजीएम हेल्थकेयर ने एक बयान में कहा कि तमाम कोशिशों के बावजूद आज सुबह बालासुब्रमण्यम की हालत और बिगड़ गई और उनके दिल ने काम करना बंद कर दिया था। उसने कहा, बेहद दुख के साथ हमें यह बताना पड़ रहा है कि दोपहर एक बजकर चार मिनट पर उनका निधन हो गया। अस्पताल ने उनके परिवार, दोस्तों और प्रशंसकों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है।

चैट ग्रुप...

यह है कि उस ग्रुप में जया साहा और करिश्मा भी थीं। जया साहा भी ग्रुप की एडमिन हैं। यह ग्रुप शुरू तो हुआ था क्वान टैलेंट मैनेजमेंट एजेंसी और दीपिका के बीच बिजनेस को लेकर, लेकिन देखते ही देखते यह ग्रुप ड्रग की लेन देन का जरिया बन गया। एनसीबी ने शुक्रवार को रकुलप्रीत सिंह से भी पूछताछ की है। करीब 4 घंटे की पूछताछ में रकुलप्रीत ने रिया चक्रवर्ती संग ड्रग चैट की बात कुबूल की, लेकिन साथ ही यह भी कहा कि उनका ड्रग से कोई लेना देना नहीं है। सारा ठीकरा रिया के सिर फोड़ते हुए रकुल ने कह दिया है कि रिया के ड्रग उनके घर पर थे और इसी को लेकर उनके और रिया के बीच चैट पर बात हुई थी।

अनंतनाग में...

में लश्कर के दो आतंकवादी मारे गए। अधिकारी ने बताया कि मुठभेड़ स्थल से हथियारों एवं गोला बारूद समेत आपत्तिजनक सामग्री बरामद की गई। कश्मीर के पुलिस महानिरीक्षक विजय कुमार ने संवाददाता सम्मेलन में बताया कि दोनों आतंकवादी लश्कर के कमांडर हैं। उन्होंने बताया, एक आतंकवादी की पहचान पाकिस्तान के अबु रेहान के रूप में की गई, वह मार्च 2019 से सक्रिय था। दूसरे आतंकवादी की पहचान आदिल रशीद भट के तौर पर हुई, वह भी लश्कर का कमांडर है। आईजीपी ने बताया, 14 अगस्त को नौगाम में दो पुलिसकर्मियों पर हुए हमले में भट शामिल था। उन्होंने बताया कि भट इन्सास राइफल लेकर भाग गया था जो मुठभेड़ स्थल से बरामद हुई। कुमार ने कहा कि दोनों आतंकवादियों को मार गिराना बलों के लिए एक बड़ी सफलता है। उन्होंने बताया कि ब्लॉक डेवलपमेंट परिषद के अध्यक्ष भूपिंदर सिंह की हत्या के पीछे भी लश्कर के आतंकवादियों का हाथ है। सिंह की बुधवार की शाम गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। सिंह की हत्या के मामले पर कुमार ने कहा, जांच की जा रही है और दो संदिग्धों को बुलाया है।

लाहिड़ी ने 69 का कार्ड खेला, संयुक्त 29वें स्थान पर

पुंटा काना (डॉमिनिकन गणराज्य)। भारतीय गोल्फर अनिर्बान लाहिड़ी ने कोरालेस पुंटाकाना रिजार्ट एवं क्लब चैम्पियनशिप के पहले दौर में वापसी करते हुए तीन अंडर 69 का कार्ड खेला। दूसरे होल मे ट्रिपल बोगी और तीसरे में बोगी करने वाले लाहिड़ी ने जल्द ही वापसी की और चौथे होल मे ईगल किया।

त्वेसा मलिक ने 72 का कार्ड खेला, कट में प्रवेश किया

नई दिल्ली। भारतीय गोल्फर त्वेसा मलिक ने लावाक्स महिला ओपन के दूसरे दौर में 72 का कार्ड खेलकर कट मे जगह बनाई। वह पिछले हफ्ते लेडीज यूरोपीय टूर पर लैकोस्टे ओपन डि फ्रांस में संयुक्त रूप से 10वें स्थान पर रही थी। त्वेसा 36 होल के बाद संयुक्त 31वें स्थान पर चल रही है। उन्होंने पहले दौर मे 74 का कार्ड खेला था।

शुभंकर संयुक्त 52वें और भुल्लर संयुक्त 98वें स्थान पर

बालीमेना (उत्तरी आयरलैंड)। भारतीय गोल्फर शुभंकर शर्मा यहां डीडीएफ आयरिश ओपन में बैक नाइन के सात होल में से चार मे बोगी करने से दो ओवर 72 का कार्ड ही बना सके शुभंकर ने दूसरे, चौथे और सातवें होल मे बर्डी लगाई जिससे वह एक अंडर पर थे। लेकिन बैक नाइन पर वह 10वें, 11वें, 13वें और 16वें होल मे चार बोगी कर बैठे।

आस्ट्रेलिया ने टेस्ट और वनडे श्रृंखला स्थगित की

मेलबर्न। क्रिकेट आस्ट्रेलिया (सीए) ने वैश्विक कोरोना वायरस महामारी के दौरान अंतरराष्ट्रीय मैचों के लिए कार्यक्रम निर्धारण की जटिलता का हवाला देते हुए शुक्रवार को अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट और न्यूजीलैड के खिलाफ वनडे श्रृंखला स्थगित कर दी। आस्ट्रेलिया को इस साल नवंबर में पर्थ मे अफगानिस्तान की मेजबानी करनी थी जबकि न्यूजीलैड टीम को जनवरी 2021 मे आना था लेकिन दोनो को ही अगले साल (2021-22) गर्मियो के सत्र तक स्थगित कर दिया गया है।

न्यूजीलैंड क्रिकेट को मेजबानी के लिए मंजूरी मिली

ऑकलैंड। न्यूजीलैंड क्रिकेट के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) डेविड व्हाइट ने शुक्रवार को कहा कि बोर्ड को आगामी गर्मियों मे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की मेजबानी के लिए सरकार से मंजूरी मिल गई है, जिसमे वेस्टइंडीज और पाकिस्तान के खिलाफ श्रृंखला शामिल है।

बायर्न म्यूनिख को सुपरकप चैंपियन बनाया

बुडापेस्ट। जावी मार्टिनेज के अतिरिक्त समय मे किए गोल से बायर्न म्यूनिख ने गुरुवार को सेविला को 2-1 से हराकर सुपरकप का खिताब हासिल किया। नियमित समय मे 1-1 की बराबरी रहने पर मैच अतिरिक्त समय में खिंच गया जहां 104वें मिनट मे मार्टिनेज ने गोल कर टीम को 2-1 से आगे कर दिया जो मैच खत्म होने तक बरकरार रहा।

सॉव का शानदार अर्धशतक, दिल्ली का दिखा दम

● चेन्नई को 176 रन का लक्ष्य दिया

भाषा। दुबई

सॉव ने 43 गेंदों पर 64, नौ चौके एक छक्का लगाया

युवा सलामी बल्लेबाज पृथ्वी सॉव के आकर्षक अर्धशतक की बदौलत दिल्ली कैपिटल्स ने चेन्नई सुपरकिंग्स के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच में शुक्रवार को यहां तीन विकेट पर 175 रन बनाए। सॉव (43 गेंदों पर 64, नौ चौके एक छक्का) और शिखर धवन (27 गेंदों पर 35, तीन चौके, एक छक्का) ने पहले विकेट के लिए 94 रन जोड़कर पहले बल्लेबाजी का न्योता पाने वाले दिल्ली को अच्छी शुरुआत दिलाई।

ऋषभ पंत (25 गेंदों पर नाबाद 37) और कप्तान श्रेयस अय्यर (22 गेंदों पर 26) ने भी तीसरे विकेट के लिए 58 रन की साझेदारी निभाई।

चेन्नई के गेंदबाजों की प्रशंसा करनी होगी जिन्होंने बीच के ओवरों और डेथ ओवरों में बल्लेबाजों को खुलकर नहीं खेलने दिया। लेग स्पिनर पीयूष चावला उसके सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने 33 रन देकर दो विकेट लिए। सैम कुरेन (27 रन देकर एक) दूसरे सफल गेंदबाज रहे। दिल्ली ने पावरप्ले के छह ओवरों में कोई विकेट नहीं गंवाया लेकिन केवल 36 रन बनाए। चेन्नई ने सॉव के खिलाफ पहले ओवर में विकेट के पीछे कैच की अपील नहीं की जबकि गेंद उनके बल्ले से निकलकर गई थी। सॉव ने इसका पूरा फायदा उठाया। पावरप्ले में दिल्ली की तरफ से चारों चौके उनके बल्ले से निकले थे जबकि धवन जूझते हुए नजर आए। सॉव ने आगे भी गेंद को सीमा रेखा तक पहुंचाना जारी रखा। जोश हेजलवुड पर एक शॉट के अलावा उनका हर शॉट किताबी था। उन्होंने 35 गेंदों पर अपना अर्धशतक पूरा किया और फिर रविंद्र जडेजा की गेंद छह रन के लिए भी भेजी।

स्कोर

दिल्ली कैपिटल्स : पृथ्वी सॉव स्टं धोनी बो चावला 64, शिखर धवन पगबाधा बो चावला 35, ऋषभ पंत नाबाद 37, श्रेयस अय्यर का धोनी बो कुरेन 26, मार्कस स्टोइनिस नाबाद 05, **अतिरिक्त** (लेग बाई 05, वाइड 03) 08, कुल (20 ओवर में, तीन विकेट पर) 175, **विकेट पतन** : 1-94, 2-103, 3-161, **गेंदबाजी** : चाहर 4-0-38-0, कुरेन 4-0-27-1, हेजलवुड 4-0-28-0, चावला 4-0-33-2, जडेजा 4-0-44-0

इससे पहले धवन ने जडेजा पर छक्के से अपने हाथ खोलने की कोशिश की थी।

वह अपने रंग में लौट पाते इससे पहले चावला ने उन्हें पगबाधा आउट कर दिया। चावला ने इसके बाद सॉव की पारी का भी अंत किया जिन्हें महेंद्र सिंह धोनी ने स्टंप आउट किया। लगातार दो विकेट गंवाने के बाद बीच के ओवरों में रन गति बढ़ाने की जिम्मेदारी पंत और अय्यर पर आ गई थी लेकिन 13वें ओवर में सॉव के आउट होने के बाद केवल सात चौके लगे। इनमें से पांच चौके पंत ने लगाए। कुरेन का 19वां ओवर बेहद किफायती रहा। इसमें उन्होंने केवल चार रन दिए और अय्यर को विकेट के पीछे कैच कराया। मार्कस स्टोइनिस पांच रन बनाकर नाबाद रहे।

कोहली-अनुष्का पर गावस्कर की टिप्पणी से हुआ विवाद

● गलत ढंग से पेश किया गया : सुनील

दुबई। सुनील गावस्कर शुक्रवार को इंडियन प्रीमियर लीग मैच के बाद भारतीय कप्तान विराट कोहली और उनकी पत्नी अनुष्का शर्मा पर टिप्पणी करके विवाद में फंस गए लेकिन इस महान बल्लेबाज ने कहा कि इसे गलत ढंग से पेश किया गया जिसे सोशल मीडिया पर महिला विरोधी बताया जा रहा है। किंग्स इलेवन पंजाब के खिलाफ यहां गुरूवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर कप्तान कोहली का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा। मैच के दौरान दो कैच छोड़ने के बाद कोहली बल्लेबाजी में भी विफल रहे और पांच गेंदों पर महज एक रन ही बना सके। कोहली तब क्रीज पर ही थे, जब गावस्कर ने हिंदी में कमेंट्री करते हुए कहा, वह (कोहली) जानते हैं कि जितना अभ्यास करेंगे उतना बेहतर बनेंगे। जब लॉकडाउन था तो सिर्फ अनुष्का की गेंदबाजी पर उन्होंने अभ्यास किया, हमने वीडियो देखी है, उससे कुछ नहीं होना है। यह टिप्पणी रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर कप्तान कोहली और अनुष्का के प्रशंसकों को अच्छी नहीं लगी और इनमें से कुछेक ने तो बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट बोर्ड) से गावस्कर को स्टार स्पोर्ट्स के कमेंट्री पैनल से बर्खास्त करने का भी अनुरोध कर दिया और सोशल मीडिया पर उनकी आलोचना की। अनुष्का ने इस पर प्रतिक्रिया करते हुए अपने इंस्टाग्राम पेज पर एक बयान डाला और कहा कि गावस्कर की टिप्पणी अप्रिय थी। वह इस बात से खफा थीं कि इतने सम्मानजनक क्रिकेटर ने उनके नाम का जिक्र बेवजह किया। उन्होंने लिखा, मिस्टर गावस्कर आपका संदेश अप्रिय था, यह तो सच है लेकिन मैं चाहूंगी कि आप इसका जवाब दें कि आपने एक पत्नी पर ऐसी बेकार टिप्पणी करने की क्यों सोची जिसमें उस पर अपने पति के खेल के लिए आरोप लगाया गया हो? उन्होंने लिखा, मुझे पूरा भरोसा है कि खेल की कमेंट्री करते समय आपने इतने वर्षों तक हर क्रिकेटर की निजी जिंदगी का सम्मान किया। आपको नहीं लगता कि आपको मेरे और हमारे लिए इतना ही सम्मान रखना चाहिए? उन्होंने लिखा, मुझे पूरा भरोसा है कि मेरे पति के प्रदर्शन पर टिप्पणी करने के लिए आप अपने दिमाग में कई शब्द और वाक्य रख सकते थे या फिर आपके शब्द तभी उचित होते जब आप इसमें मेरे नाम का इस्तेमाल करते? पिछले कुछ वर्षों में कुछ मौकों पर बालीवुड अभिनेत्री अनुष्का को 31 साल के कोहली के मैदान पर खराब प्रदर्शन के लिए जिम्मेदार ठहराया गया।

कोहली पर धीमी ओवर गति के लिए 12 लाख रूपए का जुर्माना

दुबई। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के कप्तान विराट कोहली पर यहां किंग्स इलेवन पंजाब के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग मैच के दौरान धीमी ओवर गति के लिए 12 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया। गुरूवार को हुए इस मुकाबले में बेंगलोर की टीम को 97 रन से हार का सामना करना पड़ा। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की विज्ञप्ति के अनुसार, आईपीएल के न्यूनतम ओवर गति उल्लंघन से संबंधित आचार संहिता के अंतर्गत उनकी टीम का यह सत्र का पहला उल्लंघन था, कोहली पर 12 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया।

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि जय कौर पत्नी स्वर्गीय श्री संतोख सिंह निवासी जे-1830, चित्तरंजन पार्क, नई दिल्ली-110019 ने भारत सरकार के गृह मंत्रालय के सचिव के पास भारत की नागरिकता के लिए आवेदन किया है, इसके लिए कोई भी व्यक्ति उन्हें किसी कारण से जानता हो कि नागरिकता क्यों नहीं दी जानी चाहिए, उन्हें उपरोक्त सचिव के पास अपना हस्ताक्षर उक्त सच्चा बयान भेजना चाहिए।

नई दिल्ली
दिनांक 23.09.2020

PUBLIC NOTICE

This is to inform you that Ms. Neha Kapoor, Komal Ajmani & Pranika Ajmani W/o Shri Rahul Kapoor, Shamit Ajmani & Nikhil Ajmani are the title holder of Property/DDA Flat bearing No 501,Pocket-2,Block F2A,Golf links Residency,Sector 18B,Dwarka New Delhi mail:kapdevelopments@gmail.com by virtue of the Sale Certificate duly registered as Registration No.19667 in Book No 1, Volume No 4726 pages No 190 to 195 dated 19-09-2019 in the office of the sub registrar II B,Janakpuri, New Delhi, That my client has lost the Original offer to Possession dated 19.03.2013,NOC to obtain Water & Electricity Connections dated 19.03/2013 and original Possession Slip date 5.04.2013 all issued by the Delhi Development Authority in Favour of Parvez Ahmad Dar in respect DDA Flat bearing No.501,Pocekt 2,Block F2A,Golf links Residency, Sector 18B, Dwarka, New Delhi have been Lost/misplaced in lieu of report dated 17.09.2020 with Delhi Police bearing LR NO 580655/2020 Dated 17.09.2020 has been filed. Any person (s) company (ies),Banks (s) etc. is in possession of the above mentioned documents or having information of the same is requested to put fourth their claims(s) if any, with supporting documents to be delivered to the undersigned within 15 days of publication of this notice, post expiration of which any claim(s) objections, if raised shall be treated as null, void and as waived.

J.C. MAHINDRO, ADVOCATE
M-197, Greater Kailash, Part-II, New Delhi-48
MOBILE: 9810138091

बल्लेबाजी को लेकर मैं आश्वस्त नहीं था : राहुल

भाषा। दुबई

किंग्स इलेवन पंजाब के कप्तान लोकेश राहुल ने कहा कि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग मैच से पहले वह अपनी बल्लेबाजी को लेकर बहुत आश्वस्त नहीं थे। राहुल ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में भारतीय खिलाड़ियों में सर्वोच्च स्कोर का रिकार्ड बनाया। उन्होंने नाबाद 132 रन बनाए जिससे किंग्स इलेवन ने पहले बल्लेबाजी का न्योता मिलने पर तीन विकेट पर 206 रन बनाए और फिर आरसीबी की टीम 17 ओवर में 109 रन पर आउट करके 97 रन से बड़ी जीत दर्ज की। राहुल ने हालांकि जीत का श्रेय पूरी टीम को दिया। अपनी शानदार पारी के लिए मैन आफ द मैच बने राहुल ने कहा, यह टीम के लिहाज से संपूर्ण प्रदर्शन था इसलिए खुश हूं। असल में मैं अपनी बल्लेबाजी को लेकर आश्वस्त नहीं था। कल मेरी मैक्सी (ग्लेन मैक्सवेल) से बात हुई थी और मैंने कहा था कि मुझे अपनी बल्लेबाजी पर पूरा नियंत्रण नहीं लग रहा है। उसने कहा कि तुम मजाक कर रहे हो। तुम बहुत अच्छी तरह से हिट कर रहे हो।

अनिल सर ने मुझे संयम बरतने और काबिलियत पर भरोसा रखने को कहा: बिश्नोई

दुबई। किंग्स इलेवन पंजाब के युवा स्पिनर रवि बिश्नोई ने कहा कि मुख्य कोच अनिल कुंबले ने उन्हें सलाह दी कि हमेशा शांत रहो और बतौर गेंदबाज अपनी काबिलियत पर भरोसा रखो। टीम की गुरूवार रात इंडियन प्रीमियर लीग मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर पर मिली 97 रन की जीत में 20 साल के बिश्नोई ने तीन विकेट चटकाए। बिश्नोई ने कहा, अनिल सर ने हमेशा मुझे अपनी गेंदबाजी काबिलियत और कौशल पर भरोसा रखने को कहा है।

कार्तिक की कप्तानी पर केकेआर की नजर

भाषा। अबुधाबी

● सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ केकेआर का मुकाबला आज

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के शुरूआती मुकाबले में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के कप्तान दिनेश कार्तिक की योजनाओं की आलोचना हुई जो शनिवार को यहां सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मैच में टीम के जीत का खाता खोलना चाहेंगे। केकेआर की टीम ने पिछले सत्र की तुलना में कई बदलाव किए लेकिन बुधवार को मुंबई इंडियन्स के खिलाफ उनकी योजना को देखकर लगा कि कार्तिक ने पिछली गल्तियों से सबक नहीं लिया है। मुंबई इंडियन्स के खिलाफ मैच 49 रन से गंवाने के बाद एक बार फिर ताबड़तोड़ बल्लेबाज आंद्रे रसेल की बल्लीबाजी क्रम को लेकर सवाल उठे। पिछले सत्र में 249 गेंदों में लगभग 205 के स्ट्राइक रेट से सबसे ज्यादा 510 रन बनाने वाला जमैका का यह बल्लेबाज छठे क्रम पर बल्लेबाजी के लिए उतरा, जब टीम की मुश्किलें काफी बढ़ गई थी। विश्व कप विजेता कप्तान इयोन मोर्गन भी ज्यादा कुछ नहीं कर सकें क्योंकि जब वह बल्लेबाजी के लिए आए तो टीम को 13 रन प्रतिओवर के हिसाब से रन जुटाने थे।

गेंदबाजी में भी स्पिनर सुनील नरायण को देर से गेंदबाजी करने की कार्तिक के फैसले की आलोचना हो रही है। नारायण जब गेंदबाजी के लिए आए तब तक रोहित शर्मा ने लय हासिल कर ली थी। आक्रामक क्रिकेट के लिए जाने जाने वाले कोच ब्रेंडन मैकुलम का टीम से रक्षात्मक खेल देखना उम्मीदों के मुताबिक नहीं था। सनराइजर्स हैदराबाद की स्थिति भी पहले मैच में अच्छी नहीं रही। रॉयल चैलेंजर बेंगलोर के खिलाफ टीम का मध्यक्रम बुरी तरह बिखर गया। आखिरी पांच ओवर में टीम को जीत के लिए 43 रन चाहिए थे लेकिन वे सिर्फ 32 रन ही जुटा सकें और इस दौरान सात विकेट गंवा कर 10 रन से मैच हार गए। टीम के लिए एक और बुरी खबर यह रही कि हरफनमौला मिशेल मार्श चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गए। पिछले मैच में रन आउट होने वाले कप्तान डेविड वार्नर इस बार बल्ले से खुद को साबित करना चाहेंगे तो वही यह देखना दिलचस्प होगा कि केन विलियमसन चोट से उबर कर वापसी करते है या नहीं। उनके आने से टीम का मध्यक्रम मजबूत होगा। सनराइजर्स की गेंदबाजी हमेशा प्रभावशाली रही है और ऐसा लगता है कि इस मुकाबले में अफगानिस्तान के मोहम्मद नबी को मौका मिल सकता है जो हमवतन राशिद खान के साथ स्पिन गेंदबाजी का भार संभालेंगे। भुवनेश्वर कुमार तेज आक्रमण की अगुवाई करेंगे।

पहचान की अपील

एतदद्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि एक व्यक्ति का शव जिसका **नामः** सिलवेश@सिल्वर, **पुत्रः** भोले राम, **पताः** वेगाबांड रेन बसेरा लोधी रोड़ नई दिल्ली, जिसकी **उम्रः** करीब 55 साल, **कदः** 5'4", **रंगः** गेहुआ, **चेहराः** गोल, **शरीरः** मोटा, **बालः** गंजा और ग्रे दाढ़ी, **पहनावाः** नीले रंग की पेन्ट एवं सफेद रंग की कमीज पहने हुए हैं। जो दिनांक **12.09.2020** को कैट्स एम्बुलेंस के द्वारा बेहोशी की अवस्था में सफदरजंग अस्पताल में एमएलसी नं. 0022190/20 के साथ भर्ती कराया गया, जिसको डॉक्टरों द्वारा मृत घोषित किया गया। इस संदर्भ में **डीडी सं. 13ए, दिनांक 12.09.2020** को **पुलिस थाना, लोधी कॉलोनी, नई दिल्ली** में दर्ज है।

सिलवेश@सिल्वर

स्थानीय पुलिस द्वारा हर संभव कोशिश के बाद भी इस मृत व्यक्ति का कोई भी सुराग नहीं मिल पाया है। अगर किसी को इस मृत व्यक्ति के बारे में कोई जानकारी मिले तो कृपया निम्नलिखित फोन नम्बरों पर सूचित करें।

ई-मेल : cic@cbi.gov.nic.in
फोन.: 011-24368638, 24368641
फैक्स : 011-24368639
DP/243/SD/2020

थानाअध्यक्ष, पुलिस थाना, लोधी कॉलोनी, नई दिल्ली
फोनः 011-24611753, 8750870829

जीएसटी के पहले दो साल में क्षतिपूर्ति राशि का हुआ अन्यत्र इस्तेमाल, कानून का हुआ उल्लंघनः कैग

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने माल एवं सेवा कर (जीएसटी) व्यवस्था के कार्यान्वयन के पहले दो साल में जीएसटी मुआवजे की 47,272 करोड़ रुपए की राशि को गलत तरीके से रोककर कानून का उल्लंघन किया है। नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की रिपोर्ट में यह खुलासा किया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि सरकार ने जीएसटी मुआवजा उपकर का इस्तेमाल अन्य उद्देश्यों के लिए किया, जो जीएसटी क्षतिपूर्ति उपकर कानून का उल्लंघन है। इस राशि का इस्तेमाल राज्यों को होने वाले राजस्व नुकसान की भरपाई के लिए ही किया जाना था। सरकारी खातों पर जारी अपनी ऑडिट रिपोर्ट में कैग ने कहा है कि इस राशि को सतत जीएसटी क्षतिपूर्ति उपकर संग्रह कोष में डाला जाना था। वर्ष 2017 से जीएसटी लागू किए जाने के बाद राज्यों को होने वाले राजस्व नुकसान की भरपाई के लिए यह कोर्ष बनाया गया। रिपोर्ट में कहा गया है कि सरकार ने ऐसा नहीं किया, जो जीएसटी कानून का उल्लंघन है। जीएसटी मुआवजा उपकर कानून, 2017 के तहत उपकर लगाने का प्रावधान है, जिससे राज्यों को जीएसटी के कार्यान्वयन से होने वाले राजस्व नुकसान की भरपाई की जाती है। कानून और लेखा प्रक्रिया के तहत किसी वर्ष के दौरान उपकर के रूप में जुटाई गई राशि को जीएसटी मुआवजा उपकर कोष में जमा कराना होता है। यह लोक खाते का हिस्सा होता है। 2017-18 में 62,612 करोड़ रुपए की राशि क्षतिपूर्ति उपकर के रूप में जुटाई गई। इसमें से 56,146 करोड़ रुपए की राशि ही उपकर कोष में स्थानांतरित की गई। इसी तरह 2018-19 में उपकर से 95,081 करोड़ रुपए की राशि जुटाई गई, जबकि 54,275 करोड़ रुपए की राशि ही क्षतिपूर्ति कोष में स्थानांतरित की गई।

सोने में 324 रुपए और चांदी में 3,124 रुपए का उछाल

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सुधार आने पर दिल्ली सर्राफा बाजार में शुक्रवार को सोने की कीमत 324 रुपए बढ़कर 50,824 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई। इससे बहुमूल्य धातुओं में पिछले चार सत्र से चली आ रही गिरावट पर ब्रेक लग गया। एचडीएफसी सिक्योरिटीज ने यह जानकारी दी है। पिछले दिन के कारोबार में सोना 50,500 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। चांदी भी 2,124 रुपए के उछाल के साथ 60,536 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई जो कि पिछले कारोबारी सत्र में 58,412 रुपए प्रति किलोग्राम पर थी। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस) तपन पटेल ने कहा, दिल्ली में 24 कैरेट सोने की कीमत में 324 रुपए की तेजी रही।

THE PIONEER CLASSIFIEDS

नाम परिवर्तन

मैं कुबेर भारती पुत्र-श्री चोलमन भारती, मकान संख्या-141 गली नंबर -1 एल, बी ब्लॉक, बाबा कॉलोनी, बुराड़ी, दिल्ली-110084 अब कुबेर गिरि के नाम से जाना जाउंगा। नोटरी पब्लिक एफिडेबिट दिनांक 15 सितंबर, 2020 के अनुसार, अब से सभी कार्यों में मैं कुबेर गिरि के नाम से व्यवहार किया जाउंगा।

PD(8747)C

बाजार में छह दिनों से जारी गिरावट पर लगा विराम

● चौतरफा लिवाली से सेंसेक्स 835 अंक उछला

भाषा। मुंबई

शेयर बाजारों में पिछले छह कारोबारी सत्रों से जारी गिरावट पर शुक्रवार को विराम लग गया और बीएसई सेंसेक्स 835 अंक उछलकर 37,000 अंक से ऊपर पहुंच गया। वैश्विक बाजारों में कुछ सुधार के बाद निवेशकों ने लिवाली को तरजीह दी। कारोबारियों के अनुसार अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपए में 28 पैसे की तेजी से भी बाजार धारणा को बल मिला।

तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स बढ़त के साथ खुला और कारोबार के दौरान सकारात्मक दायरे में रहा। अंत में यह 835.06 अंक यानी 2.28 प्रतिशत मजबूत होकर 37,388.66 अंक पर बंद हुआ। इसी प्रकार, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 244.70 अंक यानी 2.26 प्रतिशत उछलकर 11,050.25 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स में शामिल सभी 30 शेयर लाभ में रहे। बजाज फिनसर्व, एचसीएल टेक, भारती एयरटेल, इंडसइंड बैंक, एल एंड टी, टीसीएस, ओएनजीसी, आईसीआईसीआई बैंक, बजाज फाइनेंस और एसबीआई 6.64 तक मजबूती में रहे। साप्ताहिक आधार पर सेंसेक्स 1,457.16 अंक यानी 3.83 प्रतिशत जबकि निफ्टी 454.70 अंक यानी 4.04 प्रतिशत नीचे आया। अमेरिकी सांसदों के वित्तीय प्रोत्साहन पर काम करने और अगले सप्ताह इस पर मतदान की रिपोर्ट के बाद वैश्विक बाजारों में स्थिरता आई। कोटक सिक्योरिटीज के उपाध्यक्ष (पीसीजी शोध) संजीव जरबदे ने कहा, अमेरिका में अगर प्रोत्साहन पैकेज दिया जाता है तो इससे बाजार को मदद मिलेगी। लेकिन बाजार यदि यहां से नीचे जाता है तो, निवेशकों को भविष्य में संपत्ति सृजित करने को लेकर अच्छी गुणवत्ता वाले शेयर लेने चाहिए। वैश्विक स्तर पर एशिया के अन्य बाजारों में जापान में तोक्यो और दक्षिण कोरिया में सोल लाभ के साथ बंद हुए जबकि चीन में शंघाई और हांगकांग नुकसान के साथ बंद हुए। शुरूआती कारोबार में यूरोप के प्रमुख शेयर बाजारों में मिला-जुला रुख रहा। इस बीच, विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 28 पैसे मजबूत होकर 73.61 पर पर बंद हुआ। वही, वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.05 प्रतिशत मजबूत होकर 41.96 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था।

सरकार ने चेहराहित आयकर अपील प्रणाली की शुरुआत की, अधिसूचना जारी

भाषा। नई दिल्ली

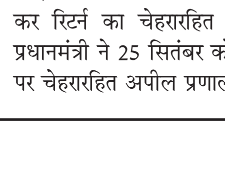

सरकार ने शुक्रवार चेहराहित आयकर अपील प्रणाली को परिचालन में लाने के लिए अधिसूचना जारी कर दी। इस प्रणाली का मकसद ईमानदार करदाताओं को सम्मान देना और कर संग्रह में पारदर्शिता लाना है। वित्त मंत्रालय ने बयान में कहा कि इस चेहराहित (फेसलेस) अपील प्रणाली में सभी आयकर अपीलों को करदाता और कर अधिकारी के आमने-सामने आए बिना अंतिम रूप दिया जाएगा। हालांकि, गंभीर धोखाधड़ी, बड़ी कर चोरी, संवेदनशील और छापेमारी के मामलों, अंतरराष्ट्रीय कर और कालाधन कानून के तहत आने वाले मामले इसके तहत नहीं आएंगे। बयान में कहा गया है कि इस बारे में आवश्यक गजट अधिसूचना भी जारी कर दी गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 13 अगस्त को पारदर्शी कराधान- ईमानदार का सम्मान मंच के तहत कर रिटर्न का चेहराहित आकलन और करदाता चार्टर जारी किया था। प्रधानमंत्री ने 25 सितंबर को पंडित दीनदयाल उपाध्याय की वर्षगांठ के मौके पर चेहराहित अपील प्रणाली शुरू करने की भी घोषणा की थी।

कोविड-19 महामारी के बीच मुख्य वित्त अधिकारियों का भरोसा रिकॉर्ड निचले स्तर पर : सर्वे

नई दिल्ली। कोविड-19 महामारी के बीच तीसरी तिमाही में देश की वित्तीय और वृहद आर्थिक स्थिति को लेकर मुख्य वित्त अधिकारियों (सीएफओ) का विश्वास 15 प्रतिशत घटकर रिकॉर्ड निचले स्तर पर आ गया है। एक सर्वे में यह जानकारी दी गई है। डन एंड ब्रैडस्ट्रीट का कम्पोजिट सीएफओ विश्वास सूचकांक 2020 की तीसरी तिमाही में 15 प्रतिशत घटकर 74.2 के निचले स्तर पर आ गया। यह सूचकांक का रिकॉर्ड निचला स्तर है। सर्वे में करीब 350 मुख्य वित्त अधिकारियों की राय को शामिल किया गया है।

ICICI Bank

शाखा कार्यालयः आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, छठवी मंजिल, एस.डी. टॉवर, प्लॉट नं- 7 कम्युनिटी सेंटर, सेक्टर- 8, रोहिणी, नई दिल्ली- 110085

सार्वजनिक सूचना - संरक्षित संपत्ति की बिक्री हेतु निविदा-सह-नीलामी

नियम 8 (6) का परंतुक देखें,
अचल सम्पत्तियों की बिक्री हेतु बिक्री सूचना

अचल संपत्तियों के विक्रय के लिये ई-नीलामी विक्रय सूचना वित्तीय आस्तियों के प्रतिभूतिकरण और पूनः निर्माण तथा प्रतिभूति हित अधिनियम, 2002 के अन्तर्गत सहठित प्रतिभूति ब्याज प्रवर्तन नियम, 2002 की धारा 8(6) के साथ अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए जारी की गई है।

सर्वजन तथा व्यक्तिगत रुप से कर्जदार एवं जमानतदार को इस सूचना द्वारा सूचित किया जाता है कि नीचे दर्शायी गई अचल संपत्ति के संरक्षित ऋणदाता के पास बंधक/ अधिभारित है उनका भौतिक अधिग्रहण आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड (संरक्षित ऋणदाता) के प्राधिकृरित अधिकारी द्वारा कर लिया गया है एंव दर्शाये विवरण अनुसार उनके द्वारा "जहाँ है, जैसी है" एवं जैसी है, वैसी है" एवं जिस भी स्थीति में है" के आधार पर अचल संपत्ति के विक्रय के लिये प्रस्ताव आमंत्रित किये जा रहे है :-

क्र. सं.	कर्जदार (रों)/ सह-कर्जदारों/ गारंटरों का नाम/ ऋण खाता संख्या	प्रत्याभूत आस्ति का विवरण, ऋणभारों सहित, यदि कोई	बकाया राशि (रू. में)	सुरक्षित मूल्य (रू. में) / धरोहर राशि जमा (रू. में)	सम्पत्ति निरीक्षण की तिथि एवं समय	नीलामी की तिथि एवं समय
(ए)	(बी)	(सी)	(डी)	(ई)	(एफ)	(जी)
1.	मेसर्स अभियान कार्गो प्राइवेट लिमिटेड (कर्जदार), मेसर्स अभियान लोजिस्टिक्स प्राइवेट लिमिटेड (जमानतदार) श्री नारायण प्रसाद लोहिया (जमानतदार) श्री पुलक वर्धन लोहिया (जमानतदार) श्री निकेश ड्रोलिया (जमानतदार) खाता नंबर- 000751000404	कॉमर्शियल प्रॉपर्टी प्रिमाइस नं- 61 ए है, एंबेसडर अपार्टमेंट्स, पार्क स्ट्रीट, फर्स्ट फ्लोर पर सूट नंबर -12, पी. एस. पार्क स्ट्रीट, कोलकाता-700016. कार्पेट क्षेत्र 1700 वर्ग फीट (बिक्री प्रति के अनुसार) और सुपर निर्मित क्षेत्र- 2444 वर्ग फीट	रू. 16,71,05 361.54/- (अगस्त 31, 2020 तक)	रू. 3,08,00,000/- / रू. 30,80,000/-	नवम्बर 02, 2020 को सु. 11:00 बजे से दो. 02:00 बजे तक	नवम्बर 12, 2020 को सु. 11:30 बजे से

ऑनलाइन नीलामी हमारी नीलामी संस्था मैसर्स नेक्सजेन सॉल्युशन्स प्राइवेट लिमिटेड की, वेबसाइट **(URL Link https://disposalhub.com)** पर संचालित होगी। बंधकदाताओं/ सूचना प्रेषितकर्ताओं कों **नवम्बर 11, 2020** को **शाम 05.00** बजे से पूर्व तक कुल बकाया राशि उस पर आगे ब्याज सहित भुगतान करने का अंतिम अवसर दिया जाता है, जिससे विफल रहने पर यह संरक्षित सम्पतियों की बिक्री निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार की जाएगी।

संभावित बोलीकर्ता (बोलीकर्ताओं) को बयाना राशि (ईएमडी) डिमाण्ड ड्राफ्ट (डीडी) (सारणी **ई** संदर्भ करें) जो **आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, छठवी मंजिल, एस.डी. टॉवर, प्लॉट नं- 7 कम्युनिटी सेंटर, सेक्टर- 8, रोहिणी, नई दिल्ली- 110085** में जमा करना अनिवार्य है एवं इसके पश्चात् वे अपना प्रस्ताव उपरोक्त वर्णित वेबसाइट के माध्यम से ईएमडी के भुगतान साक्ष्य अर्थात बैंक डीडी पावति की स्कैन इमेज सहित दिनांक- **नवम्बर 11, 2020** तक **दोपहर 03.00** बजे से पूर्व जमा करे। कृपया नोट करें कि संभावित बोलीकर्ता (बोलीकर्ताओं) वेबसाइट के माध्यम से उनके प्रस्ताव को जमा कराने में विफल रहने पर वे **आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, छठवी मंजिल, एस.डी. टॉवर, प्लॉट नं- 7 कम्युनिटी सेंटर, सेक्टर- 8, रोहिणी, नई दिल्ली- 110085** में निविदा प्रलेखों की हस्तांक्षरित प्रति को दिनांक **नवम्बर 11, 2020** को **शाम 05.00** बजे से पूर्व तक जमा करवा सकते हैं। बयाना राशि का डिमाण्ड ड्राफ्ट पे आर्डर किसी भी राष्ट्रीयकृत/ शैडूल्ड बैंक द्वारा **आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड** के पक्ष में **दिल्ली** शाखा में भुगतान हेतु होना चाहिए।

सम्पति अवलोकन, नीलामी के नियम एवं शर्तो तथा निविदा प्रक्रिया के संदर्भ में स्पष्टीकरण हेतु कृपया **आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड** को फोन नंबर **09163343439 / 09560905989** या मैसर्स **नेक्सजेन साल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड** को फोन नंबर **08697008233 / 09810029926** पर संपर्क करे।

कृपया नोट करें कि मार्केटिंग एजेंसिया **1. नेक्सजेन साल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड 2. ओजीओ असेट मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड** इस सम्पति की बिक्री में सुगमता हेतु सलंग्न है।

प्राधिकृत अधिकारी बिना किसी कारण दर्शाये किसी एक अथवा अधिक निविदा अथवा बोली को निरस्त करने का अधिकार सुरक्षित रखते है। बिक्री की विस्तृत नियमो एवं शर्तो हेतु कृपया वेबसाइट **www.icicibank.com/n4p4s** पर संपर्क करे।

तिथि : सितंबर 25, 2020
स्थान : नई दिल्ली

प्राधिकृत अधिकारी
आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड

नीतीश ने जलवायु परिवर्तन पर संरा में राज्य के सतत विकास प्रयास किए साझा

भाषा। संयुक्त राष्ट्र

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने जलवायु परिवर्तन पर आयोजित एक बैठक में अपने राज्य की नीतियों और पर्यावरण अनुकूल कृषि तथा जल संरक्षण सहित सतत विकास प्रयासों को साझा किया जिनका उद्देश्य वैश्विक तापमान 1.5 सेल्सियस ने नीचे रखने के लक्ष्य को पाने में योगदान देना है।

यह बैठक संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस की ओर से आयोजित की गई थी। संयुक्त राष्ट्र महासभा के 75वें सत्र से इतर क्लाइमेंट एंबीशन विषय पर वीडियो कान्फ्रेंस के जरिए आयोजित उच्च स्तरीय गोलमेज बैठक में शिरकत करने वाले कुमार एकमात्र भारतीय नेता थे। उन्होंने कहा कि बिहार जहां वैश्विक आबादी के दो प्रतिशत लोग हैं, 2015 के पेरिस समझौते में उल्लेखित अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं को पूरा करने में एक अहम पक्षकार है। कुमार ने अपने वीडियो संबोधन में कहा, बिहार में जलवायु परिवर्तन के प्रभावों जैसे अनियमित वर्षा, अत्यधिक गर्मी, गिरते भूजल स्तर, सूखे और भीषण बाढ़ को ध्यान में रखते हुए हमने जल विकास और हरियाली अभियान के तहत अपनी रणनीति तैयार की है। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार का दृढ़ विश्वास है कि जीवन का कोई भी रूप तभी संभव है जब पानी और हरित क्षेत्र हो। कुमार ने कहा, हमारी नीति में जलवायु अनुकूल कृषि, सतह और भूजल का संरक्षण, सौर ऊर्जा, स्वच्छ ईंधन और जैव विविधता संरक्षण शामिल है और यह हमें सतत विकास के मार्ग पर आगे ले जा रही है। उन्होंने कहा , विश्व में सबसे अधिक जनसंख्या घनत्व वाले स्थानों में से एक होने के बावजूद हम खाद्य सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए खाद्य वनीकरण के साथ ही हरित क्षेत्र भी बढ़ा रहे हैं। हमने इसके लिए राज्य के बजट में 3.5 अरब डॉलर अतिरिक्त आवंटित किए हैं। कार्य मिशन मोड पर चल रहा है।कुमार ने कहा, यह 1.5 डिग्री सेल्सियस के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए वैश्विक प्रयासों में महत्वपूर्ण योगदान देगा। बैठक में गुतारेस ने अपने संबोधन में कहा, सभी कारकों – सरकारें, शहर कंपनियां, गैर-सरकारी संगठन और अंर्ताष्ट्रीय संगठनों को 2050 से पहले नेट-शून्य के लिए अपनी स्वयं की योजना बनाने की आवश्यकता है। गौरतलब है कि नेट जीरो उत्सर्जन का मतलब इंसान के कार्यों से उत्पन्न ग्रीन हाउस गैस के उत्सर्जन को कम करते हुए इसे एकदम समाप्त करना है।

दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति मून जे-इन, इचोन में सेना के विशेष युद्ध कमान में 72 वें सशस्त्र बल दिवस के अवसर पर एक समारोह के दौरान

शार्ली एब्दो के पूर्व कार्यालय के पास हमला, चार घायल

एपी। पेरिस

● वारदात को अंजाम देने वाला व्यक्ति हिरासत में, अभी तक हमले का मकसद नहीं जान सकी हैं जांच एजेंसियां

फ्रांस की राजधानी पेरिस में व्यंग्यात्मक साप्ताहिक पत्रिका शार्ली एब्दो के पूर्व कार्यालय के पास शुक्रवार को चाकू से किए गए हमले में चार लोग घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी।

एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि अधिकारियों को शुरू में ऐसा लगा था कि हमले में दो लोग शामिल थे, लेकिन अब उनका मानना है कि यह सिर्फ एक व्यक्ति था और उसे पूर्वी पेरिस में बास्तील प्लाजा के पास हिरासत में ले लिया गया।

हमले का मकसद अभी पता नहीं चल पाया है और यह भी स्पष्ट नहीं हो पाया है कि क्या यह घटना शार्ली एब्दो से संबद्ध है, जिसने इस्लामी चरमपंथियों द्वारा 2015 में साप्ताहिक पत्रिका के कार्यालय पर हमले के बाद यहां अपना कामकाज समेट लिया था। उस घटना में 12 लोग मारे गए थे। अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने हमलावरों या घायलों की पहचान सार्वजनिक नहीं की है।

प्रधानमंत्री जीन कास्टेक्स ने पेरिस के एक उत्तरी उपनगर की यात्रा बीच में ही रोक दी, ताकि वह घटनाक्रमों की निगरानी के लिए गृह मंत्रालय जा सकें। शाली एब्दो हमला मामले में मुकदमा शहर में चल रहा है। इस घटना के सिलसिले में शुक्रवार दोपहर गवाही होनी थी।

साल के अंत तक आ सकता है कोरोना वैक्सीन

वाशिंगटन। व्हाइट हाउस ने बृहस्पतिवार को कहा कि कोविड-19 के टीके के साल के अंत तक आने की उम्मीद है और यदि ऐसा होता है, तो यह किसी भी वायरस के टीके को विकसित करने में लगा सबसे कम समय होगा।व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव केली मेकनैनी ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा, हम उम्मीद कर रहे हैं कि टीका साल के अंत तक आ जाएगा। यह हमारा हमेशा से लक्ष्य रहा है और हम इस पर काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने वाणिज्यिक स्तर पर निर्माण के संबंध में जो किया है, वह बेहद महत्वपूर्ण हैं।मेकनैनी ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रम्प ने पहले ही टीकों के निर्माण की क्षमता बढ़ाने की तैयारी कर ली है। उन्होंने कहा, ऐसा करने के लिए, आम तौर पर वाणिज्यिक-स्तर के उत्पादन में कई वर्षों का समय लगता है, लेकिन राष्ट्रपति ने कुछ महीनों में ही यह कर दिखाया।

भारतीय उपमहाद्वीप में अलकायदा कर सकता है छोटे हमले: अमेरिकी अधिकारी

भाषा। वाशिंगटन

● लगातार बनाए गए दबाव के चलते आतंकी संगठन बाहरी देशों में किसी बड़ी आतंकी वारदात को अंजाम देने में अक्षम, अपने अस्तित्व को बचाए रखना चाहता है संगठन

वैश्विक स्तर पर प्रतिबंधित अलकायदा इन इंडियन सब कांटिनेंट (एक्यूआईएस) अब संभवत: केवल छोटे पैमाने पर स्थानीय हमले करने में सक्षम है। यह बात अमेरिका के आतंकवाद निरोधक केंद्र के निदेशक ने सीनेट की एक समिति में बताई है।

उल्लेखनीय है कि भारतीय उपमहाद्वीप में अलकायदा की गतिविधियों को बढ़ाने के लिए इस आतंकवादी संगठन के प्रमुख अयमान अल जवाहिरी ने वर्ष 2014 में एक्यूआईएस की स्थापना की थी।

राष्ट्रीय आतंकवाद रोधी केंद्र के निदेशक क्रिस्टोफर मिलर ने सीनेट समिति से बृहस्पतिवार को कहा, दक्षिण एशिया में एक्यूआईएस अपने नेता असीम उमर की वर्ष 2019 में अमेरिकी कार्वाई के दौरान अफगानिस्तान में मारे जाने बाद दोबारा उबरने की कोशिश कर रहा है और संभवत: छोटे स्तर पर क्षेत्रीय हमले करने में ही सक्षम है।

अमेरिका के आंतरिक सुरक्षा पर खतरे को लेकर सीनेट की गृह सुरक्षा और सरकारी मामलों की समिति के समक्ष बयान देते हुए मिलर ने बताया कि मार्च के मध्य में एक्यआईएस ने नवई अफगान जिहाद का विशेष संस्करण प्रकाशित किया जिसमें अमेरिका-तालिबान समझौतों की प्रशंसा की गई थी, जो करार पर अलकायदा नेताओं के रुख को प्रतिबिंबित करता है।

मिलर ने कहा, अंतत: अफगानिस्तान में अलकायदा की उपस्थिति कुछ दर्जन लड़ाकों तक सीमित हो गई है और उनकी प्राथमिकता अपने अस्तित्व को बचाए रखने की है। ऐसे में वे लगातार बनाए गए आतंकवाद रोधी दबाव की वजह से संभवत: देश से बाहर हमले करने में सक्षम नहीं है। मिलर के मुताबिक दो दशक पहले आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक लड़ाई शुरू की गई थी और अमेरिका ने उल्लेखनीय रूप से आतंकवादी खतरे को कम किया है। उन्होंने कहा, आज अमेरिका और हमारे सहयोगियों के लिए खतरा कम है लेकिन वर्ष 2001 के मुकाबले अधिक बिखरा हुआ है।

दक्षिण कोरिया के अधिकारी की हत्या का मामला

किम जोंग ने घटना पर जताया गहरा खेद

एपी। सियोल

● आरोप लगाया गया था कि उत्तर कोरिया ने दोनों देशों की समुद्री सीमा पर उसके एक अधिकारी की हत्या कर दी है

उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने दक्षिण कोरिया के अधिकारी की गोली मारकर हत्या किए जाने पर शुक्रवार को कहा कि इस अप्रत्याशित और दुर्भाग्यपूर्ण घटना को लेकर उन्हें बहुत अफसोस है। दक्षिण कोरिया के अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। दक्षिण कोरिया ने आरोप लगाया था कि उत्तर कोरिया ने दोनों देशों की समुद्री सीमा पर उसके एक अधिकारी की गोली मारकर हत्या कर दी है।

किम के इस रुख से दक्षिण कोरिया में उत्तर-कोरिया विरोधी भावना कम होने की उम्मीद जताई जा रही है। साथ ही, यह भी माना जा रहा है कि पिछले सप्ताह हुई अधिकारी की हत्या के बाद दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति मून जे एन के तल्ख रवैए में भी नरमी आएगी।मून के सलाहकार सुह हून ने उत्तर कोरियाई नेता के संदेश का हवाला देते हुए कहा, कॉमरेड किम जोंग उन ने राष्ट्रपति मून जे इन और दक्षिण कोरिया की जनता से इस अप्रत्याशित और दुर्भाग्यपूर्ण घटना को लेकर अफसोस प्रकट किया है।

जर्मनी के बर्लिन शहर में ब्रांडेनबर्ग गेट पर फ्राइडर्स फॉर फ्यूचर विरोध रैली में शामिल लोग

स्वतंत्र-निष्पक्ष चुनाव का परिणाम स्वीकार करेंगे ट्रम्प: व्हाइट हाउस

संवाददाता। वाशिंगटन

व्हाइट हाउस ने कहा है कि यदि अमेरिका में राष्ट्रपति पद के लिए स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव होते हैं, तो देश के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प चुनाव परिणाम स्वीकार करेंगे।

व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव केली मेकनैनी ने ऐसे समय में यह बयान दिया है, जब राष्ट्रपति ने तीन नवंबर को होने वाले चुनाव में हार मिलने की स्थिति में सत्ता के शांतिपूर्वक हस्तांतरण को लेकर प्रतिबद्धता जताने से इनकार करके हाल में विवाद खड़ा दिया है।मेकनैनी ने सत्ता के शांतिपूर्ण हस्तांतरण को लेकर आश्वासन मांगने संबंधी सवाल के जवाब में कहा, राष्ट्रपति स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव के परिणाम स्वीकार करेंगे, लेकिन मुझे लगता है कि यदि आप यह प्रश्न डेमोक्रेटिक पार्टी से पूछे, तो बेहतर होगा, क्योंकि उसके नेता पहले ही कह रहे हैं कि वे चुनाव परिणाम स्वीकार नहीं करेंगे।

मेकनैनी से पत्रकार ने सवाल किया गया था, मैं उस बात का जिक्र कर रहा हूं, जब राष्ट्रपति से यह पूछा गया था कि क्या सत्ता का शांतिपूर्वक हस्तांतरण होगा, तो उन्होंने हां नहीं कहा था, इसलिए मैं अब पूछ रहा हूं कि यदि वह चुनाव हार जाते हैं, तो क्या सत्ता का शांतिपूर्वक हस्तांतरण होगा? प्रेस सचिव ने कहा, दक्षिण कैरोलाइना के डेमोक्रेट नेता जिम क्लिबर्न ने कहा कि ट्रम्प निष्पक्ष चुनाव होने पर जीत नहीं पाएंगे। सीनेटर बारबरा बॉक्सर ने कहा कि ट्रम्प के जीतने का एक मात्र जरिया यह है कि वह उसे चुरा लें।

उन्होंने कहा, वाशिंगटन पोस्ट ने शीर्षक दिया था कि ट्रम्प के जीतने पर डेमोक्रेट परिणाम पर संभवत: भरोसा नहीं करेंगे। हिलेरी क्लिंटन ने कहा था कि जो बाइडेन को किसी भी हाल में हार नहीं माननी चाहिए। मेकनैनी ने कहा, राष्ट्रपति स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव के परिणाम स्वीकार करेंगे। वह अमेरिकी लोगों की इच्छा स्वीकार करेंगे।

उल्लेखनीय है कि ट्रम्प ने चुनाव में हार की स्थिति में सत्ता के शांतिपूर्ण हस्तांतरण को लेकर प्रतिबद्धता जताते से इनकार कर दिया था और ईमेल या डाक के जरिए मतदान (मेल-इन-बैलेट) को लेकर संदेह व्यक्त करते हुए इसे अनर्थ करार दिया था।

व्हाइट हाउस में बुधवार को संवाददाता सम्मेलन में ट्रम्प से सवाल किया गया कि चुनाव में हार मिलने की स्थिति में क्या वह व्हाइट हाउस शांतिपूर्वक छोड़ देंगे? इसके जवाब में ट्रम्प ने कहा, हम देखेंगे कि क्या होता है।

वैटिकन के प्रमुख कार्डिनल का इस्तीफा

रोम। वैटिकन के संत नियुक्ति कार्यालय के एक प्रमुख कार्डिनल एंजेलो बेससियू ने बृहस्पतिवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया।

हाल ही में एक घोटाले में उनका नाम सामने आया था। वैटिकन ने हालांकि इस बारे में कोई जानकारी नहीं दी कि पोप फ्रांसिस ने उनका इस्तीफा क्यों स्वीकार किया। वैटिकन ने एक पंक्ति का बयान जारी कर कहा कि फ्रांसिस ने बेससियू का इस्तीफा स्वीकार कर लिया।

वैटिकन के राज्य सचिवालय में दूसरे नंबर पर रहे बेससियू का नाम वेटिकन के लंदन रियल एस्टेट सौदे में निवेश से जुड़े घोटाले में सामने आया है। इसमें वैटिकन को बिचौलियों को शुल्क के रूप में लाखों यूरो देने पड़े थे। इस मामले में वैटिकन के अभियोजकों ने बिचौलियों सहित कई अधिकारियों के खिलाफ जांच शुरू की है पर इसमें बेससियू को शामिल नहीं किया गया है।

ट्रम्प प्रशासन ने छात्रों, पत्रकारों के वीजा की तय समयसीमा क प्रस्ताव पेश किया

भाषा। वाशिंगटन

ट्रम्प प्रशासन ने अमेरिका में विदेशी छात्रों, अनुसंधानकर्ताओं और पत्रकारों के वीजा के लिए एक निर्धारित समयसीमा का बृहस्पतिवार को प्रस्ताव पेश करते हुए कहा कि वह मौजूदा वीजा कार्यक्रम के दुरुपयोग को लेकर चिंतित है और इससे राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरा बढ़ने की आशंका है।

प्रस्ताव को शुक्रवार को फेडरल रजिस्टर में अधिसूचित किया जाएगा। हालांकि इस प्रस्ताव में किसी एक देश के नाम का जिक्र नहीं है, लेकिन इसे प्रणाली में मौजूदा खामियों का चीन द्वारा दुरुपयोग किए जाने के मद्देनजर लाया गया है। विदेशी छात्रों, अनुसंधानकर्ताओं और पत्रकारों की वीजा श्रेणियों में सर्वाधिक लाभ चीन को ही हुआ है।

प्रस्तावित नियम के तहत एफ (छात्र वीजा) या जे (अनुसंधानकर्ता वीजा) गैर प्रवासियों को उनका कार्यक्रम समाप्त होने की अंतिम तिथि तक के लिए अमेरिका में प्रवेश दिया जाएगा और इसकी अधिकतम अवधि चार साल होगी।अमेरिकी गृह मंत्रालय ने कहा कि जिन देशों के नागरिकों के वीजा की अवधि समाप्त होने के बाद भी अमेरिका में रहने की दर अधिक है, उनके नागरिकों को दो साल की तय अवधि के लिए ही रहने की अनुमति होगी।

मंत्रालय ने कहा कि यदि कोई विदेशी आतंकवाद को समर्थन देने वाले देशों की सूची में शामिल देश में जन्मा है या उसके पास ऐसे किसी देश की नागरिकता है, तो ऐसी स्थिति में भी उसके अमेरिका में ठहरने की अवधि अधिकतम दो साल के लिए सीमित की जा सकती है।

इसके अलावा मंत्रालय ने आई गैर प्रवासियों (विदेशी पत्रकारों) के लिए 240 दिन की समय सीमा तय करने का प्रस्ताव रखा हैं, जिसे उनके कार्य को देखते हुए अधिकतम 240 और दिनों के लिए बढ़ाया जा सकता हैं। इस समय, आई वीजा पर कई विदेश पत्रकार अमेरिका में दशकों से रह रहे हैं।

मंत्रालय ने बताया कि विदेशी छात्रों को देश छोड़ने के लिए अब मौजूदा 60 दिन के बजाय 30 दिन मिलेंगे। हितधारकों को इस अधिसूचना का जवाब देने के लिए 30 दिन का समय दिया जाएगा। उसने कहा कि विदेशी छात्रों, अनुसंधानकर्ताओं को मीडियाकर्मियों की संख्या बढ़ने के कारण उसके लिए उनकी निगरानी करना मुश्किल हो गया है।

नार्वे के सम्राट अस्पताल में भर्ती

कोपनहेगन। नार्वे के 83 वर्षीय सम्राट हेराल्ड पंचम को ओस्लो के मुख्य अस्पताल में शुक्रवार को भर्ती कराया गया। नार्वे के राजमहल ने यह जानकारी दी। हालांकि राजमहल ने हेराल्ड पंचम के स्वाथ्य के बारे में कोई और जानकारी नहीं दी। राजमहल ने बताया कि उनके बेटे और उत्तराधिकारी राजकुमार हाकून ने नार्वे सरकार के साथ निर्धारित बैठकों सहित अपने पिता के सभी दायित्व संभाल लिए हैं। उल्लेखनीय है कि 17 जनवरी 1991 में हेराल्ड पंचम ने पिता और नार्वे के तत्कालीन राजा ओलव के निधन के बाद गद्दी संभाली थी। हेराल्ड 14वीं सदी से अबतक के पहले नार्वे में मूल रूप से जन्मे राजा हैं। उन्होंने एक राजकुमार होते हुए आम लड़की से शादी की और वर्ष 2011 में उस समय देशवासियों का दिल जीत लिया जब एंडर्स बेहेरिंग ब्रेविक द्वारा की गई सामूहिक हत्या के बाद उन्होंने देशवासियों के साथ शोक का नेतृत्व किया। वर्ष 2016 में हेराल्ड ने अपने भाषण में समलैंगिक अधिकारों का समर्थन किया था।

तुर्की और ग्रीस के बीच एजियान सागर में चल रही तनातनी के बीच विस्थापितों को लेकर जाता हुआ तुर्की का जहाज

लुप्त होने के कगार पर खड़े वन्यजीव की पड़ताल करती एक कहानी

टाइगर्स : हंटिंग द ट्रैफिकर्स

बीबीसी अर्थ चैनल पर प्रसारित होने वाली सीरीज़ 'टाइगर्सः हंटिंग द ट्रैफिकर्स, दक्षिण-पूर्व एशिया के इस शिकारी जानवर के विनाश पर एक इन्वेस्टीगेशन है और इसे किया है रॉयल नेवी के पूर्व कमांडो एल्डो केन ने। इस खोजपरक सीरीज़ में बताया गया है कि किस प्रकार कृत्रिम और अवैध फार्म बनाकर इस जानवर के विलुप्त होने की तैयारी की जा रही है। प्रस्तुत है टीम पायनियर की एक रिपोर्ट-

टाइगर अर्थात बाघ के अवैध व्यापार ने इस सुंदर जानवर के अस्तित्व पर ही संकट खड़ा कर दिया है। अवैध बाघ फार्म बनाकर अपने आर्थिक लाभ के लिए इसका अवैध व्यापार कर रहे लोगों के बारे में इस सीरीज़ में खुलासा किया गया है। पूर्व रॉयल मरीन कमांडो एल्डो ने इसकी तस्करी के मलयेशिया, चीन, थाईलैंड, लाओस और वियतनाम में फैले इस व्यापार को करने वालों की छिपकर फिल्म भी बनाई है। साथ ही वो उन लोगों से भी मिले जो पशुओं की सुरक्षा, संरक्षा का महती कार्य पूरे दायित्व से निभा रहे हैं। वो इस सीरीज़ को 'टाइगर्स : हंटिंग द ट्रैफिकर्स, का नाम देते हैं जिसका अर्थ है अवैध व्यापारियों का शिकार। उनकी इस साहसिक और रोचक सीरीज़ में उन निष्ठुर, संगठित वन्य अपराधियों की गहन पड़ताल की गई है। ये एक प्रकार से वन्यजीवन तस्करों के विरुद्ध धर्मयुद्ध छेड़ने जैसा ही है। इससे उन निरीह पशुओं के जीवन में कुछ सकारात्मक बदलाव अवश्य देखने को मिलेंगे। इन बदलावों से ही संभव है कि इस अद्भुत पशु को उसका अस्तित्व समाप्त होने से पहले बचाया जा सके।

प्रस्तुत है उनसे साक्षात्कार के प्रमुख अंश-

❑ आपकी ये ये फिल्म किस बारे में है?

हम इसमें ये देखते हैं कि किस प्रकार दक्षिण-पूर्व एशिया में बड़ी संख्या में अवैध टाइगर फार्म बनाकर टाइगर की अस्थि, मदिरा और ग्लू जैसे उत्पादों की मांग को बढ़ाया गया है। आज टाइगर की तस्करी एक बड़ा व्यापार बन चुकी है। टाइगर उत्पादों की बढ़ती मांग के कारण विश्व में टाइगर्स की संख्या पर विपरीत असर पड़ रहा है क्योंकि वनों में पाए जाने वाले टाइगर के उत्पादों को अधिक मूल्य पर खरीदा बेंचा जाता है। इस फिल्म के माध्यम से अवैध टाइगर फार्म बनाकर संबंधित उत्पादों की मांग को पूरा करने में लगे अंडरवर्ल्ड को भी सामने लाया गया है। इसमें उन जटिल समस्याओं को भी उठाया गया है जो इस व्यापार से जुड़ी हैं और इस संकटग्रस्त पशु के अस्तित्व की रक्षा को लेकर जागरूकता भी इसका एक उद्देश्य है। हमनें अन्य जांचकर्ताओं के साथ अवैध टाइगर फार्म के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी जुटाई है ताकि जो लोग ऐसा करके लाभ कमाने में लगे हैं उन्हें सामने लाया जा सके। दक्षिणपूर्व एशिया में वन्य टाइगर्स की संख्या निरंतर कम होती जा रही है और इस बात की भी आशंका है कि कहीं टाइगर विलुप्त ही न हो जाए। यही कारण है कि इस अवैध व्यापार को रोकना अवश्यंभावी है।

❑ किस बात से प्रभावित होकर आप इस प्रोजेक्ट से जुड़े थे?

चूंकि मैंने 16 वर्ष की आयु में ही रॉयल नेवी में प्रवेश ले लिया था, मैंने विश्व भ्रमण तथा दक्षिण-पूर्व के जंगलों में काफी समय व्यतीत किया है। आज भी मुझे वो रोमांचक क्षण याद हैं कि किस प्रकार मैं जंगली जानवरों के साथ रहा करता था। यही कारण है कि मैं तभी से इस अद्भुत जानवर की समस्याओं से अवगत हूं और उसके लिए कुछ करना चाहता था।

कुछ साल पहले मैं ग्रेन मीडिया के निर्देशक ऑरलेंडो वॉन एंसीडेल से ऐसी जोखिमयुक्त कहानियों के बारे में बात कर रहा था जिन्हें मेरे अनुसार सामने लाया जाना चाहिये। तब ये कहानी मेरी सूची में सबसे ऊपर थी। ऐसी प्रजातियों की कहानी जिनका अस्तित्व मानव विलासिताओं के चलते लुप्त होने के कगार पर आ गया हो, के कहे जाने के लिए जटिल प्रक्रिया होती है जिसे इन्वेस्टीगेटिव जर्नलिज़्म कहा जाता है जिसमें काफी जोखिम भी होता है। मेरे लिए लेकिन, ये एक सर्वथा उपयुक्त प्रोजेक्ट था।

❑ आपने पिछले कुछ साल शिकारियों के विरुद्ध गश्ती दल के साथ बिताए हैं। किस कारण से आप टाइगर तस्करी को लेकर एक प्रकार का खुलासा लाना चाहते थे?

मैं पिछले कुछ सालों से एक धर्मार्थ संगठन के साथ काम कर रहा था जिसमें पूर्व सैन्य अधिकारियों को वन्यजीवों का समुचित संरक्षण सुनिश्चित करने की दिशा में सार्थक भूमिका अदा करने तथा अपराधों को रोकने का अवसर प्रदान किया जाता है। चूंकि हम उच्च प्रशिक्षण प्राप्त किये होते हैं तो हमारा उद्देश्य अवैध शिकारियों के विरुद्ध कार्य करने वाले यूनिट्स का प्रशिक्षण तथा मार्गदर्शन होता है। कई बार इन शिकारियों, जो थोड़ी आय के लिए अपना जीवन दांव पर लगा देते हैं, के पास दूसरा विकल्प ही नहीं होता। प्रमुख समस्या उस नेटवर्क से जुड़ी है जो दक्षिणपूर्व एशिया में बने संगठित तस्करी नेटवर्क अवैध उत्पादों की मांग ही है। अवैध शिकार केवल इसलिये ही होता है क्योंकि इन उत्पादों की मांग बढ़ती जा रही है।

जल्दी ही मुझे ये स्पष्ट हो गया कि अवैध शिकार के विरुद्ध चलने वाले समस्त अभियान की इस बढ़ती मांग, तस्करी सिंडीकेट तथा सरकारी भ्रष्टाचार के कारण अनदेखी की जा रही है। जहां भी इन उत्पादों की मांग होती है वहां कोई न कोई व्यक्ति अवैध शिकार के लिए अपने जीवन को दांव पर लगाने को तैयार दिखता है। यही कारण था कि मैं इस अवैध व्यापार से जुड़े नेटवर्क, संगठित अपराध तथा सरकारी लिप्तता के बारे में अधिक से अधिक जानकारी एकत्र करना चाहता था।

❑ आपके समक्ष जमीन पर किस प्रकार की चुनौतियां थीं?

इस प्रकार की पड़ताल में चुनौतियां और जोखिम तो रहता ही है। ये व्यापारर मलेशिया से लेकर थाइलैंड, लाओस, वियतनाम तथा चीन तक पसरा है। इन देशों के व्यापार की प्रकृति के कारण ही तस्करी को अन्य अवैध गतिविधियों से जोड़ा जा सकता है जैसे ड्रग्स, मानव तस्करी आदि। अतः जोखिम की मात्रा काफी अधिक होती है। लेकिन सबसे बड़ी चुनौती और जोखिम तो इन अन्वेषणकर्ताओं को था क्योंकि जो हमारे साथ काम कर रहे थे और जिन्हें इन गतिविधियों को सामने लाने के क्रम में अपनी जान भी गवां सकते हैं। मैं तो वास्तव में इस व्यापार को एक उद्योग का आकार लेते देखकर अत्यंत असहाय अनुभव कर रहा था।

❑ इस फिल्म के निर्माण के क्रम में आपने स्वयं को कुछ अत्यंत जोखिमपूर्ण स्थितियों में डाला। ऐसे में रॉयल मरीन कमांडो स्नाइपर के आपके पूर्व जीवन से आपको इस परिस्थिति से निबटने में कितनी मदद मिली?

इस पूरे फिल्मांकन के दौरान मुझे मेरी पृष्ठभूमि का पूरा लाभ मिला। मेरे द्वारा पूर्व में सीखे गए कई कौशल बहुत काम आए जैसे कि जांच के लिए उपयोगी सूचना का एकत्रीकरण। कई बार तो मैं और निर्देशक लौरा ही वहां होते थे। मुझे समस्त योजना को इस प्रकार नियोजित करना पड़ता था जैसे कि हम किसी मिलिटरी मिशन पर हों। इसमें हम वाहनों के आने-जाने, संपर्क, कार्रवाई तथा संकटकालीन विकल्प तैयार रखना आदि। किसी भी लाइव इन्वेस्टीगेशन के लिए लचीला होना परम आवश्यक होता है। कई बार तो हम 18 घंटे तक बाहर रहे और फिर हमें किसी दूसरे देश की लीड पर काम करने निकलना होता था। लेकिन इस पूरे दौरान हमें ज्ञात रहता था कि हम जो भी कर रहे हैं वो अत्यधिक जोखिमयुक्त तथा खतरनाक था।

❑ क्या इससे जुड़ी कोई विशेष स्मृति या क्षण आपको स्मरण आता है?

हमारे लिए सबसे स्मरणीय क्षण मलेशिया में तमन नेगरा नेशनल पार्क में टाइगर शिकार विरोधी इकाई के साथ समय बिताना रहा। वहां हमनें अवैध शिकारियों की तलाश में कई सप्ताह साथ बिताए थे। उन्होंने मलेशिया में बचे चंद टाइगर्स के संरक्षण के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया है। लेकिन उसी देश में औद्योगिक स्तरीय शिकार का होना उनके प्रयासों को एक प्रकार से धता बताना ही कहा जाएगा। वन्य टाइगर वहां से वियतनाम और चीन भेजे जाते हैं। वहां जीवित पशु के स्थान पर मृत पशु को अधिक कीमत पर बेचा जा सकता है। उन लोगों के साथ समय व्यतीत करना और उनकी कार्यप्रणाली को जानना समझना वास्तव में अत्यंत रोचक रहा। उन्हीं से मुझे इस सीरीज़ को बनाने और टाइगर्स को अवैध शिकार से बचाने तथा उनके संरक्षण हेतु प्रेरणा मिली।

मेरे लिए सबसे स्तब्ध कर देने वाले परिदृश्य में कुछ विशालकाय स्थान थे जिनमें एक साथ सैकड़ों टाइगर्स को बंद करके रखा जा सकता था। टाइगर से जुड़ा व्यापार चोरीछिपे होता है जबकि हाथी दांत और गेंडे से जुड़े मामलों में क्रूरता साफदृष्टव्य होती है। पहले उनकी फार्मिंग करके उन्हें पैदा और विकसित किया जाता है और बाद में उन्हें उनकी अस्थियों के लिए मार दिया जाता है। हम ऐसे स्थानों तथा इससे जुड़े क्रूरता के तत्व को विश्व के सामने लाना चाहते थे।

❑ आपके अनुसार लोग इसे क्यों देखेंगे और उन्हें इससे क्या सीख मिल सकती है?

वन्यजीवों के संरक्षण में रुचि रखने वाले लोगों को इसे देखना चाहिये। ये आपको लुप्त होने के कगार पर खड़े एक वन्यजीव की दशा की पड़ताल करती एक कहानी है कि किस प्रकार पशु को वस्तु मानकर उसका उपभोग करने से पूरे वन्यजीवन पर खतरा हो सकता है। मुझे आशा है कि इस फिल्म के माध्यम से थोड़ा बदलाव हो सकेगा। इससे उन स्थानीय तथा अंतर्राष्ट्रीय एनजीओ के कार्य को अधिक महत्वपूर्ण माना जा सकेगा जो टाइगर के बचाव और संरक्षण से जुड़े हैं।

(ये सीरीज़ आपके लिए सोनी बीबीसी अर्थ चैनल पर 3 अक्तूबर से रात 9 बजे उपलब्ध होगी)

एसपी बालासुब्रमण्यम : गायकी से दिलों को जीतने वाले सुरों के जादूगर

भाषा। चेन्नई

पार्श्व गायक एस पी बालासुब्रमण्यम ने अपनी सुरीली आवाज से कई पीढ़ियों के दिलों पर राज किया। उन्होंने हिंदी, तमिल, तेलुगू समेत विभिन्न भाषाओं में गाने गाए और कई पुरस्कार भी जीते। कोविड-19 से 74 साल की उम्र में बालासुब्रमण्यम का यहां एक अस्पताल में निधन हो गया। उन्होंने तमिल और अपनी मातृभाषा तेलुगू, हिंदी समेत 16 भाषाओं में गाने गए। कई राष्ट्रीय और राज्यों के पुरस्कार के साथ ही पद्म श्री और पद्म भूषण से भी उन्हें नवाजा गया। उन्होंने पांच दशक के अपने करियर में कई पीढ़ी के संगीतकारों के साथ काम किया और 40,000 से ज्यादा गाने गाए। बाद के दिनों में वह कई रियल्टी शो से भी जुड़े। एस पी बालासुब्रमण्यम का पूरा नाम श्रीपति पंडिताराध्याउला बालासुब्रमण्यम था। मोहम्मद रफी के गानों से प्रभावित बालासुब्रमण्यम ने हजारों सदाबहार गाने गाए। सभी तरह के गानों को उन्होंने अपनी आवाज दी, चाहे खुशी के नगमें हो या दर्द भरे गीत। उन्होंने 1966 में पहला गीत गाया था। वर्ष 1969 में एमजीआर अभिनीत अदिमाईपेन में उनका गाया अयराम निलावे वा बहुत लोकप्रिय रहा और उसके बाद वह बुलंदियों को छूते गए। शास्त्रीय गायन में औपचारिक प्रशिक्षण नहीं होने के बावजूद उन्होंने जिन उंचाइयों को छुआ , वहां तक कई प्रशिक्षित गायक भी नहीं पहुंच पाते हैं। उनका जन्म आंध्रप्रदेश के नेल्लौर में चार जून 1946 को हुआ था। प्रख्यात संगीतकार इलैयाराजा समेत उनके कई दोस्त उन्हें प्यार से बालू कहकर बुलाते थे। पिछले वर्षों में बालासुब्रमण्यम ने कहा था, मैं सिनेमा जगत में नहीं आना चाहता था। साठ के दशक में मैं एक इंजीनियर बनना चाहता था। चाहता था कि 250 रुपए वेतन मिले और मेरे पास एक जीप हो। उन्होंने एम एस विश्वनाथन, इलैया राजा, ए आर रहमान समेत कई संगीतकारों के साथ काम किया और पी सुशीला, एस जानकी, वाणी जयराम और चित्रा समेत अन्य गायिकाओं के साथ युगल गाने भी गाए। बालासुब्रमण्यम को गानों के लिए छह राष्ट्रीय पुरस्कार मिले। हिंदी फिल्मों में भी उन्होंने एक से बढ़कर एक गाने गाए जिनके श्रोता आज भी कायल हैं। इसके अलावा उन्होंने भक्ति गाने भी गए। संगीतकार इलैयाराजा के साथ उनकी बहुत प्रगाढ दोस्ती थी। गायक के जे एसुदास के प्रति भी वह बहुत स्नेह रखते थे और उन्हें गुरु कहकर पुकारते थे। बालासुब्रमण्यम की बहन एस पी शैलजा भी गायिका हैं। बालासुब्रमण्यम के पुत्र चरण भी सिनेमा-संगीत क्षेत्र में सक्रिय हैं।

फिल्मी हस्तियों ने एसपी बालासुब्रमण्यम को याद किया

भाषा। मुंबई

प्रसिद्ध गायिका लता मंगेशकर, संगीतकार एआर रहमान, अभिनेता सलमान खान, अक्षय कुमार, अनिल कपूर और अभिनेत्री राम्या कृष्णन ने मशहूर गायक एसपी बालासुब्रमण्यम के निधन पर उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए संगीत के क्षेत्र में उनके योगदान को याद किया। एसपीबी नाम से मशहूर 74 वर्षीय गायक का दो महीने तक कोरोना वायरस से जूझने के बाद शुक्रवार को निधन हो गया। बालासुब्रमण्यम के बेटे एस पी चरण ने संवाददाताओं को बताया कि उनके पिता ने दोपहर 1.04 बजे के आसपास अंतिम सांस ली। मंगेशकर ने बालासुब्रमण्यम को अद्भुत गायक और विनम्र इंसान बताते हुए उनके साथ किए गए काम को याद किया। उन्होंने कहा, मैं एसपी बालासुब्रमण्यम के निधन से बहुत दुःखी हूं। हमने साथ में अनेक गाने रिकॉर्ड किए और कई शो किए। उनके परिवार के प्रति मेरी संवेदनाएं। रहमान ने एसपीबी के साथ अपनी तस्वीर साझा करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि दी है। बालासुब्रमण्यम से सलमान खान के अनेक गीतों को स्वर दिया और 1990 के दशक में मानो वह सलमान की आवाज ही बन गए थे। मेरे रंग में रंगने वाली , पहला पहला प्यार है , मौसम का जादू और हम आपके हैं कौन इनमें से कुछ हैं। बृहस्पतिवार को ही एसपीबी के जल्द स्वस्थ होने की कामना करने वाले सलमान ने कहा कि उनके निधन से वह टूट गए हैं। उन्होंने ट्वीट किया, एसपी बालासुब्रमण्यम सर के बारे में सुनकर आहत हूं। आप संगीत की अपनी निर्विवाद विरासत के रूप में हमेशा हमारे साथ रहेंगे। परिवार के प्रति संवेदनाएं। अनिल कपूर ने उन्हें महान इंसान बताया और कहा कि उनकी कमी वाकई खलेगी। अक्षय कुमार ने कहा, कुछ महीने पहले ही लॉकडाउन के दौरान एक डिजिटल कंसर्ट में उनसे बात हुई थी। वह तंदुरुस्त, ऊर्जावान और अपने खास अंदाज में दिख रहे थे। जीवन का वाकई कुछ पता नहीं। मेरी दुआएं और संवेदनाएं उनके परिवार के साथ हैं। बाहुबली में काम कर चुकीं राम्या ने ट्वीट किया, इतने खास इंसान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। फिल्मकार मधुर भंडारकर, बिजॉय नांबियार और सुजॉय घोष ने भी एसपीबी को श्रद्धांजलि दी।

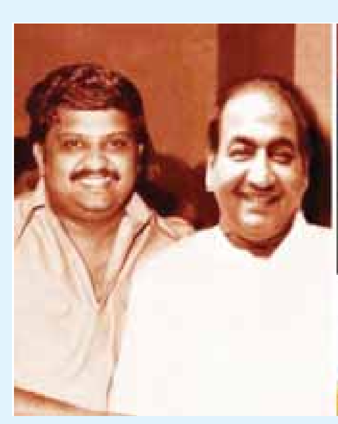

शूटिंग शुरू करने से पहले वरुण धवन ने कराई कोविड-19 जांच

मुंबई। अभिनेता वरुण धवन ने शुक्रवार को सोशल मीडिया पर बताया कि फिल्म के सेट पर लौटने से पहले उन्होंने एहितायतन कोविड-19 जांच कराई। धवन ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर एक तस्वीर और वीडियो साझा किया जिसमें वह पीपीई पहने हुए स्वास्थ्यकर्मी के साथ दिखे हैं। अभिनेता ने अपने प्रशंसकों से अपील की है कि वे सामाजिक दूरी का पालन करें और जब भी बाहर जाएं तो मास्क जरूर पहनें। धवन ने पोस्ट में लिखा है कि वह सभी एहतियातों के साथ काम पर लौट रहे हैं। उन्होंने इसमें दो गज की दूरी, मास्क है जरूरी भी लिखा है। अभिनेता की अगली फिल्म कूल नंबर। है। इसका निर्देशन उनके पिता व निर्देशक डेविड धवन ने किया है। यह फिल्म 1995 में रिलीज हुई कूली नंबर वन की रिमेक है।

अर्जुन रामपाल ने कराई कोविड-19 जांच

मुंबई। अभिनेता अर्जुन रामपाल ने शुक्रवार को बताया कि उन्होंने कोविड-19 जांच कराई है, जिसकी रिपोर्ट में उनके

कोरोना वायरस से संक्रमित नहीं होने की पुष्टि हुई। रामपाल ने फिल्म नेल पॉलिश में अपने सह-कलाकारों के कोरोना वायरस से संक्रमित पाए जाने के बाद खुद को पृथक कर लिया था। रामपाल (47) ने बृहस्पतिवार को बताया था कि उनके साथी कलाकारों मानव कौल और आनंद तिवारी के कोरोना वायरस से संक्रमित पाए जाने के बाद फिल्म की शूटिंग तत्काल रोक दी गई है। अभिनेता ने ट्वीट किया कि वह डॉक्टरों की सलाह पर चार दिन बाद दोबारा जांच कराएंगे। उन्होंने ट्वीट किया, अच्छी खबर है। मैं कोरोना वायरस से संक्रमित नहीं पाया गया हूं। चिकित्सा विशेषज्ञों की सलाह पर चार दिन बाद फिर जांच कराउंगा क्योंकि मैं कोरोना वायरस से संक्रमित लोगों के सीधे संपर्क में था।

इंडियाज़ बेस्ट डांसर में ताजा हुआ शक्ति कपूर और चंकी पांडे का फिल्मी सफर

सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन का शो इंडियाज़ बेस्ट डांसर इस समय छोटे पर्दे का सबसे पॉपुलर शो बना हुआ है। इस वीकेंड इस शो में कॉमेडी स्पेशल होगाए जिसमें कॉमेडी के जाने.माने सितारे शक्ति कपूर और चंकी पांडे का स्वागत किया जाएगा। दोनों अपनी बेहतरीन कॉमिक टाइमिंग के लिए जाने जाते हैं। फिल्मों में एक से बढ़कर एक किरदार निभा चुके इन दोनों कलाकारों ने सेट पर जमकर मस्ती की। उन्होंने इन सभी कंटेस्टेंट्स की अद्भुत प्रतिभा और उनके एक्ट्स की दिलचस्प थीम की भी तारीफ की। खास तौर पर वे कंटेस्टेंट रुतुजा जुन्नारकर और उनके कोरियोग्राफर वैभव के डांस एक्ट से काफी प्रभावित थेए जिन्होंने चंकी पांडे की फिल्म ष्पाप की दुनियाष् के गाने ष्मैं तेरे तोताष् पर परफॉर्म किया था। चंकी ने कहाए श्मामा मिया! यह मेरे लिए फ्लैशबैक की तरह था। शक्ति कपूर भी इस फिल्म का हिस्सा थे। जिस तरह आपने परफॉर्म कियाए वो बेहतरीन था। अब मुझे लगता है कि काश मैंने और नीलम ने उसी तरह परफॉर्म किया होताए जिस तरह आप दोनों ने किया। वैभवए मुझे आपका ष्आखरी पास्ताष् का नयापन भी बहुत अच्छा लगा।श् रुतुजा जुन्नारकर की शानदार परफॉर्मेंस के बाद चंकी पांडे ने बताया कि वो इंडस्ट्री में कैसे आए और अपने शुरुआती दिनों में उन्हें फिल्में कैसे मिली और इस दौरान शक्ति कपूर से उन्हें किस तरह सपोर्ट किया था। पर्दे पर कई किरदारों को लोकप्रिय बना चुके शक्ति कपूर ने बताया कि उन्होंने चंकी पांडे के साथ तकरीबन 40 फिल्मों में काम किया।

'नेटवर्क्स इंडियाज बेस्ट वर्क प्लेसेस फॉर वीमन 2020 की शीर्ष 50 की सूची में'

मुंबई। ग्रेट प्लेस टू वर्क इंस्टीट्यूट ने सोनी पिक्चर्स नेटवर्क्स इंडिया को भारत में महिलाओं के लिए शीर्ष 50 सर्वश्रेष्ठ कार्यस्थलों की 2020 की सूची इंडियाज बेस्ट वर्कप्लेसेस फॉर वीमन 2020 में शुमार किया है। इस तरह एसपीएन ने एम्प्लॉयर ऑफ चॉइसष् के रूप में अपने रुतबे को और मजबूत कर लिया है। यह समूह को मिली तीसरी सराहना है। इससे पहले उसे जून 2020 में ग्रेट प्लेस टू वर्क इंस्टीट्यूट की इंडियाज बेस्ट कंपनीज टू वर्क फॉर 2020 और इंडियाज बेस्ट वर्कप्लेसेस इन मीडिया 2020 सूचियों में शामिल होने का गौरव मिल चुका हैाएनपी सिंह प्रबंध निदेशक और सीईओ सोनी पिक्चर्स नेटवर्क्स इंडिया ने कहा इंडियाज बेस्ट वर्कप्लेसेस फॉर वीमन 2020 में शुमार होना एक महत्वूपूर्ण उपलब्धि है जो विविधता की शक्ति में हमारे विश्वास को प्रतिबिंबित करती है।